



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 49] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 7, 1991 (अग्रहायण 16, 1913)
No. 49] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 7, 1991 (AGRAHAYANA 16, 1913)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.)

भाग III—खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय स्टेट बैंक
केन्द्रीय कार्यालय

बम्बई—400021, दिनांक 15 नवम्बर 1991

सूचना

सं० एस०बी०डी०/2516—भारतीय स्टेट बैंक (समन्वयित बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 29(1) के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक ने स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद के निदेशक बोर्ड से विचार विमर्श करने के पश्चात् तथा भारतीय रिजर्व बैंक की स्वीकृति से डा० ए० के० भट्टाचार्य को और छः महीने की अवधि दिनांक 20 नवम्बर, 1991 से 19 मई, 1992 (दोनों दिन सम्मिलित) तक स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद के प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया है।

ह०/- प्रपठनीय
अध्यक्ष

भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान

बम्बई—400 005, दिनांक 31 अक्टूबर 1991

सं० डब्ल्यू० सी० ए० (5) 10/91-92—इस संस्थान की अधिसूचना नं० 3 डब्ल्यू० सी० ए० (4) 8/83-84 दिनांक 31 मार्च, 1984, 3 डब्ल्यू० सी० ए० (4) 7/86-87, दिनांक 25 फरवरी, 1987, 3 डब्ल्यू० सी० ए० (4) 11/87-88 दिनांक 5 जनवरी, 1988, 3 डब्ल्यू० सी० ए० (4) 10/88-89 दिनांक 15 फरवरी, 1989, 3 डब्ल्यू० सी० ए० (4) 12/89-90 दिनांक 20 नवम्बर, 1989, 3 डब्ल्यू० सी० ए० (4) 13/89-90 दिनांक 27 नवम्बर 89, 3 डब्ल्यू० सी० ए० (4) 14/89-90 दिनांक 20 नवम्बर 89, 3 डब्ल्यू० सी० ए० (4) 21/89-90 दिनांक 31 मार्च 90, 3 डब्ल्यू० सी० ए० (4) 8/90-91, दिनांक 2 जनवरी, 91, 3 डब्ल्यू० सी० ए० (4) 9/90-91, दिनांक 25 जनवरी, 91,

3 डब्ल्यू. सी. ए. (4)/13/90-91, दिनांक 26 फरवरी, 1991 के संवर्ध में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम, 1988 के विनियम 20 के अनुकरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 19 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम 'पुनः उनके आगे दी गई तिथियों से स्थापित कर दिया है:—

क्र. सं.	सदस्य संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1	2	3	4
1.	14696	श्री आर. एस. हरीहरन, ए. सी. ए., 104-आय-बी हॉरीशोन विद्यु बैंक ऑफ महाराष्ट्रा लेन, जे. पी. रोड के सामने, बसोबा, बम्बई-400 061 ।	12-9-91
2.	17566	श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, एफ. सी. ए., 5/50 रमेशवार अपार्टमेंट्स, सोला रोड, अहमदाबाद-380 013 ।	22-7-91
3.	18223	श्री उदयशंकर नेत्रावली, ए. सी. ए., 6/95, श्री पालेश्वर को-ऑप. सो. एम. जी. रोड-एक्सटेंशन, विलेपार्ले (ईस्ट) बम्बई-400 057 ।	25-9-91
4.	30294	श्री के. चन्द्रमोली, ए. सी. ए., 12-9-91 बी-202 न्यू उषानगर, भांडूप (वेस्ट) बम्बई-400 078 ।	
5.	30880	श्री नन्दन हरीश्वर जोशी, ए. सी. ए., बी-504, अश्विनी, एस्कार रोड, डोरिवली (वेस्ट) बम्बई-400 092 ।	18-9-91
6.	33460	श्री सुधीर राम रत्न अग्रवाल, ए. सी. ए., 63-सी, मिलल टॉवर, नरीमन पॉइंट, बम्बई-400 021 ।	27-9-91

1	2	3	4
7.	33553	श्री चन्द्रप्रकाश के. खरे, ए. सी. ए., डेप्युटीफाइनान्स मैनेजर, क्वार्टर : सी-1, कोल इस्टेट सिविल लाईन्स, नागपुर ।	19-8-91
8.	34288	श्री विनोद आत्माराम हिरानवनी, ए. सी. ए., 10879 एस. डब्ल्यू., 149 पी. एल., भिरामी, एफ. एल. 33196 यू. एस. ए. ।	4-10-91
9.	34324	मिसेस जस्मीन विनोद हिरानन्दानी, ए. सी. ए., 10879 एस. डब्ल्यू. 149 एफ. एल. भिरामी, एफ. एल. 33196 यू. एस. ए. ।	4-10-91
10.	34559	श्री विजय प्रभाकर जोशी, ए. सी. ए., सी-77/7 दूधसागर को. ऑ. सो. लि., गिना रोड, भोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400095 ।	26-9-91
11.	35898	श्री आर. नटराजन, ए. सी. ए., 18-9-91 14, रिकी भुवन, एल. एन. रोड, माटुंगा, बम्बई-400 019 ।	
12.	36509	श्री धनंजय मचिनदानंद ताकते, ए. सी. ए., 238, रास्ता पेट, पूना-411 011 ।	26-8-91
13.	39515	श्री अनिल मोहनलाल झान, ए. सी. ए. 10/2ला मजला, कैलाश भुवन, विनदयाल रोड, डोबिवली (वेस्ट) जिला—ठाणा ।	3-6-91
14.	39843	श्री राम प्रभाकर केंबुरकर, ए. सी. ए., विश्राम टिकेकर रोड, धनतोली, नागपुर-12 ।	9-10-91

1	2	3	4
15.	41413 श्री मुकुंज वामुदेव देशपांडे, 26-9-91 ए० सी० ए०, 18, अमरकुंज, वीर सावरकर मार्ग, दादर, बम्बई-400 028 ।		
16.	42502 श्री आर० रमाधान, ए०सी०ए०, 24-9-91 नं० 302, पहला मजला, कैप्रीज लेआउट, बंगलोर-560 008 ।		
17.	71108 श्री केमचन्द अहुजा, ए०सी०ए०, 9-4-91 मैनेजर (क्रेडीट) बैंक ऑफ बरोडा, जोनल आफिस आनंद भुवन, जयपुर ।		

ए० के० मजुमदार,
सचिव

कलकत्ता-700 071, दिनांक 12 नवम्बर 1991

(घाटेंड एकाउन्टेन्ट्स)

नं० 3-ई० सी० ए० (5)/8/91-92—इस संस्थान की अधिसूचना नं० 4-ई० सी० ए० 15/81-82 दिनांक 25 फरवरी, 1982, 3-ई० सी० ए० (4)/6/89-90 दिनांक 2 नवम्बर, 1989 और 3-ई० सी० ए० (4)/4/90-91 दिनांक 19 नवम्बर, 1990 के मन्दर्भ में घाटेंड प्राप्त लेखाकार विनियम, 1988 के विनियम 20 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 19 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय घाटेंड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनके आगे दी गई तिथि से स्थापित कर दिया है ।

क्र० सं०	सदस्यता संख्या	नाम एवं पता	दिनांक
1	2	3	4
1.	16793	श्री इन्द्राजीत रोय, ए० सी० ए०, 10-9-91 5098, फेयरवाइन्ड इाइव, मिस्सिसौगा, ओन्टारियो, एल 5 आर 2 एन 4, कनाडा ।	
2.	50046	श्री गौतम दत्ता, ए० सी० ए०, 3-9-91 फ्लैट-1 बी, पी-1/4, प्यारे मोहन रोय रोड, कलकत्ता-700 027 ।	

1	2	3	4
3.	52944 श्री मुकेश कुमार, ए० सी० ए०, 19-9-91 केयर ओफ उडीसा सिन्धैटिक्स लि०, लक्ष्मी नगर, बोलपुर-759031 डिस्ट०—धनकनाल ।		

ए० के० मजुमदार,
सचिव

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1991

संख्या एन-15/13/1/6/87-यो. एवं वि.—(2) कर्मचारी राज्य बीमा सामान्य विनियम-1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा-46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 1-11-91 ए०सी तारीख के रूप में नियुक्त की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा आन्ध्र प्रदेश कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1955 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ आन्ध्र प्रदेश राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेंगे ।

अर्थात्

“मंडक जिले के शिवमपेट मंडल में शाबाक्षपल्ली सहित राजस्व ग्राम बोधी के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र” ।

दिनांक 18 नवम्बर 1991

संख्या एन-15/13/5/1/90-यो. एवं वि.—(2) कर्मचारी राज्य बीमा) सामान्य विनियम-1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा-46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 16-10-91 ए०सी तारीख के रूप में निश्चय की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा गुजरात कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1963 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ गुजरात राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमाकृत व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेंगे ।

अर्थात्

“महेशाणा जिले में कावी टाउन नगर पालिका तथा कादी टाउन राजस्व सीमा के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र जी.आर्.डी.सी. कादी समेत” ।

संख्या एन-15/13/5/1/90-यो. एवं वि.—(2) कर्मचारी राज्य बीमा) सामान्य विनियम-1950 के विनियम 95-क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा-46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 1-11-91 ए०सी तारीख के रूप में निश्चय की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा गुजरात कर्मचारी राज्य बीमा नियम-1963 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ गुजरात

राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेंगे।

अर्थात्

“जिला महेष्वाणा के तालुका कावी में गांव बुवासन, कून्डल (कावी थोर रोड) इन्डाल (कावी-नन्दासन रोड), अरवोल, अतबास, करन नगर, नानी-कावी के क्षेत्र”।

एस. घोष, संयुक्त बीमा आयुक्त

श्रम मन्त्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 20 नवम्बर 1991

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त का कार्यालय

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जाम/89/भाग-1/1939—जहाँ अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क)

अनुसूची-1

क्र० सं० स्थापना का नाम और पता	कोड सं०	स्थापना को छूट बढ़ाने के लिए भारत सरकार के अधिसूचना की संख्या तथा तिथि	पहले से प्रदान की गई छूट की समाप्ति की तिथि	अवधि जिसके लिए और छूट दी गई है	क्र० भ० नि० अ० फाइल नं०
1. मैसर्स यू० बी० एस० पब्लिशर्स इस्ट्रीब्यूटर्स लिमिटेड, 5 अंसारी रोड, पो० बाक्स सं० 7115, नई दिल्ली-110002	डी० एल०/1061	एस०-35014/23/82/पी० एफ० 11/एस० एस०-11/दिनांक 18-7-86	26-11-88	27-11-88 से 26-11-91	2/486/81-डी० एल० आई०
2. मैसर्स उर्झासा सीमेंट लि०, शिव महल, तीसरी मंजिल, बी-47, कनाट प्लेस, नई दिल्ली-110001	डी० एल०/3281	2/1959/डी० एल० आई०/एक्जाम/89/पार्ट-1, दिनांक 3-4-91	30-11-89	1-12-89 से 30-11-92	2/1702/87-डी० एल० आई०

अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसमें इसमें इसके पश्चात् निोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्विष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के खंड-क के अधीन समय-समय पर निर्विष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा

के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस वक्त से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अवयगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा तथैव श्रम मन्त्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-2 में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम उक्त स्कीम को सभी उपबंधों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ, जैसा कि संलग्न अनुसूची-1 में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाय, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम

के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम का संवत्स करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेद्य राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी का उस दशा में संवेद्य होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिवक वारिस/नाम निर्देशितों का प्रांतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रांतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है, वहाँ क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्ति-युक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिस स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यक्तिगत दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिवक वारिसों को जो यदि यह छूट नहीं दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिवक वारिसों की बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

संख्या 2/1959/डी. एल. आई./एकजाम/89/भाग-1/1945—जहाँ मैसर्स दा टिर्लुचन्द कोर्पोरेटिव स्पॉनिंग मिल्स लिमिटेड, नजारथ, चिक्मरन्दूर, जिला (टी.एन/2926) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिस केस में इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग

अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जॉकि एंसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिस इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना सं. एस-35014/234/83/पीएफ-2/एसएस-2 दिनांक 3-12-86 के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम उक्त स्कीम के सभी उपबंधों के संचालन से उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूँ, दिनांक 24-12-89 से 23-12-92 तक लागू होगा जिसमें यह तिथि 23-12-92 भी शामिल है।

अनुसूची 1।

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिस इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और एस लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निरीक्षण करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के खंड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत नक्काओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संवत्स करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन अनुज्ञेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेद्य राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवेद्य

होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन में कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिससे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत कर, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्ययगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यक्तिगत दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एकजाम/89/भाग-1/1951—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोजकों ने (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूँ कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसमें इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1 में) उल्लिखित पिछली तारीख में प्रभावी जिन तिथि में उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त गृहगत से स्कीम की धारा 28 (7) के अंतर्गत डील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूँ।

अनुसूची-I

क्र.सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड सं.	छूट की प्रभावी तिथि	क्र. भ. नि. आ. फाइल सं.
1	2	3	4	5
1.	मैसर्स कायनामिड इण्डिया लि. पी.ओ. अतुल-396020 डिस्ट्रिक्ट बलसाद	जी.जे. 1057	1-7-89 से 30-6-92	2/3378/91- डी.एल.आई.
2.	मैसर्स के.एस. इंजीनियरिंग वर्क्स, 5/58, मुन्नी इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, बापू नगर, अहमदाबाद-380024	जी.जे. 1969	1-9-89 से 31-8-92	2/3456/91- डी.एल.आई.
3.	मैसर्स टी.मानकलाल (डिबीजन : एस.एल.एम. मानकलाल इण्डस्ट्रीज (लि.) बत्ता-382445 ताल-बोसेरी डिस्ट्रिक्ट अहमदाबाद (ब्रांच आफिस जो कि इसी कोड नं. के अंतर्गत फवर्ड है)	जी.जे. 4514	1-3-89 से 31-1-92	2/3412/91- डी.एल.आई.
4.	मैसर्स भगवती फाउन्ड्रीज लि. औषध रोड, ओषध-382410 डिस्ट्रिक्ट अहमदाबाद	जी.जे. 4594	1-4-89 से 31-3-92	2/3457/91- डी.एल.आई.

1	2	3	4	5
5.	मैसर्स यूनाइटेड आटो इंजीनियरिंग वर्क्स गन हाऊस के सामने, खानपुर, अहमदाबाद-380009	जी० जे०/6527	1-2-87 से 31-1-90 फिर दोबारा 1-2-90 से 31-1-93	2/3458/91- डी० एल० आई०
6.	मैसर्स अहमदाबाद एक्पोर्ट हाऊस, गन हाऊस के सामने, खानपुर, अहमदाबाद-380001	जी० जे०/6527-बी	1-2-87 से 31-1-90 फिर 1-2-90 से 31-1-93	2/3459/91- डी० एल० आई०
7.	मैसर्स इंडस्ट्रीयूट आफ सरल मैनेजमेंट पोस्ट बाक्स न० 60, आनन्द-388001 डिस्ट्रिक्ट खेडा	जी० जे०/13777	1-6-89 से 30-5-92	2/3461/91/- डी० एल० आई०
8.	मैसर्स गुजरात को-ऑपरेटिव ग्रैन ग्रावरम फेडरेशन लि०, हनुमान श्री यास, सोमाइटी, वासना, बोरग रोड, वसना, अहमदाबाद	जी० जे०/14280	1-3-90 से 29-2-92	2/3462/91- डी० एल० आई०
9.	मैसर्स दा गुजरात स्टेट ट्रेडलूम एण्ड इण्डस्ट्रीयल को-ऑपरेटिव फेडरेशन लि० जाफेरी मजिल सलपस रोड, अहमदाबाद-380001	जी० जे०/14250	1-3-89 से 29-2-92	2/3486/91- डी० एल० आई०
10.	मैसर्स मंहसाना नागरिक सहकारी बैंक लि०, मंहसाना-384001	जी० जे०/14384	1-6-87 से 28-2-90	2/1885/88- डी० एल० आई०

अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है)। सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को एंसे विवरणियां भेजेगा और एंसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए एंसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, एंसे निरीक्षण प्रभारी को प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तर्गण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी हैं होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें

संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुत संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन अनजोय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदाय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवेद्य

होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिफल के रूप में वनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने में पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का व्यक्तिगत अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चक्की है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को खयगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों की बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से सीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर मतिस्थित करेगा।

बी. एन. सोम

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

छावनी बोर्ड

केन्नामोर-670017, दिनांक 18 अक्टूबर, 1991

सं० 43/1/1978-91 सा० नि० 6—उम रीति का विनियमन करने के लिए जिसमें जल प्रदाय मेन का कनेक्शन दिया जा सकता है या उसका अनुरक्षण किया जा सकता है और उससे सम्बन्धित कार्य के निष्पादन के लिए अभिकरण का नियोजन किया जा सकता है और जल प्रवाय और उपयोग से संबंध, जिसके अन्तर्गत उसके प्रसार का संग्रहण और वसूली भी है, सभी मामलों और बातों और उससे अपवंचन के निवारण का विनियमन करने के लिए उपविधियों का एक प्रारूप छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 284 की अपेक्षानुसार छावनी बोर्ड की सूचना सं० 43/1/1990, तारीख 23 अप्रैल, 1990 के अधीन प्रकाशित किया गया था, जिसमें उक्त तारीख से 30 दिन की अवधि के अवसान से पूर्व जिसको उक्त सूचना की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं, उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी ;

और उक्त प्रारूप सूचना 23 अप्रैल, 1990 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व किसी व्यक्ति से कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं ;

अतः छावनी बोर्ड कन्नानोर, उक्त अधिनियम की धारा 284 के खंड (32), (33) और (34) और धारा 283 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी से निम्नलिखित उपविधियां बनाता है :—

(1) संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—इन उपविधियों का संक्षिप्त नाम कन्नानोर छावनी जल प्रदाय उपविधियां, 1990 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगी।

2. परिभाषाएं :—इन उपविधियों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, :—

(क) “अधिनियम” से छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) अभिप्रेत है ;

(ख) “बोर्ड” से छावनी बोर्ड, कन्नानोर अभिप्रेत है ;

(ग) “कनेक्शन” से छावनी जल मेन से गृह या परिसर की चार दिवारी तक या मीटर तक, जो भी मेन से दूर हो, पाइप द्वारा कनेक्शन अभिप्रेत है ;

(घ) “उपभोक्ता” से छावनी जल मेन से संबंधित छावनी में भवन या परिसर का स्वामी, अधिभोषी या पट्टेदार अभिप्रेत है ;

(ङ) “वितरण पाइप” के अन्तर्गत अपनी अधिकारिता के अन्तर्गत जल के प्रदाय के प्रयोजन के लिए बोर्ड के नियंत्रणाधीन जल मेन है ;

(च) “कार्यपालक अधिकारी” से छावनी का कार्यपालक अधिकारी अभिप्रेत है ;

(छ) “प्रारूप” से इन उपविधियों से संलग्न प्रारूप अभिप्रेत है ;

(ज) “धृति” से वह भूमि अभिप्रेत है जो किसी हक या करार के अधीन धारित हो और चार दिवारियों के किसी एक सेट द्वारा घिरी हुई हो और इसके अन्तर्गत ऐसी दो या अधिक पार्श्व धृतियां भी हैं जो स्थल या परिसर या निवास गृह या स्थान या व्यापार और कारबार के स्थान का भाग हैं ;

(झ) “संस्थापन” से किसी गृह या परिसर में पाइप कार्य और फिटिंग, कनेक्शन को छोड़ कर, अभिप्रेत है ;

(ञ) “सेवा पाइप” से ऐसा कनेक्शन अभिप्रेत है जो वितरण पाइप के साथ हो और घरेलू प्रयोजनों के

लिए परिसर तक जल को ले जाने के प्रयोजन के लिए बोर्ड के नियंत्रणाधीन हो ;

- (ट) उन शब्दों और पदों का, जो इस में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उनका उस अधिनियम में है ।

3. जल के उपयोग पर निर्बंधन :—कोई भी व्यक्ति किसी भी सार्वजनिक स्टैंड पोस्ट या बम्बा पर न तो नहाएगा, न किसी पशु, कपड़ों, ऊन, चमड़ा, खाल, बर्तनों या किसी अन्य वस्तु को धोएगा और न ही मकान बनाने के प्रयोजन के लिए जल का उपयोग करेगा और न ही जानबूझकर उसका दुर्व्ययन करेगा और न करवाएगा ।

4. सार्वजनिक संस्थानों के संचालन का प्राधिकार :—बोर्ड द्वारा या छावनी कार्यपालक अधिकारी द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत व्यक्ति से भिन्न कोई भी व्यक्ति किसी सार्वजनिक संस्थापनों से सम्बन्धित किसी पाइप, वाल्व, प्लग या अन्य फिटिंग को, जो पानी खींचने के लिए नल से भिन्न हो, न तो खोलेंगा, न उसका निरीक्षण करेगा और न ही उसमें कोई हस्तक्षेप करेगा ।

5. जल नल या स्टैंड पोस्ट में हस्तक्षेप :—कोई भी व्यक्ति बोर्ड के किसी जल नल स्टैंड पोस्ट या बम्बा में ऐसा कोई हस्तक्षेप नहीं करेगा जिससे ऐसा नल, स्टैंड पोस्ट या बम्बा की यंत्रावली या उसके कार्यकरण को कोई नुकसान हो ।

6. जल के जानबूझकर दुर्व्ययन पर निर्बंधन :—कोई भी व्यक्ति जानबूझकर किसी भी पाइप, पोस्ट सार्वजनिक स्टैंड, बम्बा, वाल्व या फिटिंग से किसी जल का न तो दुर्व्ययन करेगा न करवाएगा और न ही ऐसा करने की अनुज्ञा देगा और न ही उसको किसी खर पाइप या किसी अन्य प्रयुक्ति द्वारा टेप करने देगा और न ही उसे किसी अन्य जल सप्लाई की ओर मुड़ने देगा ।

7. पानी खींचने का ढंग :—किसी सार्वजनिक स्टैंड पोस्ट या बम्बा से अभिप्राप्त सभी जल वहाँ से साफ पात्रों या अन्य बर्तनों में ले जाया जाएगा ।

8. कनेक्शन के लिए आवेदन :—इन उपविधियों के अधीन जल के प्रदाय के लिए प्रत्येक आवेदन लिखित रूप में प्ररूप "क" में किया जाएगा और उस पर भवन या भूमि के स्वामी या पट्टेदार या अधिभोगी के हस्ताक्षर होंगे और ऐसे प्रदाय के लिए आवश्यक कार्य तब तक आरम्भ नहीं किया जाएगा जब तक कि आवेदक छावनी कार्यपालक अधिकारी के पास व्यय की अनुमानित लागत, जिसके अन्तर्गत सड़क काटने सम्बन्धी और प्रत्यावर्तन प्रभार भी है, उस तारीख से पूर्व जो इस निमित्त उसके द्वारा नियत की जाए जमा नहीं करा देता है ।

2—3 G1/91

9. कनेक्शन फीस :—उपविधि 8 के अधीन आवेदन के साथ दम रूप कनेक्शन फीस लगी होगी ।

10. पर्यवेक्षण प्रभार :—उपविधि 8 में निर्दिष्ट व्यय की अनुमानित लागत में पर्यवेक्षण प्रभार को उसके अन्तर्गत लाने के लिए कार्य की वास्तविक लागत के पाँच प्रतिशत की कोई प्रतिशतता भी है ।

11. मीटर द्वारा प्रदाय :—किसी निवास स्थान में कनेक्शन, जहाँ जल का उपयोग घरेलू प्रयोजन के लिए किया जाए, मीटर प्रणाली द्वारा ही अनुज्ञात किया जाएगा और इन उपविधियों के आरम्भ की तारीख से पूर्व दिए गए पाइप कनेक्शन को मीटर प्रणाली में परिवर्तित कर दिया जाएगा ।

12. पाइप लाइन आदि डामना :—ऐसे प्रत्येक मामले में, जिसमें बोर्ड द्वारा वितरण पाइप के साथ कोई नया सेवा कनेक्शन दिया जाता है या ऐसे वितरण कनेक्शन का नवीकरण या मरम्मत या परिवर्तन या विस्तार अपेक्षित है तो वहाँ सभी आवश्यक वितरण पाइप के निकटतम स्टाप काक से और उसको सम्मिलित करते हुए सभी आवश्यक संचार पाइप और फिटिंग बोर्ड द्वारा प्रदत्त की जायेंगी और स्टाप काक तक ऐसी संचार पाइपों और फिटिंग डालने और उनके प्रदाय का कार्य कार्यपालक अधिकारी द्वारा निष्पादित किया जाएगा किन्तु ऐसे कार्य की लागत उपभोक्ता द्वारा दी जाएगी और वह उक्त राशि ऐसे कनेक्शन दिए जाने या उसके नवीकरण से पूर्व अग्रिम रूप से संवत् करने के वायित्वाधीन होगा ।

13. सेवा पाइप कनेक्शन का आकार :—

(1) किसी गृह कनेक्शन के लिए सेवा पाइप बारह मिलीमीटर से कम बोर का नहीं होगा और उसका व्यास बीस मिलीमीटर से अधिक नहीं होगा किन्तु उसका अवधारण प्रत्येक मामले में बोर्ड द्वारा किया जाएगा

(2) फैंल का आकार सेवा पाइप के बोर के आकार से कम होगा ।

(3) कोई भी सेवा पाइप कनेक्शन न तो किसी शौचालय में खुलेगा और न ही उसे उस मार्ग में डाला जाएगा ।

14. सेवा पाइप कनेक्शन के नवीकरण या उसमें परिवर्तन की शक्ति :—

(1) बोर्ड के वितरण पाइप के साथ किसी भी सेवा पाइप कनेक्शन का तब तक नवीकरण नहीं किया जाएगा और न उसमें कोई परिवर्तन या विस्तार किया जाएगा जब तक कि छावनी कार्यपालक अधिकारी लिखित प्राधिकार न दे दे और जब तक कि उपविधि 16 में विनिर्दिष्ट प्रमाणपत्र न दे दिया जाए ।

- (2) उपभोक्ता सेवा पाइप कनेक्शन का बोर्ड की लिखित पूर्व अनुज्ञा के बिना अपने मकान के अन्दर या बहार न तो नवीकरण करेगा और न उसमें कोई परिवर्तन करेगा और न ही विस्तार ।

15. परिसर के भीतर पाइप या फिटिंग की व्यवस्था :— परिसर के भीतर स्टाप काक के परे गृह सेवा पाइप कनेक्शन की व्यवस्था करने के लिए अपेक्षित संचार पाइप और फिटिंग उपभोक्ता अपने खर्च पर देगा और किसी भी ऐसी सामग्री का प्रयोग नहीं किया जाएगा जो सेना इंजीनियरी सेवा की दरों की अनुसूची भाग 1 में विनिर्दिष्ट मानक विनिर्देशों के अनुरूप न हो ।

16. अनुज्ञप्ति प्राप्त प्लम्बर द्वारा कार्य निष्पादन :— उप विधि 15 में निर्दिष्ट स्टाप काक के परे सभी संचार पाइप और फिटिंग छावनी कार्यपालक अधिकारी या छावनी ओवरसियर के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण के अधीन बोर्ड द्वारा सम्यक रूप से अनुज्ञप्ति प्राप्त किसी प्लम्बर द्वारा डाली जायेंगी और उपयोग में लाई जायेंगी और उपर्युक्त अधिकारियों में से कोई अधिकारी जल प्रदाय कनेक्शन के पूरा होने के सम्बन्ध में एक प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करेगा और उसे निःशुल्क देगा किन्तु ऐसा तभी किया जा सकेगा जब ऐसी संचार पाइपें डाल दी गई हों और सभी आवश्यक फिटिंग और कार्य कर दिया गया हो और उसका समाधानप्रद रूप से निष्पादन कर दिया गया हो और अपशिष्ट जल की निकासी के लिए पर्याप्त व्यवस्था कर दी गई हो और उसके पश्चात् ही परिसर में जल का प्रदाय प्रारम्भ किया जा सकेगा ।

17. मीटरों का प्रदाय :—

- (1) जहाँ तक संभव हो, जल मीटर का प्रदाय बोर्ड द्वारा किया जाएगा ।
- (2) यदि किसी कारणवश जल मीटर का प्रदाय बोर्ड द्वारा नहीं किया जाता है तो उपभोक्ता अपने खर्च पर उसकी व्यवस्था कर सकता है और उस मामले में जल मीटर को केवल तभी लगाया जाएगा जब उसे छावनी कार्यपालक अधिकारी द्वारा अनुमोदित कर दिया गया हो ।

18. मीटर किराया :—(1) किसी भवन या भूमि का अधिभोगी या पट्टेदार या स्वामी यदि जल मीटर का प्रदाय बोर्ड द्वारा किया जाता है, नीचे विनिर्दिष्ट मीटर किराया प्रभार देगा :—

मीटर का आकार	मीटर किराया प्रति मास प्रति मीटर	मीटर अनुक्षण प्रभार प्रति मास प्रति मीटर
1	2	3
(क) 12 मि० मी० से 25 मि० मी० तक	1.00	0.50 पैसे

1	2	3
(ख) 38 मि० मी० से 75 मि० मी० तक	2.00	0.50 पैसे
(ग) 75 मि० मी० से अधिक	4.00	0.75 पैसे

(2) जहाँ जल मीटर स्वामी या पट्टेदार या अधिभोगी के खर्च पर लगाया जाता है वहाँ उक्त प्रभार में से कोई भी प्रभार ऐसे स्वामी या पट्टेदार में अधिभोगी द्वारा संदेय होगा किन्तु 75 पैसे प्रति मास की दर पर अनुक्षण प्रभार बोर्ड को ऐसे सभी स्वामियों, पट्टेदारों या अधिभोगियों द्वारा सदैव होगा ।

(3) स्वामी या पट्टेदार या अधिभोगी, जैसी भी स्थिति हो, उस समय मरम्मत आदि का जिम्मेदार होगा जब जल मीटर को उसकी उपेक्षा के कारण कोई नुकसान हो और यदि उसकी आवश्यक मरम्मत ऐसा स्वामी या पट्टेदार या अधिभोगी इस निमित्त जारी की गई सूचना के 15 दिन के भीतर नहीं करा पाता है तो उस समय तक जल कनेक्शन कटा रहेगा जब तक कि छावनी कार्यपालक अधिकारी के सभाधानप्रद उसकी मरम्मत नहीं कर दी जाती ।

(4) कनेक्शन फिर से देने का प्रभार, जो 10 रुपए होगा, बोर्ड को दिया जाएगा ।

19. मीटर पठन :—(1) सभी मीटर बोर्ड की एजेंसी द्वारा सील कर दिए जाएंगे और उनका पठन मासिक आधार पर या ऐसे अन्तरालों के बाद, जो बोर्ड द्वारा अवधारित किए जाएं, छावनी कार्यपालक अधिकारी द्वारा नियुक्त व्यक्ति द्वारा, जहाँ तक संभव हो, जल प्रदाय के उपभोक्ता के प्रतिनिधि की उपस्थिति में किया जाएगा ।

(2) जल मीटर का उक्त पठन इस निमित्त बोर्ड द्वारा रखी गई जल मीटर पठन पुस्तिका में अभिलिखित किया जाएगा ।

20. मीटरों में कोई हस्ताक्षेप नहीं किया जाएगा :— जल मीटर में जल प्रदाय का उपभोक्ता या उसकी ओर से कोई व्यक्ति हस्ताक्षेप नहीं करेगा ।

21. जल प्रभार :—(1) किसी मास में मीटर द्वारा लिए गए जल के संबंध में निम्नलिखित दरों पर प्रभार दिया जाएगा :—

(क) घरेलू प्रयोजन	0.65 रु० प्रति 1000 लिटर
(ख) गैर घरेलू प्रयोजन	1.00 रु० " " "
(ग) सेना इंजीनियरी सेवा	0.50 रु० " " "
	(बड़े प्रदाय के लिए)
(घ) नगर पालिका	0.70 रु० प्रति 1000 लिटर

घन प्रणाली के अनुरक्षण के लिए 10 प्रतिशत उपरि प्रभार। मीटर का पठन, जहाँ तक संभव हो, प्रत्येक मास की 10 तारीख तक किया जाएगा और 1000 लिटर के सम्पूरित एककों को अभिलिखित किया जाएगा।

(2) घरेलू उपभोग के मामले में जहाँ मीटर का पठन किसी मास में 4000 लिटर से अधिक न हो वहाँ ऐसी अवधि के लिए कुल प्रभार 3 रुपए वसूल किया जाएगा। गैर घरेलू कनेक्शन के लिए न्यूनतम प्रभार 6 रुपए प्रति मास होगा।

22. जल नल संख्या :—किसी भी घरेलू कनेक्शन में जल प्रदाय के लिए सामान्यतया दो से अधिक जल नल नहीं होंगे और ऐसे अतिरिक्त नलों के लिए छावनी कार्यपालक अधिकारी की अनुशा आवश्यक होगी।

23. जल प्रदाय बंद करने, काटने और रोकने का प्राधिकार :—बोर्ड जब यह समझे कि कन्नानौर छावनी के निवासियों द्वारा घरेलू उपयोग के लिए प्रयुक्त जल प्रदाय बनाए रखने के लिए या दुर्घटना, सूखा या अन्य अपरिहार्य कारणों से ऐसा करना आवश्यक है वह जल प्रदाय वापस ले सकेगा या उसमें कमी कर सकेगा।

24. प्रतिभूति निक्षेप और उपभोक्ताओं द्वारा प्रभार का संदाय :—

(1) जल प्रदाय के सभी उपभोक्ता छावनी बोर्ड के पास 25 रुपए न लौटाई जाने वाली प्रतिभूति जमा करेंगे।

(2) जल उपभोक्ता को मासिक प्रभार उसके लिए बिल जारी करने की तारीख से 30 दिन के भीतर संदेय होगा।

(3) यदि जल प्रदाय उपभोक्ता उप-विधि (2) के अधीन यथापेक्षित उक्त मासिक प्रभार का संदाय करने में असफल रहता है तो उसे उक्त प्रतिभूति निक्षेप में से काट लिया जाएगा और उसके पश्चात् जल प्रदाय को भी काट दिया जाएगा, यदि उक्त उपभोक्ता उक्त मासिक प्रभार का संदाय इस संबंध में बोर्ड से सूचना जारी किए जाने के सात दिन के भीतर करने में असफल रहता है।

25. मीटर कराए का संदाय :—यथास्थिति, मीटर या उसका अनुरक्षण प्रभार उपभाग में लागू हुए जल के प्रभार के साथ उपविधि 24 में उल्लिखित तारीख को या पूर्व संदेय होगा।

26. मीटर पठन में परिशुद्धि :—किसी विशिष्ट मास के लिए उपविधि 19 के अधीन अभिलिखित पठन की परिशुद्धि के बारे में किसी संदेह की दशा में भवन या भूमि का संबद्ध स्वामी, अधिभोगी या पट्टेदार उपभाग में लाए गए जल के लिए प्रभार के संदाय के लिए बिल जारी किए जाने के सात दिन के भीतर छावनी कार्यपालक

अधिकारी को जल मीटर की परीक्षा करने के लिए अनु-रोध कर सकेगा।

(2) यदि उप-उपविधि (1) में निर्दिष्ट परीक्षा के परिणामस्वरूप जल मीटर के बारे में यह साबित हो जाता है कि वह पांच प्रतिशत से कम तेज है तो उप-उपविधि (3) में निर्दिष्ट मीटर की परीक्षा का प्रभार आवेदक द्वारा संदेय किया जाएगा और किसी अन्य मामले में ऐसा प्रभार उसके द्वारा संदेय नहीं किया जाएगा और उस मास के लिए जिसकी बाबत मीटर की शुद्धता के बारे में विवाद है अनुमानित उपरि प्रभार अनुपाततः बोर्ड द्वारा समायोजित किया जाएगा।

(3) जल मीटर परीक्षा प्रभार 5 रुपए होगा।

27. मीटर के गलत पठन की दशा में प्रभार नियतन :—ऐसे मामले में वहाँ जल मीटर के बारे में इस निष्कर्ष पर पहुंचा जाए कि उसका पठन ठीक नहीं है और उसकी एक मास से अधिक अवधि तक भ्रमस्त नहीं हुई है तो उससे ठीक पूर्व वर्ष के दौरान तत्समान मास या मासों के दौरान अभिलिखित जल उपभोग को ही वर्तमान उपभोग माना जाएगा या जहाँ ऐसा अभिलेख उपलब्ध नहीं है वहाँ ऐसे आंकड़ों को, जिन्हें छावनी कार्यपालक अधिकारी अधिक उपयुक्त समझता है, जल का वास्तविक उपभोग माना जाएगा।

28. अपील :—(1) इन उपविधियों के अधीन छावनी कार्यपालक अधिकारी के विनिश्चय से व्यथित कोई व्यक्ति उस तारीख से, जिस तारीख को उसे विनिश्चय संसूचित किया गया है, 30 दिन के भीतर बोर्ड को अपील कर सकेगा :

परन्तु बोर्ड 30 दिन की उक्त अवधि के अवसान के पश्चात् भी अपील सुनवाई के लिए ग्रहण कर सकेगा यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि अपीलार्थी पर्याप्त कारणों से समय के भीतर अपील नहीं कर सका।

(2) बोर्ड उप-उपविधि (1) के अधीन अपील प्राप्त करने पर, अपीलार्थी को सुनवाई का अवसर देने के पश्चात्, जितना शीघ्र हो सके, अपील का निपटारा करेगा।

29. शास्ति :—यदि कोई व्यक्ति इन उपविधियों के किसी उपबंध का उल्लंघन करता है तो उसे एक सौ रुपए तक के जुर्माने का दण्ड दिया जाएगा और जहाँ यह उल्लंघन जारी रहता है वहाँ ऐसे प्रत्येक दिन के लिए, जिसके दौरान ऐसे पहले उल्लंघन के संबंध में दोषसिद्धि के पश्चात् ऐसा उल्लंघन जारी रहता है, बीस रुपए अतिरिक्त जुर्माने का दण्ड दिया जाएगा।

प्राधिकार : भारत सरकार सम्पदा (२० नि० २० सं०)
पत्र सं० 12/3/C/से०/डी०ई०/90 दिनांक 1 मई 1991

पि०वि० राधवन
छावनी अधिशासी अधिकारी
छावनी बोर्ड कन्नानौर

“परिशिष्ट “क”

प्रारूप “क”

(उपविधि 8 और 9 देखिए)

घरेलू/गैर-घरेलू/वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए जल प्रदाय के लिए गृह कनेक्शन हेतु आवेदन का प्रारूप।

सेवा में,

छावनी कार्यपालक अधिकारी,
कस्बानीर छावनी।

श्रीमान,

मैं अपने परिसर मकान सं०

कस्बानीर छावनी में केवल घरेलू/गैर-घरेलू/वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए जल प्रदाय के संस्थापन (या विद्यमान जल प्रदाय कनेक्शन में किसी परिवर्धन या परिवर्तन करने) के लिए अनुरोध करता हूँ।

2 (वितरण मेन से जोड़ने का) कार्य छावनी बोर्ड कस्बानीर द्वारा अनुमोदित प्लम्बर द्वारा किया जाएगा और मैं सम्भाव्य लागत की सूचना प्राप्त होने पर स्टाप काक के परे मेन लाइन तक कार्य की अनुमानित लागत तारीख को छावनी बोर्ड कस्बानीर के नाम में जमा कराने का वचनबद्ध करता हूँ।

3. इसके साथ केवल 10 रुपए नगद कनेक्शन फीस भेजी जा रही है।

4. अन्तिम निर्धारण के अनुसार धृति का वार्षिक मूल्यांकन रु० है।

5. मैं छावनी बोर्ड कस्बानीर द्वारा दिए जाने वाले जल की मात्रा स्वीकार करने और छावनी बोर्ड कस्बानीर द्वारा नियत प्रभार का संदाय करने का करार करता हूँ।

भवदीय

मकान सं० कस्बानीर छावनी
का स्वामी, अधिभोगी
तारीख :

रक्षा मंत्रालय

(छावनी बोर्ड, जालन्धर छावनी)

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1991

सा.का.नि. सं. जे.सी.बी./चुंगी/3595/सी—जालंधर छावनी की सीमाओं के अन्तर्गत चुंगी उपविधि के पुनरीक्षण से संबंधित एक प्रारूप सार्वजनिक सूचना, गृह विभाग—सेना की अधिसूचना सं. 7261, तारीख 1 मार्च, 1932 को अधिष्ठात करते हुए, तारीख 20 मार्च, 1990 की अधिसूचना सं. जेसीबी/चुंगी/4333/ग, द्वारा प्रकाशित की गई थी और उसे छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 284 की अपेक्षाानुसार 20 मार्च, 1990 को कार्यालय के नोटिस बोर्ड

पर चिपकाया गया था और इसमें उन सभी व्यक्तियों से, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी, उक्त अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 दिन की अवधि की समाप्ति तक आक्षेप या सुझाव मांगे गए थे।

उक्त प्रारूप के संबंध में जनता से प्राप्त सभी सुझावों और आक्षेपों पर छावनी बोर्ड ने सम्यक् रूप से विचार कर लिया है।

अतः अब छावनी बोर्ड जालंधर केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी से, छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 284 के साथ पठित धारा 283 के खंड (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और गृह मंत्रालय विभाग—सेना अधिसूचना सं. 7261, तारीख 1 मार्च, 1982 को अधिष्ठात करते हुए निम्नलिखित उपविधि बनाता है, अर्थात् :—

उपविधि

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ** :—(1) इन उपविधियों का संक्षिप्त नाम जालंधर छावनी चुंगी उपविधि, 1991 है।

2. ये, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हों, उप-विधियां राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगी।

(क) “रोध” से उपविधि 3 के उपबंधों के अधीन नियत स्थान अभिप्रेत है;

(ख) “बोर्ड” से जालंधर छावनी बोर्ड अभिप्रेत है;

(ग) “केन्द्रीय रोध” से मुख्य चुंगी कार्यालय में स्थित रोध अभिप्रेत है;

(घ) “प्रारूप” से इन उपविधियों से संलग्न प्रारूप अभिप्रेत है;

(ङ) “रेल रोध” से रेल परिसर से यातायात को बीच में रोकने के लिए कोई रोध अभिप्रेत है और जिसका वर्णन ऐसे रोध पर छावनी बोर्ड द्वारा प्रदर्शित सार्वजनिक सूचना में वर्णित है; और

(च) “प्रतिवाय” से नियतित माल की वाहत किसी रकम का किया गया वह संदाय अभिप्रेत है जो चुंगी के बराबर हो और जो यदि माल आयात किया जाता तो संदेय होता।

3. **रोधों का स्थापन** :—छावनी बोर्ड चुंगी के निर्धारण और संग्रहण के लिए चुंगी सीमाओं के अन्तर्गत या उनके बिल्कुल आस-पास आने वाले ट्रैफिक को बीच में रोकने के लिए कोई ऐसा स्थान नियत करेगा जिसे समय-समय पर सब से अधिक उपयुक्त स्थान के रूप में अवधारित किया जा सके। छावनी बोर्ड रेल प्रशासन की सम्पत्ति से चुंगी के निर्धारण और संग्रहण के लिए रेल परिसर में भी उसके आस-पास कोई एक स्थान या एक से अधिक स्थान नियत कर सकेगा।

परन्तु इस उपविधि की किसी भी बात के बारे में यह नहीं सपना जाएगा कि वह इन उपविधियों के उपबंधों के अनुसार किसी अन्य स्थान में चुंगी के निर्धारण और संग्रहण को अवरोध करती है।

4. **चुंगी अधीक्षक** :—छावनी बोर्ड चुंगी अधीक्षक के नाम से ज्ञात एक अधिकारी को नियुक्त करेगा जो इन उपविधियों द्वारा उस पर अधिरोपित अन्य कर्तव्यों के निर्वहन के अतिरिक्त इन उपविधियों के अनुसार चुंगी के निर्धारण और संग्रहण के लिए

और अन्य निर्धारण, संग्रहण और निरीक्षण अधिकारियों द्वारा अपने कर्तव्यों के समुचित निर्वहन के लिए सामान्यतः उत्तस्दायी होगा।

5. कर निरीक्षक :—छावनी बोर्ड एक या एक से अधिक कर निरीक्षक/निरीक्षकों की नियुक्ति करेगा जो इन उपविधियों द्वारा उन पर अधिरूपित अन्य कर्तव्यों के निर्वहन के अतिरिक्त रोधों के कार्यकरण का पर्यवेक्षण करेंगे और यह देखेंगे कि रोध के कर्मचारी इन उपविधियों का अनुपालन कर रहे हैं।

6. रोधों के कर्मचारियों :—छावनी बोर्ड चुंगी के निर्धारण और संग्रहण के लिए प्रत्येक रोध हेतु कर कलक्टर और चपरासीयों की नियुक्ति करेगा और ऐसे कर्मचारी का यह कर्तव्य होगा कि वह यह देखें कि चुंगी योग्य सभी माल को रोध पर रखा जाए और इन उपविधियों के अनुसार कार्यवाही करें।

(2) उपविधि (1) के उपबंधों के अधीन नियुक्त कर कलक्टर या चपरासी को एक रोध पर एक मास में अधिक की अवधि के लिए नहीं रहने दिया जाएगा।

7. कार्यपालक अधिकारी द्वारा रोध निरीक्षण :—(1) कार्यपालक अधिकारी का यह कर्तव्य होगा कि वह समय-समय पर रोधों पर जाए और इन उपविधियों के अधीन रखे गए रजिस्ट्रारों और लेखों का निरीक्षण करें।

(2) इन उपविधियों में संलग्न प्रारूप 1 में प्रत्येक रोध पर एक निरीक्षण पुस्तिका रखी जाएगी जिसमें रोध का निरीक्षण करने वाले निरीक्षण या अन्य अधिकारी अपने निरीक्षण के परिणाम का उल्लेख करेंगे और जहां तक संभव हो सके उनके दृष्टिपूर्ण विस्तारपूर्वक होंगे।

(3) यदि रोध के कार्यकरण की बाबत ऐसे टिप्पण में कोई शिकायत की जाती है तो ऐसे टिप्पण की एक प्रति रोध के भारसाधक अधिकारी द्वारा चुंगी अधीक्षक के माध्यम से कार्यपालक अधिकारी को भेजी जाएगी ताकि उस पर तुरन्त उपयुक्त कार्रवाई की जा सके।

8. चुंगी अनुसूची का चिपकाया जाना :—रोधों पर चालू कोष्ठों और उपविधि—चुंगी अनुसूची की, जैसा कि स्थानीय सरकार द्वारा मंजूर की गई हो, एक प्रति अंग्रेजी और देशी भाषा में, जो चुंगी अधीक्षक और कार्यपालक अधिकारियों के हस्ताक्षरों द्वारा सम्यक् रूप से अधिप्रमाणित हों, चुंगी योग्य ऐसे माल में संबंधित चालू मास की स्वर्ग कीमतों की एक सूची, जिसका मूल्य के अनुसार निर्धारण होता है, जो चुंगी अधीक्षक के हस्ताक्षर द्वारा सम्यक् रूप से अधिप्रमाणित हो और इन उपविधियों की एक प्रति अंग्रेजी और देशी भाषा में प्रत्येक रोध पर सहज दृश्य स्थान पर चिपकायी जाएगी।

9. रोधों पर तराजू तथा बाट या तोलने की मशीन की व्यवस्था :—छावनी बोर्ड प्रत्येक रोध पर उपयुक्त तराजू और बाट या तोलने की मशीन की व्यवस्था करेगा और उनका रोध के भारसाधक अधिकारी द्वारा उचित कार्यकरण स्थिति में रखा जाएगा और चुंगी अधीक्षक या किसी अन्य अधिकारी या बोर्ड के सदस्य द्वारा, जैसा छावनी बोर्ड निर्देश दे, तीन मास से अधिक के अंतरालों पर परीक्षण किया जाएगा और ऐसा अवधिक, अधिकारी या बोर्ड का सदस्य निरीक्षण पुस्तिका में प्रत्येक परीक्षण का परिणाम अभिलिखित करेगा।

10. चालू कोष्ठों की मासिक सूची का प्रकाशन :—छावनी बोर्ड प्रत्येक मास के अन्त से पूर्व ऐसे चुंगी योग्य माल, जिसका निर्धारण मूल्यानुसार किया जाना है, की चालू कीमतों की एक

सूची तैयार करेगा और उसे सार्वजनिक सूचना द्वारा प्रकाशित करेगा और आगामी मास के दौरान आयोजित सभी माल उपविधि 17 के अधधीन होगा और उसका निर्धारण ऐसी अनुसूची में प्रविष्ट कीमतों के अनुसार किया जाएगा।

11. रोध के भारसाधक अधिकारियों की शक्तियों की परि- सीमा :—छावनी बोर्ड समय-समय पर प्रत्येक रोध के लिए निम्नलिखित विहित करेगा :—

(क) मूल्यानुसार निर्धारणाधीन चुंगीयोग्य माल का ऐसा अधिकतम मूल्य जिस पर अधिकारी, रोधों का भारसाधक संबंध चुंगी का निर्धारण कर सकेगा यदि ऐसा माल उपविधि 10 के उपबंधों के अधीन प्रकाशित चालू कीमतों की सूची में प्रविष्ट नहीं है; और

(ख) चुंगी की ऐसी अधिकतम रकम जो केन्द्रीय रोध से भिन्न किसी रोध का कोई भारसाधक अधिकारी माल के एक परीक्षण की बाबत संग्रहण कर सकेगा।

12. माल ले जाने वाले यानों को चुंगी रोध पर रोकना :— सभी यान, यदि उन्हें ऐसा करने का संकेत दिया जाए चुंगी रोध पर रुकेंगे ताकि रोध पदधारी यानों का निरीक्षण कर सकें और यह अभिनिश्चित कर सके कि उसमें चुंगीयोग्य कोई दस्तू तो नहीं ले जाई जा रही है।

13. आयात के समय माल के गन्तव्य स्थान की घोषणा :—

(1) जब चुंगी योग्य माल आयात के लिए रोध पर लाया जाए तो रोध का भारसाधक अधिकारी ऐसे माल के भारसाधक व्यक्ति से घोषणा करने के लिए कहेंगे और ऐसा व्यक्ति यह घोषणा करेगा कि ऐसा माल निम्नलिखित के लिए आशयित है।

(क) तुरन्त निर्यात के लिए;

(ख) चुंगी की सीमाओं के अन्तर्गत उपभोग या उपयोग के लिए; या

(ग) जहां व्यापार भाण्डागार रखा जाता है वहां अस्थायी रूप से चुंगी सीमाओं के अन्तर्गत रोकें रखे जाने के लिए और अन्ततः निर्यात के लिए।

(2) यदि कोई व्यक्ति खंड (1) के उपबंधों द्वारा अपेक्षित घोषणा करने में इन्कार करता है तो उसकी बाबत यह समझा जाएगा कि वह इस उपविधि के भंग का दोषी है और यह भी समझा जाएगा कि वह माल, जिसके संबंध में घोषणा की जानी चाहिए थी, चुंगी सीमाओं के अन्तर्गत उपभोग या उपयोग के लिए आशयित घोषित किया गया है।

14. (1) तुरन्त निर्यात के लिए माल की बाबत अभिवहन पास प्रणाली या अभिवहन प्रतिबाय प्रणाली के अधीन कार्यवाही करना :—जब चुंगी योग्य माल को उपविधि 13 के खंड (1) के उपबंधों के अधीन तुरन्त निर्यात के लिए आशयित घोषित किया जाता है, तो उसके संबंध में कार्यवाही अभिवहन पास प्रणाली या अभिवहन प्रतिबाय प्रणाली के अधीन की जाएगी।

(2) कमांड के आफिसर कमांडिंग इन चीफ की मंजूरी के बिना छावनी बोर्ड अभिवहन प्रतिबाय प्रणाली को नहीं अपनाएगा और उसके ऐसे माल की बाबत किसी मामले में भी लागू नहीं किया जाएगा जिस पर निर्धारित या संग्रहित की जाने वाली चुंगी की रकम उस रकम से अधिक हो जो रोध का भारसाधक अधिकारी निर्धारित करने या संग्रहित करने के लिए सक्षम है।

15. अभिवहन पास प्रणाली :—(1) जहाँ अभिवहन पास प्रणाली प्रवृत्त हो वहाँ तुरन्त निर्यात के लिए आशयित माल को आयात करने वाला व्यक्ति आयात के रोध पर, चाहे वह रेल रोध हो या कोई अन्य रोध, घोषणा करने के पश्चात्, उस रोध को विनिर्दिष्ट करेगा जिसके द्वारा उस माल को निर्यात किया जाएगा और रोध का भारसाधक अधिकारी इन उपविधियों से संलग्न प्ररूप 2 में एक अभिवहन पास भरेंगा और उस माल को पास के स्तंभ 9 में प्रविष्ट निर्यात के रोध का चपरासी की निगरानी के अधीन भेजेगा, पास की पूर्ण चपरासी को देगा और कूपन माल के भारसाधक व्यक्ति को : परन्तु यदि कोई चपरासी उपलब्ध नहीं है तो प्रतिपणी के दूसरी ओर यह अभिस्वीकृति प्राप्त करने के पश्चात् कि ऐसे व्यक्ति ने पास प्राप्त कर लिया है पास की पूर्ण भी ऐसे व्यक्ति को दे दी जाएगी ।

(2) इस उपविधि के अधीन जारी किए गए प्रत्येक अभिवहन पास के लिए 5 रुपए फीस भारत की जाएगी ।

(3) जब ऐसा माल निर्यात के लिए किसी रोध पर लाया जाए तो चपरासी या उसका भारसाधक व्यक्ति, इस उपविधि के खंड (1) के अधीन उसे जारी किए गए पास को प्रस्तुत करेगा और रोध का भारसाधक अधिकारी पास के स्तंभ (4) में उस समय का उल्लेख करेगा जिस समय यह उसे प्रस्तुत किया गया और पास के स्तंभ 5, 6 और 7 में दी गई विशिष्टियों से माल की जांच पड़ताल करेगा,—

(क) यदि माल पास में प्रविष्ट विशिष्टियों से मिल जाता है और स्तंभ 10 में प्रविष्ट निर्यात का समय भी नहीं बीता है तो रोध का भारसाधक अधिकारी ऐसे माल को जाने देगा और पास चपरासी द्वारा आयात के रोध को वापस भिजवा देगा जहाँ उस प्रतिपणी के दूसरी ओर बिपका दिया जाएगा । यदि कोई चपरासी न हो तो वह पास को मुख्यालय में प्रस्तुत करने के लिए स्वयं अपने पास रख लेगा; या

(ख) यदि माल का वर्णन या वजन पास में प्रविष्ट विशिष्टियों से नहीं मिलता है और सामान्यतः चुंगीयोग्य किसी ऐसे माल की वजन में कोई त्रुटि है, या कोई माल पास में प्रविष्ट माल के वर्णन से भिन्न वर्णन का है और जो सामान्यतः चुंगीयोग्य होता है तो रोध का भारसाधक अधिकारी पास के स्तंभ 14 में कमियों की बाबत एक टिप्पण अभिलिखित करेगा और इस धारणा के साथ अग्रसर होगा कि मानो ऐसी त्रुटि की सीमा तक, जो चाहे वजन की हो या वर्णन की, माल चुंगी सीमाओं को अंतर्गत उपभोग या उपयोग के लिए आयात किया गया था; या

(ग) यदि पास प्रस्तुत करने से पूर्व ही स्तंभ 10 में प्रविष्ट समय बीत चुका है तो रोध का भारसाधक अधिकारी इस धारणा के साथ अग्रसर होगा कि मानो माल का परीक्षण चुंगी सीमाओं के अंतर्गत उपभोग या उपयोग के लिए आयात किया जा रहा था ।

(घ) यान या व्यक्ति के साथ किसी दुर्घटना को दशा में अभिवहन पास में समय के पश्चात् निर्यात रोध पर माल के विलम्ब के प्रस्तुतिकरण की दशा में कार्यपालक अधिकारी चुंगी कर भरित नहीं करेगा यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विलम्ब प्रस्तुतिकरण अभिवहन पास प्राप्त करने वाले व्यक्ति के नियंत्रण से परे परिस्थितियों के कारण हुआ और यह कि अभिवहन पास में प्रविष्ट माल छावनी सीमाओं के बाहर वास्तविक रूप से निर्यात किया जाना है ।

(4) छावनी बोर्ड इस उपविधि के प्रयोजन के लिए प्रत्येक रोधों का बाबत ऐसी अवधि नियत करेगा जिसके भीतर तुरन्त निर्यात के लिए उनमें से किसी के माध्यम से आयातित माल दूसरे के माध्यम से निर्यात किया ही जाना चाहिए और इस प्रकार नियत अवधि की अनुसूची को प्रत्येक रोध पर प्रदर्शित किया जाएगा और उस रोध का भारसाधक अधिकारी जिसके द्वारा ऐसा माल आयात किया जाना है, प्ररूप 2 में अभिवहन पास के स्तंभ 10 में तदनुसार समय का गणना करेगा और उसे प्रविष्ट करेगा ।

(5) रोधों का भारसाधक अधिकारी प्रत्येक दिन अभिवहन पास को प्रतिपणी पुस्तकों को मुख्यालय भेजेगा और चुंगी अधीक्षक प्रत्येक प्रतिपणी की जांच करेगा और ऐसा करने के प्रमाण-स्वरूप अपने आधिकार करेगा और तारीख डालेगा और यदि उसके जारों किए जाने के दूसरे दिन सांय तक प्रतिपणी पर पास बिपका हुआ नहीं पाया जाए तो चुंगी अधीक्षक तुरन्त विशेष जांच करेगा और ऐसे प्रत्येक पास को विशिष्टियों इन उपविधियों से संलग्न प्ररूप 3 में रखे गए रजिस्ट्र में प्रविष्ट करेगा ।

16. अभिवहन प्रतिदाय प्रणाली :—(1) जब अभिवहन प्रतिदाय प्रणाली प्रवृत्त हो तो तुरन्त निर्यात के लिए आशयित ऐसे माल को आयात करने वाला व्यक्ति जिसकी बाबत अभिवहन प्रतिदाय प्रणाली लागू है आयात के रोध पर चाहे वह रेल रोध हो या अन्य कोई रोध ऐसी घोषणा करने के पश्चात् उस रोध को विनिर्दिष्ट करेगा जिस पर से उनका निर्यात किया जाना है और रोध का भारसाधक अधिकारी ऐसे माल को बाबत संदेय चुंगी का निर्धारण और संग्रहण करेगा मानो कि यह माल चुंगी सीमाओं के अंतर्गत उपभोग या उपयोग के लिए आशयित है किन्तु प्ररूप 5 में रसीदों और उनकी प्रतिपणी पर मोहर सहित या प्ररूप 4 में स्लिप पर, जिसके वह स्तंभ भरेंगा, दूसरी ओर पृष्ठंकन करेगा और उसके बाद रसीद पृष्ठंकन सहित ऐसे व्यक्ति को देकर माल को वहाँ से जाने देगा ।

(2) जब ऐसा माल निर्यात के लिए रोध पर लाया जाए तो उसका भारसाधक व्यक्ति खंड (1) के उपबन्धों के अधीन उसे जारी की गई रसीद पृष्ठंकन सहित प्रस्तुत करेगा और रोध का भारसाधक अधिकारी पृष्ठंकन पर उस समय का उल्लेख करेगा जिस समय माल प्रस्तुत किया गया और माल की रसीद में प्रविष्ट विशिष्टियों से माल की जांच पड़ताल करेगा, और

(क) यदि माल रसीद में प्रविष्ट विशिष्टियों से मिल जाता है और पृष्ठंकन के प्ररूप 4 के स्तंभ 4 में प्रविष्ट निर्यात का समय नहीं बीता है तो रोध का भारसाधक अधिकारी माल के भारसाधक व्यक्ति से पृष्ठंकन (प्ररूप 4) में दिए गए स्थान पर रसीद के स्तंभ 6 में प्रविष्ट चुंगी की रकम के प्रतिदाय की प्राप्ति की अभिस्वीकृति लेगा और उसके पश्चात् ऐसे व्यक्ति को अपने अप्रदाय में से ऐसी रकम का संवाय करेगा और माल को जाने देगा; या

(ख) यदि माल रसीद में प्रविष्ट विशिष्टियों से नहीं मिलता है या पृष्ठंकन के प्ररूप 4 के स्तंभ 4 में प्रविष्ट निर्यात का समय रसीद प्रस्तुत करने से पूर्व ही बीत चुका है तो रोध का भारसाधक अधिकारी किसी प्रतिदाय से इन्कार कर देगा और परिस्थितियों से संबंधित रिपोर्ट मुख्यालय को भेजेगा ।

(3) उपविधि 15 के खंड (4) के उपबन्धों के अधीन नियत अवधियों की बाबत यह समझा जाएगा कि उन्हें इस उपविधि के प्रयोजन के लिए नियत किया गया है ।

(4) खंड (1) के उपबंधों के अधीन किए जाने वाले वृष्ठांकन का प्रत्येक रसीद पृष्ठिका के लिए क्रमानुसार संख्यांकित किया जाएगा और यह संख्या प्रतिपत्नी पर दी गई संख्याओं से अलग होगी।

(5) इस प्रणाली के अधीन प्रतिदाय के संदाय के लिए रोधों के भारमाधक अधिकारियों को प्रतिदाय के भारमाधक अधिकारियों द्वारा अपने स्थायी अग्रिम में से अग्रदाय दिए जाएंगे और प्रत्येक दिन के समाप्त होने पर वे यह देखने के पश्चात् कि हाथ में नकदी और पृष्ठांकित रसीदों का मूल अग्रदाय की कुल रकम के बराबर है उनके अग्रदायों का सत्यापन करेंगे और उसके पश्चात् रसीदों को व्याख्यात्मक शीपन सहित नकदी पेट्री में डाल देंगे।

(6) जब नकद पेटियां मुख्यालय में प्राप्त हों तो उन्हें खोलने का प्राधिकृत अधिकारी पृष्ठांकित रसीदों को बाहर निकालेगा और उनकी आयात रोधों से भेजी गई रसीदी पुस्तकों में प्रतिपत्तियों के साथ पड़ताल करेंगे और पड़ताल करने के प्रमाणस्वरूप प्रत्येक प्रतिपत्नी पर अपने हस्ताक्षर करेंगे और तारीख डालेगा तथा उसके पश्चात् प्रत्येक रोध कर कलक्टर को रोध से प्राप्त पृष्ठांकित रसीदों पर प्रतिदत्त के रूप में दर्शित चुंगी की कुल रकम के बराबर रकम भेजेगा।

(7) सभी रोधों से प्राप्त पृष्ठांकित रसीदों पर प्रतिदत्त के रूप में दर्शित कुल रकम दोनों और अर्थात् प्रतिदाय खाता प्ररूप 20 के स्तंभ 4, 12 और 13 में प्रविष्ट की जाएगी और रसीदों को साधारण प्रतिदाय वाउचर समझा जाएगा और उन्हें प्रतिदाय जिन्सवार (प्ररूप 6) में छिपका दिया जाएगा। उसके पश्चात् रसीदों को साधारण प्रतिदाय आवेदन के साथ वाउचरों के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा और ऐसा उस समय किया जाएगा जब प्रतिदाय स्थायी अग्रिम उपविधि 58 के उपबंधों के अधीन प्रतिपत्त हो जाए।

17. अभिकरण और निर्धारण की पद्धति : (1) रेल से भिन्न किसी अन्य माध्यम द्वारा चुंगी सीमाओं के अन्तर्गत उपभोग या उपयोग के लिए आयातित माल की दाखल संदेय चुंगी का निर्धारण किया जाएगा।

(2) ए एस सी ठेकेदारों द्वारा चुंगी के सम्बन्धित संदाय को प्रतिष्ठित करने के लिए संबंधित ठेकेदारों से यह कहा जाएगा कि वे काम के दौरान उनके द्वारा प्रदत्त माल प्रतिदाय डिपो द्वारा जारी की गई सरकारी रसीदों की अनप्रमाणित प्रतियां या उसी महत्व के अन्य दस्तावेज अगले मास के दूसरे मप्ताह के भीतर फाइल करें।

(1) प्रत्येक ठेकेदार से बोर्ड के विवेकानुसार प्रतिभूत निक्षेप के रूप में एक हजार रुपये से अधिक की तमसी राशि जमा करने के लिए कहा जा सकेगा और एनिलारा डिपो में रसीदों के अन-प्रमाणित प्रतियों के सम्बन्धित प्रस्तुतीकरण को प्रतिष्ठित करने के लिए करार का निष्पत्त करने तथा चुंगी की शोधा रकम के अतिरिक्त के तरत संदाय के लिए भी कहा जाएगा। यदि कोई ठेकेदार संदायन के लिए आवश्यक रसीद लेना करने में या चुंगी अतिरिक्त का संग्रह करने में असमर्थ रहता है तो कार्यपालक अधिकारी उससे एनिलारा डिपो में अतिरिक्त की नकदी कर सकेगा।

(1.1) यदि ठेकेदार यह दावा करे कि उसने माल किसी तमसी स्थानी प्रमाणन में करीब है जिसका स्थापन एनिलारा की सीमाओं के अंतर्गत है तो ठेकेदार कार्यपालक अधिकारी के समक्षानुवाद

इस आशय की चुंगी रसीद पेश करेगा कि ठेकेदार के प्रदायक ने ठेकेदार को अपने द्वारा प्रदत्त माल पर चुंगी का संदाय पहले ही कर दिया है।

(3) जब मूल्य के अनुसार उद्ग्रहणीय चुंगी का निर्धारण आयात के रोध के भारमाधक द्वारा किया जाना हो तो वह मूल्य की संगणना आयात के समय उसके समक्ष प्रस्तुत किए गए बीजक में दिए गए मूल्य धन मालभाड़ा खर्च के आधार पर करेगा परन्तु ऐसा उस समय नहीं किया जाएगा जब यह कारण लेखबद्ध करने के पश्चात् यह अभिनिर्धारित करे कि बीजक असली नहीं है और वह ऐसी स्थिति में इस उपधारणा के साथ कार्यवाही करेगा कि मानो बीजक प्रस्तुत ही नहीं किया गया। यदि बीजक ऐसे माल के साथ, जिसकी दाखल चुंगी का निर्धारण किया जाना हो, नहीं पेश किया गया है किन्तु उसे चालू कीमतों की सूची में प्रविष्ट किया गया है तो वह उनके मूल्य की संगणना ऐसी सूचियों में प्रविष्ट मूल्य के आधार पर करेगा। यदि माल को इस प्रकार प्रविष्ट नहीं किया गया है तो वह उनके मूल्य की संगणना अपने पास उपलब्ध और आयातकर्ता द्वारा घोषित मूल्य के आधार पर करेगा। उद्ग्रहणीय चुंगी की रकम की संगणना करते समय पचास पैसे से अधिक रुपए के भाग की अवज्ञा की जाएगी और यदि यह पचास पैसे से अधिक हो तो उसे एक रुपया माना जाएगा।

(4) जब मूल्यानुसार उद्ग्रहणीय चुंगी का निर्धारण चुंगी अधिकक द्वारा किया जाना हो और माल के साथ कोई बीजक न प्रस्तुत किया गया हो तो वह माल के मूल्य की संगणना अपने पास उपलब्ध जानकारी और आयातकर्ता द्वारा घोषित मूल्य के आधार पर करेगा और यदि बीजक प्रस्तुत किया जाता है तो वह मूल्य की संगणना बीजक में प्रविष्ट मूल्य धन मालभाड़ा खर्च के आधार पर करेगा, किन्तु ऐसा उस समय नहीं किया जाएगा जब उसके पास यह संदेह करने का कारण हो कि बीजक असली नहीं है और ऐसी स्थिति में वह इस धारण के साथ अपने कार्यवाही करेगा कि मानो बीजक प्रस्तुत ही नहीं किया गया है।

18. आउट-पोस्ट रोधों पर प्रक्रिया : (1) जब रेल से भिन्न किसी अन्य माध्यम द्वारा माल, जो चुंगी सीमाओं के अन्तर्गत उपभोग या उपयोग के लिए आशयित हो, किसी रोध पर लाया जाए तो रोध का भारमाधक अधिकारी, यदि वह ऐसा करने के लिए सक्षम हो, उसके संबंध में संदेय चुंगी का निर्धारण करेगा और यदि अयातकर्ता ऐसे निर्धारण पर आक्षेप नहीं करता है तो वह प्ररूप 5 में रसीद और प्रतिपत्नी भरनेगा और संदेय चुंगी की रकम आयातकर्ता से मांगेगा और रकम प्राप्त होते ही उसे नकदी पेट्री में डाल देगा और संग्रह कूपन सहित रसीद आयातकर्ता को दे देगा।

परन्तु यदि संदेय चुंगी की रकम छावनी बोर्ड द्वारा अभिकतम रकम के रूप में नम निवृत्त रकम से अधिक है जो रोध का भारमाधक अधिकारी संग्रहीत कर सकता है तो रोध का भारमाधक अधिकारी प्रतिपत्नी के स्तंभ 8 में प्ररूप-5 में रसीद के स्तंभ 6 में संवत्त चुंगी की रकम प्रविष्ट करने के बजाय "केन्द्रीय रोध पर संदेय" शब्द प्रविष्ट करेगा और प्रतिपत्नी के दूसरी ओर आयातकर्ता के हस्ताक्षर की निशानी अंगुठा प्राप्त करने के पश्चात् संग्रह कूपन सहित रसीद आयातकर्ता को दे देगा जो उसे केन्द्रीय रोध पर ले जाएगा और चुंगी तमसी संग्रह के भीतर, जो 16 घंटे से अधिक न हो जैसा कि छावनी बोर्ड इस प्रयोजन के लिए विहित करे, संवत्त करेगा।

(2) यदि आयातकर्ता खंड (1) के उपबंधों के अधीन रोध के भारसाधक अधिकारी द्वारा किए गए निर्धारण की श्रावत कोई आक्षेप करता है या जहाँ ऐसा माल रेल से भिन्न किसी अन्य माध्यम द्वारा आयात किया जाए और चुंगी सीमाओं के अंतर्गत उपभोग या उपयोग के लिए आशयित हो किसी रोध पर लाया जाए और रोध का भारसाधक अधिकारी उनके निर्धारण करने के लिए सशक्त न हो तो रोध का भारसाधक अधिकारी माल का ब्यौरा इन उपविधियों से संलग्न प्ररूप 7 में, पास में, प्रविष्ट करेगा और संलग्न कूपन सहित पूर्ण आयातकर्ता को देगा जो उसे माल सहित तुरन्त मुख्य चुंगी कार्यालय में ले जाएगा।

19. **केन्द्रीय रोध पर संग्रहण या आउट पोस्ट रोध पर निर्धारित चुंगी** :—जब प्ररूप 5 में रसीद उपविधि 18 के खंड (1) के उपबंधों के अधीन केन्द्रीय रोध पर लाई जाए तो केन्द्रीय रोध का भारसाधक अधिकारी सब से पहले यह देखेगा कि रसीद विहित समय के भीतर प्रस्तुत की गई है और यदि इसमें कोई व्यक्तिगत त्रुटि है तो उस मामले की रिपोर्ट चुंगी अधीक्षक को भेजेगा। यदि ऐसा कोई व्यक्तिगत त्रुटि नहीं हुआ है तो वह संदेय चुंगी की रकम की संगणना करेगा और रकम प्राप्त होने के पश्चात् रसीद के स्तंभ 6 और कूपन में आवश्यक प्रविष्ट करेगा और कूपन में संदाय की तारीख और ठीक समय दर्शित करेगा और स्तंभ 6 में आयात रोध पर की गई प्रविष्ट को काट देगा और अपने आस्थाक्षर करेगा। उसके पश्चात् वह रसीद और कूपन दोनों पर ही अपने हस्ताक्षर करेगा और रसीद आयातकर्ता को लौटा देगा तथा प्राप्त धन और कूपन अपनी नकदी पेटी में डाल देगा।

20. **आउट पोस्ट रोध से भेजे गए माल का मुख्यालय में निर्धारण और मुख्यालय में निर्धारित चुंगी का केन्द्रीय रोध पर संग्रहण** :—जब माल उपविधि 18 के खंड (2) के उपबंधों के अधीन मुख्य चुंगी कार्यालय पर लाया जाए तो चुंगी अधीक्षक आयात रोध पर यह देखेगा कि वह माल उसके संबंध में जारी किए गए प्ररूप 7 में, पास में, प्रविष्ट स्वरूप से मिलता है और उसके पश्चात् बीजक में दिए गए मूल्य या आयात के समय प्रस्तुत लिखित घोषणा धन मालभाड़ा खर्च के आधार पर चुंगी की रकम का निर्धारण करेगा और यदि उसके पास संदेह करने का यह कारण हो कि इस प्रकार प्रस्तुत बीजक या लिखित घोषणा असली नहीं है तो वह अपने पास उपलब्ध जानकारी और इस प्रकार निर्धारित माल के ताजार् मूल्य के आधार पर चुंगी निर्धारण करेगा। संदेहात्मक प्रकृति के मामले चुंगी अधीक्षक लिखित रूप में कार्यपालक अधिकारी की जानकारी में उसके अंतिम विनिश्चय के लिए लाएगा। निर्धारण के पश्चात् चुंगी अधीक्षक पास आयातकर्ता को दे देगा जो उसे केन्द्रीय रोध के भारसाधक को देगा और पश्चात् कथित प्ररूप 5 में रसीद और प्रतिपत्ती को भरेगा और संदेय चुंगी की रकम आयातकर्ता से वसूल करेगा तथा रसीद आयातकर्ता को लौटा देगा और प्राप्त धन तथा प्ररूप 7 में पास अपनी नकदी पेटी में डाल देगा।

21. **रेल से भिन्न किसी अन्य माध्यम द्वारा माल के आयात को शायित करने वाली उपविधियों द्वारा विनियमित विनियमन** :—ताज फल, धान तथा मसूरियों और ऐसी अन्य वस्तुओं जिन पर संदेय चुंगी दो रूपों से अधिक न हो के आयात की श्रावत संदेय चुंगी का निर्धारण और संग्रहण उपविधि 17 से 20 तक द्वारा विनियमित किया जाएगा।

22. **रेल रसीद और बीजक रजिस्टर का रखा जाना** :—
(1) उपविधि 21 के उपबंधों के अधीन रहने हुए, जब कोई व्यक्ति रेल द्वारा उसे परेषित माल की रेल रसीद प्राप्त करता है और वह माल चुंगी सीमाओं के अंतर्गत उपभोग या उपयोग के लिए आशयित है तो वह उसे लेगा या उसे बीजक सहित भेजेगा या बीजक न होने की दशा में परेषक का ब्यौरा लिखित घोषणा सहित मुख्य चुंगी कार्यालय को भेजेगा जहाँ यदि माल चुंगी योग्य पाया जाता है तो रसीद और बीजक या घोषणा का रेल रसीद में और बीजक रजिस्टर, जो प्ररूप 9 में रखा जाएगा, संक्षेप में ब्यौरा रखा जाएगा और स्तंभ 11 में परेषण के मूल्य में मालभाड़ा की रकम जोड़ दी जाएगी।

(2) चुंगी अधीक्षक रेल रसीद और बीजक रजिस्टर में प्रविष्टियों की पड़ताल करेगा जो उपविधि 23 और 24 के अधीन जारी किए गए पासों का 25 प्रतिशत हो और अपना यह समाधान करेगा कि चुंगी का निर्धारण ठीक ढंग से किया गया है और सभी प्रविष्टियों और पासों की पड़ताल करने की बाबत अपने आस्थाक्षर करेगा।

(3) छावनी बोर्ड समय-समय पर बोर्ड के किसी सदस्य या सदस्यों को रेल रसीद और बीजक रजिस्टर की जांच करने तथा उपविधि 23 के अधीन फाइल की गई घोषणा, यदि कोई हो, में की गई प्रविष्टियों से मिलान करेगा और रजिस्टर की प्रविष्टियों तथा घोषणाओं की पड़ताल करने के पश्चात् जांच पड़ताल करने वाला/वाले बोर्ड का/के सदस्य अपने आस्थाक्षर करेगा/करेंगे।

(4) रेल प्राधिकारियों से परेषण का परिधान लेने से पूर्व प्रत्येक परेषित रेल रोध के नाम से आत चुंगी पोस्ट पर रेल रसीद रजिस्टर करवाएगा और मोहर लगाएगा तथा कर कलक्टर के समक्ष उसकी विषय वस्तु का मूल्य, वजन और मात्रा आदि की बाबत घोषणा करेगा और इसके साथ-साथ माल के गंतव्य स्थान की भी घोषणा करेगा।

माल का परिधान प्राप्त करने के पश्चात् आयातकर्ता या तो चुंगी कर का संदाय करेगा या उपविधि 15 के अधीन अभिवहन पास अभिप्राप्त करेगा यदि माल इस छावनी के माध्यम द्वारा तुरन्त निर्यात के लिए आशयित है। इस उपबंध के अनुपालन की दशा में परेषित चुंगी उपविधियों के अधीन और छावनी अधिनियम, 1924 की धारा 82 की उपधारा (1) के अधीन दायी होगी।

23. **रेल द्वारा आयात पर चुंगी का निर्धारण और संग्रहण** :—उपविधि 22 के अधीन परेषण का रजिस्ट्रीकरण पूरा होने के पश्चात् चुंगी अधीक्षक संग्रहणीय चुंगी का अवधारण करेगा और उसका उल्लेख आपन पर करेगा और आपन केन्द्रीय रोध को भेजेगा जहाँ आपन में संगणनाओं की पड़ताल करने के पश्चात् संदेय रकम आयातकर्ता से मांगी जाएगी और रकम का संदाय होने पर प्ररूप 10 में रसीद दी जाएगी और उसके कूपन तथा तीसरी पत्ती को रिक्त छोड़ा जाएगा तथा प्रतिपत्ती अपने पास ही रखी जाएगी। उसके पश्चात् रेल रसीद और बीजक पर छावनी बोर्ड की मोहर लगाई जाएगी और उसे आयातकर्ता को लौटा दिया जाएगा और घोषणा पर, यदि कोई हो, भी मोहर लगाई जाएगी और उसे फाइल किया जाएगा।

24. **रेल परिसर से माल हटाने की प्रक्रिया** :—रेल परिसर से हटाए गए ऐसे सभी माल जो चुंगी सीमाओं के अन्तर्गत उपयोग

या उपभोग के लिए आशयित हों और जो चुंगीयोग्य हों, जब रेल रोध पर लाए जाए तो वहां माल का भारसाधक व्यक्ति उपविधि 23 के अधीन अभिप्राप्त रसीद, यदि कोई हो, प्रस्तुत करेंगे और कर कलक्टर अपना यह समाधान हो जाने के पश्चात् कि माल रसीद में प्रविष्ट व्योरे से मिलता है रसीद की तीसरी पर्णी भरेंगे, उसे फाड़ देंगे तथा अपने पास रखेंगे और दूसरी पर्णी संलग्न कूपन सहित आयातकर्ता को लौटा देंगे।

परन्तु यदि रसीद के अंतर्गत आने वाले पररेषण का कुछ भाग ही रेल रोध पर पहुंचता है तो कर-कलक्टर दूसरी पर्णी फाड़ देंगे और आयातित मात्रा तथा समय और तारीख का दूसरी और तीसरी पर्णी के दूसरी ओर उल्लेख करेंगे और यही प्रक्रिया जब-जब पररेषण की पश्चात्तती किस्त रोध पर लायी जाए दोहराएगा और तीसरी पर्णी मुख्य चुंगी कार्यालय को तब तक नहीं भेजेगा जब तक पूरा पररेषण आयात न कर लिया जाए।

25. प्ररूप 10 में रसीद के अन्तर्गत न आने वाले रेल द्वारा आयात :—यदि चुंगीयोग्य माल जो चुंगी सीमाओं के अन्तर्गत उपभोग या उपभोग के लिए आशयित है और आयात के लिए रेल रोध पर लाया जाता है किन्तु प्ररूप 10 में रसीद के अंतर्गत नहीं आता है या उनके अंतर्गत लाने वाले तात्पर्यित रसीद में प्रविष्ट माल के वर्णन में नहीं मिलता तो उसके संबंध में उपविधि 18 के खंड (2) और उपविधि 20 में विहित प्रक्रिया के अनुसार कार्यवाही की जाएगी परन्तु आयातकर्ता को प्ररूप-5 में रसीद देने से पूर्व चुंगी अधीक्षक आयातकर्ता के नाम सहित मामले को सब विविष्टियां प्ररूप 11 में रखे जाने वाले अरजिस्ट्रीकृत रेल आयात के रजिस्टर में करवाएगा।

26. वास्तविक रूप से आयातित माल पर देय रकम से अधिक रेल द्वारा आने वाले माल पर चुंगी का पुनः संशय—
(1) यदि किसी भी कारण से रेल प्रशासन द्वारा माल के कम परिखान या आयात से पूर्व किसी अन्य गंतव्य स्थान को भेजे देने के कारण वास्तविक आयातित माल की रकम उस रकम से कम है जिसके संबंध में उपविधि 23 के उपबंधों के अधीन चुंगी संदत्त की गई है तो रेल रोध का भारसाधक अधिकारी प्ररूप 10 में रसीद की दूसरी और तीसरी पर्णी तथा कूपन पर लाल स्याही से आयातित माल की वास्तविक रकम का उल्लेख करेंगे और आयातकर्ता वास्तविक आयात की तारीख या पररेषण की अन्तिम किस्त के आयात की तारीख से 7 दिन के भीतर मुख्य चुंगी अधिकारी के समक्ष वास्तविक रूप से आयातित माल की बाबत संबंधित रकम से अधिक संदत्त चुंगी की रकम लौटाने के लिए दावा कर सकेगा और यदि चुंगी अधीक्षक का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा दावा ठीक है तो वह अपने अग्रदाय में से केन्द्रीय रोध के भारसाधक अधिकारी द्वारा संदाय के लिए दावा पास कर देगा।

(2) उस माल की रकम जिसकी बाबत खंड (1) के अधीन दावा पास किया गया है और पुनः संदत्त चुंगी की रकम दिन के योगों के अधीन लाल स्याही से मुख्य कार्यालय जिम्मेदार में प्रविष्ट की जाएगी जिसमें से रकम को बटा दिया जाएगा।

(3) गलत संगणना या किसी अन्य कारण से चुंगी के अधिक संदाय के परिणामस्वरूप प्रतिदाय के दावों के संबंध में, जहां तक संभव हो, खंड (1) और (2) के उपबंधों के अनुसार कार्यवाही की जाएगी।

27. व्यापार भाण्डागार :—(1) छावनी बोर्ड थोक व्यापारियों की सुविधा के लिए एक व्यापार भाण्डागार रखेगा जो 3—359 जी. आई. /91

उसमें अपना माल ऐसे निबंधनों और शर्तों पर जमा करा सकेगा जो छावनी बोर्ड विहित करे।

(2) छावनी बोर्ड उस पूर्ण अवधि के लिए व्यापार भाण्डागार में अलग कमरे के उपयोग के लिए किराया ले सकेगा। और उसके साथ उन पहले 72 घंटों के पश्चात् किसी अवधि के लिए साधारण भाण्डार कक्ष के उस भाग के उपयोग के लिए भी किराया ले सकेगा जिसके दौरान उस भाग का उपभोग किया गया है और आवास के लिए छावनी बोर्ड द्वारा नियत किरायों की सारणी को भाण्डागार के प्रवेश द्वार पर लगाया जाएगा और उद्ग्रहणीय किराया भाण्डागार रोध के भारसाधक अधिकारी द्वारा उस समय थसूल किया जाएगा जब व्यापारी अन्तिम रूप से भाण्डागार से अपना माल हटा लेता है और उसके ठहरने के दौरान मास में कम कम एक बार छावनी लेखा संहिता 1924 के प्ररूप 4-ख में जारी की गई रसीद और जारी की गई रसीदों की प्रतिपत्तियां भेजेगा तथा अन्य वसूल की गई रकमों सहित सभी रकमों मुख्य चुंगी कार्यालय को प्रति दिन भेजेगा।

(3) छावनी बोर्ड भाण्डागार के द्वार पर एक रोध स्थापित करेगा और आउट पोस्ट रोधों पर प्रक्रिया को आसित करने वाली उपविधियां ही उस पर प्रक्रिया के संबंध में लागू होंगी।

28. किसी व्यापार भाण्डागार में माल जमा करना और वहां से हटाना :—जहां कोई भाण्डागार रखा जाए वहां आयात के लिए रोध पर लाया गया माल या अस्थायी रूप से चुंगी सीमाओं के भीतर रखा जाने के लिए और अन्तिम रूप से निर्यात के लिए आशयित माल की बाबत यह समझा जाएगा कि मानो वह माल यथास्थिति उपविधि 15 या उपविधि 16 के उपबंधों के अधीन सरन्त निर्यात के लिए आशयित था सिवाय इसके कि निर्यात के रोध के स्थान पर भाण्डागार रोध प्रतिस्थापित किया जाएगा और जब माल किसी भाण्डागार रोध से हटाया जाता है तो उसे आयात रोध समझा जाएगा और माल की बाबत यह समझा जाएगा कि वह चुंगी सीमाओं के अन्तर्गत उपयोग या उपभोग के लिए आशयित है या ऐसा माल है जो आगमन के समय भाण्डागार रोध पर की गई घोषणा के अनुसार सरन्त निर्यात के लिए आशयित है।

29. व्यापार भाण्डागार से प्रतिदिन व्यापार :—(1) उपविधि 28 में किसी बात के होते हुए, छावनी बोर्ड नगर में वैनिक कारदार के संचालन की सुविधा के लिए व्यापारी को भाण्डागार का उपयोग करने की इजाजत दे सकेगा और उसे भाण्डागार से मान का कुछ भाग प्रतिदिन ले जाने और साथ तक किसी नियत समय तक उस माल का विक्रय न होने की दशा में वापस लाने की अनुज्ञा दे सकेगा।

(2) ऐसे प्रत्येक व्यापारी के संबंध में जिसे खंड (1) के उपबंधों के अधीन भाण्डागार का उपयोग करने की अनुज्ञा दी गई है प्ररूप 12 में रखा जाने वाले भाण्डागार खाते में लेखा रखा जाएगा जिसमें माल के आयात, उसके हटाए जाने और फिर से आयात किए जाने, जैसी भी स्थिति हो, की बाबत प्रविष्टियों की जाएंगी और प्रत्येक दिन राय में भाण्डागार में दृष्टे हुए माल को वीक्षित करते हुए अतिशेष निकाला जाएगा और व्यापारी दिन के दौरान विक्रीत माल के रूप में दर्शित माल पर चुंगी के दायित्वाधीन होगा।

(3) खाता लेखे, जिसके अन्तर्गत खाते के स्तंभ 7 में प्रविष्ट भाण्डागार किराया भी है, प्रत्येक मास के अन्तिम दिन परिनिर्धारित किए जाएंगे और उस समय भारसाधक कर कलक्टर

अपना यह समाधान करेगा कि प्रत्येक व्यापारी के सामने लेखों में दर्शित माल का अतिशेष भाण्डागार में रखे गये माल से मिलता है या यदि कोई व्यापारी मास के अंत से पूर्व अपना सामान उठा लेता है तो लेखा उस समय परीक्षित किया जाएगा जब व्यापारी अंतिम रूप से अपना माल भाण्डागार से हटा लेता है।

(4) चुंगी अधीक्षक खाता में दर्शित माल के दैनिक अतिशेष का समय समय पर सत्यापन करेगा।

30. व्यापार भाण्डागार का बड़े मिलों निष्पत्तियों आदि पर विस्तार :—

बड़े मिलों या अन्य व्यापार संस्थानों के मामले में जहां पर केवल थोक व्यापार किया जाता है और जिसकी बाबत छावनी बोर्ड की यह राय हो कि उन्हें रियायत देना सुरक्षित होगा भाण्डागार के द्वार पर एक रोक लगाया जा सकता है जिस पर अपनाई जाने वाली प्रक्रिया इन उपविधियों द्वारा शासित होगी जैसा कि किसी साधारण आउट पोस्ट रोड के संबंध में होता है। ऐसे भाण्डागार में न तो कुछ लाया जाएगा और न ही कुछ ले जाया जाएगा सिवाय उम द्वार के माध्यम से जहां रोड लगाया जाए। ऐसे रोड का लेखा व्यापार भाण्डागार रोड के लिए विहित प्रणाली में रखा जाएगा। किसी दुकान या स्टाल के प्रत्येक स्वामी, पट्टेदार या अधिभोगी को, जिसे भाण्डागार के भीतर कारबार करने की अनुज्ञा दी जाए, छावनी बोर्ड के पक्ष में एक करार लिखाई देना होगा जिसमें निम्नलिखित शर्तें होंगी जिसका वह पालन करेगा :—

- (1) भाण्डागार में केवल थोक विक्रेता का कारबार ही किया जाएगा और वह करार में खी गई मात्रा से कम का व्यापार नहीं करेगा;
- (2) वह भाण्डागार के भीतर अपनी दुकान या स्थल में न तो कोई माल लाएगा न ले जाएगा सिवाय उस मुख्य द्वार के माध्यम से जिसकी इस प्रयोजन के लिए व्यवस्था की गई है;
- (3) वह छावनी बोर्ड द्वारा नियत भाण्डागार रोड के अन्तर्गण और उसके कर्मचारियों पर होने वाले खर्च के संबंध में एक वार्षिक रकम का अग्रिम के रूप में आनुपातिक संदाय करेगा;
- (4) करार में अन्तर्विष्ट शर्तों में किसी शर्त के भंग की दृष्टि से इस प्रकार की गई रियायतें छावनी बोर्ड द्वारा वापस ले ली जाएंगी और भाण्डागार में रखे गए ऐसे सभी माल का जिस पर चुंगी पहले संदत्त नहीं की गई है, उसके लिए तरन्त निर्धारण किया जाएगा। यदि शर्तों के भंग में उपविधियों का कोई भंग अन्तर्विष्ट हो तो उपविधि 62 के उपबंध प्रवृत्त नहीं होंगी।

31. ऐसी स्थिति में भाण्डागार का उपयोग जब आयातकर्ता आयात के समय चुंगी देने से असमर्थ हो या अनिच्छुक हो :— जहां कोई व्यापार भाण्डागार रखा जाता है वहां माल आयात करने वाला कोई व्यक्ति जो चुंगी के दायित्वाधीन है, आयात रोड पर चुंगी देने में असमर्थ या अनिच्छुक हो वहां वह उस माल को अपने पर्यवेक्षणाधीन भाण्डागार में ले जाएगा जहां उसे

उपविधि 28 के उपबंधों के अधीन भाण्डागार में लाया गया माल समझा जाएगा।

32. माल के संबंध में पास मांगने की शक्ति :—

(1) चुंगी अधीक्षक या चुंगी निरीक्षक जब किसी ऐसे व्यक्ति से मिले जिसके पास ऐसा माल हो जिसके बारे में यह समझा जाए कि उसे आयात किया गया है और आयात पर वह माल चुंगी योग्य है तो वह ऐसे माल के संबंध में रसीद या पास की मांग कर सकेगा और माल के निरीक्षण के संबंध में उसमें की गई प्रविष्टियों का सत्यापन कर सकेगा और कोई भी व्यक्ति जिससे इस खण्ड के अधीन रसीद या पास मांगा जाए उसे प्रस्तुत करेगा और मांग करने वाले अधिकारी को ऐसे माल के निरीक्षण को अनुज्ञा देगा।

(2) यदि माल की रसीद या पास से पड़ताल करने पर अधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि रसीद या पास में सभी मब ठीक हैं तो वह रसीद या पास से संलग्न रिक्त कूपन स्तंभों को भरेगा रसीद या पास के कूपन को फाड़ देगा और उसे रोड पर प्रतिपत्ति से तुलना के लिए रखेगा तथा रसीद या पास की दूसरी ओर अपना नाम पृष्ठांकित करेगा और उसे प्रस्तुतकर्ता को लौटा देगा।

(3) यदि माल के भारसाधक अधिकारी के पास कोई रसीद या पास नहीं है और उसके पास विश्वास करने का यह कारण है कि माल पर चुंगी की पूरी रकम संदत्त नहीं की गई है या माल रसीद या पास में प्रविष्ट वर्णन से नहीं मिलता है तो ऐसा अधिकारी यदि इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि उपविधि 23 के अधीन दिए गए पास की तीसरी पंक्ति भरी नहीं गई है तो वह ऐसे व्यक्ति से यह अपेक्षा करेगा कि वह मुख्यालय तक उसके साथ जाए चुंगी अधीक्षक मामले की जांच करेगा। ऐसा व्यक्ति मुख्य चुंगी कार्यालय ऐसे अधिकारी के साथ जाएगा जब इस उपविधि के अधीन ऐसा करने के लिए उसे कहा जाए। चुंगी अधीक्षक यदि उगका यह समाधान हो जाता है कि प्रत्येक माल पर संबंधित स्तंभ संदत्त नहीं की गई है या पूरी चुंगी संदत्त नहीं की गई है तो वह संबंधित चुंगी की रकम निर्धारित करेगा, माल के भारसाधक व्यक्ति से रकम के संदाय की मांग करेगा और रकम की प्राप्ति पर प्रारूप-5 में रसीद भरेगा, प्रतिपत्ति अपने नाम रमनेगा और संलग्न रिक्त कूपन सहित पंक्ति माल के भारसाधक व्यक्ति को दे देगा। चुंगी अधीक्षक उसके पश्चात् यह मामला कार्यपालक अधिकारी को रिपोर्ट करेगा ताकि छावनी अधिकारी को ऐसे आवेष्ट प्राप्त किए जा सकें कि छावनी अधिनियम, 1924 की धारा 82(1) के अधीन अभियोजन संस्थित किया जाए या नहीं।

(4) इस उपविधि के खंड (2) के अधीन कूपन प्राप्त करने वाला अधिकारी ऐसे कूपन ऐसे रोड या रोडों तक, जहां से उन्हें जारी किया गया है, ले जाएगा और वहां पर प्रतिपत्तियों से उन कूपनों का सत्यापन करेगा और यदि वह इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि प्रविष्टियां ठीक हैं तो वह प्रतिपत्तियों पर अपने आकांक्ष करेगा और कूपन रोड नकदी पेंटी में डाल देगा। यदि किसी मामले में किसी कमी का पता लगता है तो वह संबंधित कूपन को पृथक आवरण में रिपोर्ट सहित मुख्यालय को भेज देगा।

(5) इस उपविधि के अधीन अपेक्षित प्रयोजन के लिए छावनी कार्यपालक अधिकारी द्वारा प्राधिकृत निरीक्षण पदधारियों द्वारा रुकने का संकेत छावनी अधिनियम, 1924 की धारा 81 के

उपबंधों के अधीन यह अभिनिश्चित करने के लिए कि निरीक्षण हतुं चुंगी या अन्य कोई वस्तु उसमें ल जाई जा रहा है, वन पर प्रत्येक वाहन रुकना ।

33. माल के अभिग्रहण की सूचना :—जब छावनी अधिनियम, 1924 का धारा 82(2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कोई माल अभिगृहीत किया जाता है तो अभिग्रहण करने वाला अधिकारी इन उपबंधों से संलग्न प्ररूप-3 में एक सूचना तुरन्त आयातकर्ता या निर्यातकर्ता को देगा या भेजेगा ।

34. चुंगी कर अभिवहन पास फीस और चुंगी अनुसूची/उपबंधों के अधीन ग्राह्य कोई अन्य धन जो कर कलक्टर प्राप्त करे, वह उसकी सुरक्षित अभिरक्षा के लिए दायी होगा ।

35. रसीदों के आनुक्रमिक योगों का तुरन्त भरा जाना :—इन उपबंधों के अधीन कोई रसीद या पास जो अभिवहन पास से भिन्न हो जारी करने वाला प्रत्येक संग्रहण अधिकारी रसीद या पास जारी करने के समय उसकी प्रतिपत्नी के नीचे प्राप्त चुंगी के आनुक्रमिक योग भरेंगे और चुंगी अधीक्षक, चुंगी निरीक्षक, बोर्ड के सदस्य या रांथ का निरीक्षण करने वाला कोई अन्य अधिकारी यह देखेगा कि आनुक्रमिक योग इस प्रकार भरे गए हैं या नहीं और उन्हें दिन के समाप्त होने तक स्थगित नहीं किया गया है । ऐसी प्रतिपत्नियां जिनकी पड़ताल की जा चुकी हो निरीक्षण करने वाले अधिकारी या बोर्ड के सदस्य द्वारा हस्ताक्षरित की जाएगी ।

36. ऐसे व्यक्तियों की सूची रखी जाना जिन्हें चुंगी के प्रशमन की अनुज्ञा दी गई है, प्रशमन का अभिग्रहण के रूप में संक्षेप :—(1) ऐसे व्यक्ति जिन्हें छावनी अधिनियम, 1924 की धारा 101 की उपधारा (1) के उपबंधों के अधीन चुंगी के प्रशमन के लिए अनुज्ञा दी गई है या तो अपने द्वारा आयातित माल की बाबत संदेय सकल चुंगी के लिए प्रशमन करेंगे और बाद में आयातित माल की बाबत इन उपबंधों के उपबंधों के अधीन प्रतिदाय अभिप्राप्त करेंगे या आयातित माल की बाबत संदेय सकल रकम से निर्धारित माल की बाबत लौटाई गई रकम को घटा कर संदेय चुंगी की शुद्ध रकम के लिए प्रशमन करेंगे और छावनी बोर्ड इन उपबंधों से संलग्न प्ररूप 14 में ऐसे सभी व्यक्तियों की एक सूची रखेगा जिन्हें प्रशमन की अनुज्ञा दी गई है और उसमें अलग अलग भागों में उन व्यक्तियों के नाम जिन्हें उनके द्वारा संदेय सकल चुंगी के लिए प्रशमन की अनुज्ञा दी गई है और उन व्यक्तियों के नाम जिन्हें उनके द्वारा संदेय शुद्ध चुंगी के लिए प्रशमन की अनुज्ञा दी गई है प्रविष्ट करेंगे और ऐसी सूची अद्यतन शुद्ध रूप में रखी जाएगी और कार्यपालक अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित होगी । उनकी अंग्रेजी और देशी भाषा में एक प्रति प्रत्येक रांथ पर लगाई जाएगी और ऐसे प्रत्येक व्यक्ति को प्ररूप 15 में पासों की पुस्तिका दी जाएगी ।

(2) ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जिसे चुंगी के प्रशमन की अनुज्ञा दी गई है प्रशमन की रकम कड़ाई से अभिग्रहण के रूप में संवत् करेगा और प्रशमन की अवधि के अवसान पर उसका नाम खंड (1) के अधीन रखी गई सूची में से तुरन्त काट दिया जाएगा यदि आने वाली अवधि की बाबत उसने पहले ही संदाय नहीं कर दिया है ।

(3) चुंगी के प्रशमन के संबंध में धन प्राप्ति को छावनी लेखा संहिता, 1924 के प्ररूप 4ख में रसीद द्वारा, जो छावनी कार्यालय में या, उसे इस निमित्त प्राधिकृत किया गया है, तो

मुख्य चुंगी कार्यालय में चुंगी अधीक्षक द्वारा जारी कर के अभि-स्वीकृत किया जाएगा ।

37. प्रशमन पास के अन्तर्गत आने वाले माल के आयात की प्रक्रिया :—इन उपबंधों में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जब कोई व्यक्ति, जिसे चुंगी के प्रशमन के लिए अनुज्ञा दी गई है, कोई ऐसा माल आयात करना चाहता है जिस पर चुंगी उद्ग्रहणीय है तो वह प्ररूप 15 में पास भरेंगे और उसे आयात के रांथ को भेज देगा जहां रांथ का भारसाधक अधिकारी यह देखेगा कि उपबंध 36 के उपबंधों के अधीन रखी गई सूची की प्रति में, जो उसके पास है, उस व्यक्ति का नाम है जिसने पास पर हस्ताक्षर किए हैं और यदि ऐसा है तो वह अपना यह समाधान हो जाने के पश्चात् कि आयात किया जाने वाला माल पास में प्रविष्ट व्यक्तियों के अनुरूप है वह पास और कूपन के नीचे प्रमाणपत्र भरेंगे, कूपन को फाड़ देगा और उसे उस व्यक्ति को दे देगा जिसने पास प्रस्तुत किया था, पास अपनी नकदी पेंटी में डाल देगा और माल को रांथ से जाने की इजाजत देगा ।

38. शुद्ध चुंगी का प्रशमन करने के लिए अनुज्ञात व्यक्तियों द्वारा माल के निर्यात की प्रक्रिया :—ऐसे प्रत्येक व्यक्ति को जिसे उसके द्वारा संदेय शुद्ध चुंगी के प्रशमन की अनुज्ञा दी गई है, प्ररूप 16 में निर्यात पासों की एक पुस्तिका दी जाएगी और इन उपबंधों में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जब ऐसा कोई व्यक्ति ऐसा माल निर्यात करना चाहता है जिस पर आयात किए जाने पर चुंगी उद्ग्रहणीय है तो वह प्ररूप 16 में पास भरेंगे और उसे निर्यात के रांथ पर माल सहित भेजेगा और रांथ का भारसाधक अधिकारी यह देखेगा कि उस व्यक्ति का नाम, जिसने पास पर हस्ताक्षर किए हैं, ऐसे व्यक्तियों की उस सूची में है, जो उसके पास है जिन्हें उनके द्वारा संदेय शुद्ध चुंगी का प्रशमन करने की अनुज्ञा दी गई है और यदि ऐसा है तो अपना यह समाधान हो जाने पर कि निर्यात किए जाने वाला माल पास में प्रविष्ट व्यक्तियों के अनुरूप है वह पास और कूपन के नीचे प्रमाण-पत्र भरेंगे, कूपन फाड़ देगा और उसे उस व्यक्ति को दे देगा जिसने पास प्रस्तुत किया था, पास को अपनी नकदी पेंटी में डाल देगा और माल को जाने देगा ।

39. प्रशमन के निबंधनों की संगणना के लिए उपयोग में लाए जाने वाले और भरे जाने वाले पास :—जब मुख्य चुंगी कार्यालय में नकदी पंटियां प्राप्त हों तो इन में पाए गए प्ररूप 15 या प्ररूप 16 में सभी पासों की यह अभिनिश्चित करने के लिए जांच पड़ताल की जाएगी कि नीचे दिए गए प्रमाणपत्र में पासों का ब्योरा दिया गया है और ऐसे पासों को ऐसे प्रत्येक व्यक्ति के नाम में अलग अलग भरा जाएगा जिसे चुंगी का प्रशमन करने की अनुज्ञा दी गई है और यह एक ऐसे आधार का भी काम करेगी जिसके अनुसार उन निबंधनों की संगणना की जाएगी जिन पर प्रशमन अनुज्ञात किया जाना चाहिए और जब ऐसे निबंधनों को अगली बार पुनरीक्षित करना हो तो ऐसे व्यक्ति की दशा में जिसे उसके द्वारा संदेय शुद्ध चुंगी के प्रशमन की अनुज्ञा दी गई है, आयातित माल की शुद्ध रकम की ओर ध्यान देना होगा परन्तु ऐसा प्ररूप 15 में पासों में दर्शात आयातित माल की कुल रकम से प्ररूप 16 में पासों में दर्शात निर्यातित माल की रकम घटाने के पश्चात् किया जाएगा और प्ररूप 16 में पास के अन्तर्गत न आने वाले निर्यात की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जाएगा ।

40. दिन के संयवहार बन्द करने की प्रक्रिया :—(1) प्रत्येक दिन के अन्त में छावनी बोर्ड द्वारा नियत समय पर प्रत्येक दिन के संयवहार बन्द किए जाएंगे और प्रत्येक रांथ का भारसाधक

अधिकारी दिन में प्राप्त धन का अनुक्रमिक योग करेगा और ऐसा करते समय रसीद या पास की प्रत्येक पुस्तिका में प्रयुक्त अन्तिम प्रतिपत्नी और उसमें की गई प्रविष्टियों को हिसाब में लेने के बाद करेगा और प्रत्येक दिन की रसीदों या पासों को प्ररूप 6 में जिनसार वर्गीकरण के पश्चात् संकलित करेगा और संकलन अनुमोदित चुंगी अनुसूची में बनाए गए वर्गीकरण के अनुसार किया जाएगा तथा मवों को प्रत्येक दिन की प्रतिपत्तियों से एक के बाद दूसरे के हिसाब से प्रविष्ट किया जाएगा तथा रसीद या पास की क्रम संख्या स्तंभ 1 में दी जाएगी और माल का ब्यौरा तथा संदत्त चुंगी की रकम समुचित स्तंभ में प्रविष्ट की जाएगी और नकदी पटों रसीद पुस्तिकाएं, पास बुक और जिनसवार उप-विधि 24 के अधीन अपने पास रखी गई पास की तीसरी प्रतियों सहित मुख्य कार्यालय को भेज दी जाएगी।

(2) विलम्ब को रोकने के लिए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि संग्रहण अधिकारियों द्वारा प्राप्त सभी धन तुरन्त ताले और चाबी में रखा जाए छावनी बोर्ड प्रत्येक राध पर पुस्तिकाओं के एक डबलसैट और दो नगदी पट्टियों की व्यवस्था करेगा ताकि एक सेंट मुख्यालय में रहे और दूसरा राध पर उपयोग के लिए उपलब्ध रहे। जिनसवार अलग प्ररूपों पर होंगे।

41. प्रत्येक राध की नकदी पुस्तिकाएं और प्ररूप ऐसे कर कलेक्टर द्वारा व्यक्तिगत रूप से संग्रहित की जाएंगी जिसे प्रत्येक दिन सबरे कार्यपालक अधिकारी नगदी कलेक्टर के रूप में तैनात करे और उसे मुख्य चुंगी कार्यालय में लाया जाएगा और केन्द्रीय राध के भारसाधक अधिकारी को दिया जाएगा। चुंगी अधीक्षक या उसकी अनुपस्थिति में कर निरीक्षक यह सुनिश्चित करेगा कि सभी प्राप्त धन प्रत्येक दिन छावनी बोर्ड जालंधर के कोषाध्यक्ष के पास जमा करा दिया जाए।

42. कर कलेक्टर द्वारा धन क्षुल किए जाने के पश्चात् रकम संबंधित राध के लिए तथा जिनसवार राध पर दिन की अन्तिम प्रतिपत्नी के नीचे प्राप्तकर्ता अधिकारी द्वारा पृष्ठांकित की जाएगी। सभी चुंगियों को कुल रकम को उसके पश्चात् उप-विधि 43 में विहित के अनुसार हिसाब में लिया जाएगा।

(2) संबंधित राध से प्राप्त प्रतिपत्नी/जिनसवार की कर निरीक्षकों द्वारा शतप्रतिशत पड़ताल की जाएगी और वह उस पर अपने आस्थाकर करेंगे। चुंगी अधीक्षक ब्यारे के दो प्रतिशत की जांच पड़ताल करेंगे और जांच की गई प्रतिपत्तियों पर ऐसा करने के प्रमाणस्वरूप आस्थाकर करेंगे। यदि कुल रकम इस उपविधि के खंड (1) के अधीन प्रतिपत्नी और जिनसवार पर पृष्ठांकित रकम से मिलती हो तो वह अन्तिम प्रतिपत्नी जिस पर उस दिन का कुल योग प्रविष्ट है चुंगी अधीक्षक द्वारा हस्ताक्षरित किया जाएगा या उसकी अनुपस्थिति में कर निरीक्षक द्वारा।

(3) उपविधि 15 के खंड (3) के अधीन प्राप्त पासों की पत्तियां और उपविधि 24 के अधीन रखी गई पासों की तीसरी पत्तियां प्रतिपत्नी पर बिपका दी जाएंगी और यदि उपविधि 15 के खंड (5) द्वारा अपेक्षित प्रतिपत्तियों की परीक्षा करने के पश्चात् चुंगी अधीक्षक इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि दो दिन तक पत्तियां नहीं बिपकाई गई हैं तो वह विशेष अन्वेषण करा सकेगा।

(4) इस उपविधि के खंड (1) से खंड (3) में विहित प्रक्रिया पूरी हो जाने के पश्चात् पुस्तिकाओं को इस प्रयोजन के लिए तैनात कर कलेक्टरों के माध्यम से राधों को बिना किसी विलम्ब के लौटा दी जाएगी और जिनसवार मुख्य कार्यालय में रखे जाएंगे।

43. नगदी को निम्नलिखित रीति से हिसाब में लिया जाएगा :—

नगदी को हिसाब में लेने की प्रक्रिया—(1) यदि कार्यपालक अधिकारी स्वयं या छावनी कोषाध्यक्ष के माध्यम से संग्रहण प्राप्त करता है तो वह प्रत्यक्ष रूप से छावनी संहिता 1924 की साधारण नगदी पुस्तिका (प्ररूप 8-ख) में हिसाब में लगा और उस सामान्य रूप से खजाने में भेज देगा।

(2) यदि चुंगी अधीक्षक संग्रहण प्राप्त करता है और यदि मुख्य चुंगी कार्यालय उसी भवन में है जहां कार्यपालक अधिकारी का कार्यालय है तो प्रक्रिया वही होगी जो उस उपविधि के खंड (1) में अधिकारित है, और यदि चुंगी कार्यालय कार्यपालिका अधिकारी के कार्यालय से दूरी पर है तो वह इन उपविधियों से संलग्न प्ररूप 17 में अपने द्वारा रखी जाने वाली नगदी पुस्तिका के स्तंभ 1 से 4 में समुचित शीर्षों के अधीन उसे प्रविष्ट करेगा। स्तंभ 5 में वह खजाने या छावनी कार्यालय, जैसी भी प्रथा हो, को भेजी गई रकम वर्णित करेगा। पुस्तिका को प्रत्येक दिन बंद कर दिया जाएगा और धन को छावनी लखा संहिता 1924 के, यथास्थिति, प्ररूप-5 क-ख या 5-ख में चालान सहित भेज दिया जाएगा।

(3) यदि चुंगी अधीक्षक धन सीधे खजाने भेजता है तो चालान (चुंगी लखा संहिता का प्ररूप 5-क 5-ख) की एक पत्नी जो खजाने द्वारा लौटाई जाए प्राप्ति के रूप में गाई फाइल कर दी जाएगी और दूसरी पत्नी को इन उपविधियों से संलग्न प्ररूप 16 में विवरण सहित कार्य कालक अधिकारी को भेज दिया जाएगा। चालान प्राप्त होने के पश्चात् कार्यपालक अधिकारी उस में दर्शित रकम को अपनी साधारण नगदी पुस्तिका (छावनी लखा संहिता प्ररूप 8-ख) में प्रविष्ट करेगा।

(4) यदि चुंगी अधीक्षक धन छावनी कार्यालय को भेजता है तो वह उस छावनी लखा संहिता के प्ररूप 5-ख में चालान सहित भेजेगा और कार्यपालक अधिकारी उसे प्राप्त करेगा और उसे साधारण नगदी पुस्तिका (छावनी लखा संहिता का प्ररूप 8-ख) में हिसाब में लगा। चालान की एक पत्नी प्राप्ति के रूप में चुंगी अधीक्षक को लौटा दी जाएगी और दूसरी साधारण नगदी पुस्तिका में प्रविष्ट के लिए वाजचर के रूप में कार्यपालक अधिकारी द्वारा रखी जाएगी।

(5) यदि चुंगी अधीक्षक इस उपविधि के खंड (2) के पश्चात् वही भाग के अधीन संग्रहण प्राप्त करता है तो कार्यपालक अधिकारी अपनी नगदी पुस्तिका (प्ररूप 17) की मास में एक बार जांच पड़ताल करेंगे और वह ऐसा करने के प्रमाणस्वरूप अपने हस्ताक्षर करेंगे।

44. मुख्य कार्यालय जिनसवार का संकलन—(1) राधों से प्राप्त जिनसवार प्रत्येक दिन एक नियत क्रम में लाए जाएंगे और प्रत्येक दिन के सभी राधों के योगों और प्रत्येक मास के आरम्भ से लाए गए सभी राधों के अनुक्रमिक योगों के अन्तिम राध के जिनसवार के नीचे प्रविष्ट किया जाएगा।

(2) इनसे प्रत्येक दिन प्ररूप 18 में मुख्य कार्यालय जिनसवार संकलित किए जाएंगे, इन जिनसवारों के स्तंभों का प्रत्येक मास योग निकाला जाएगा और वर्ष के अन्त में पूरे वर्ष के लिए जिनसवार के प्रत्येक शीर्ष के अधीन योगों को दर्शाने वाला एक विवरण तैयार किया जाएगा।

45. चुंगी का प्रतिदाय, जब संवेद्य हो—उपविधि 15 और 38 के उपबंधों के अधीन ऐसा प्रत्येक व्यक्ति जो ऐसा माल निर्यात करता है जिसके आयात पर चुंगी संवेद्य है ऐसे माल की बाबत प्रतिदाय का हकदार होगा परन्तु जब :—

(क) चुंगी किसी माल पर छावनी में नहीं अधिरोपित की गई हो या किसी माल पर चुंगी की दरें पुनरीक्षित की गई हों तो ऐसे माल की बाबत कोई प्रतिदाय नहीं दिया जाएगा या कर के अधिरोपण या दरों के पुनरीक्षण जैसा कि स्थानीय सरकार विहित करे के पश्चात् ऐसी अवधि के लिए पुरानी दरों पर दिया जाएगा;

(ख) पचास पैसे से कम नहीं लौटाए जाएंगे;

(ग) ऐसे माल की बाबत प्रतिदाय अनुज्ञेय नहीं होगा जो चुंगी सीमाओं के अधीन ऐसी सामग्री से बनाया गया है जिस पर चुंगी सदत्त की जा चुकी है;

(घ) ऐसे माल पर प्रतिदाय संवेद्य नहीं होगा जिस छावनी सीमाओं में आयात की तारीख से छह मास के अवसान के पश्चात् छावनी सीमाओं के बाहर निर्यात किया गया है।

46. प्रतिदाय के दावों के संबंध में तुरन्त कार्यवाही—प्रतिदायों से संबंधित दावों की बाबत तुरन्त कार्यवाही की जाएगी और जब कोई दावा स्वीकार कर लिया गया हो तो उसे मांग आने पर दिया जाएगा चाहे ऐसा करने से प्रतिदाय के लिए वज्र अनुदान ही क्यों न बढ़ जाए।

47. प्रतिदाय अभिप्राप्त करने की रीति से संबंधित सूचना का मुद्रण और लगाया जाना—छावनी बोर्ड सूचना मुद्रित कराएगा और निःशुल्क वितरण के लिए मुख्य चुंगी कार्यालय पर रखेगा जिसमें उस रीति की दशाया जाएगा जिसमें प्रतिदाय अभिप्राप्त किया जा सकेगा और ऐसी सूचनाओं की प्रतियां प्रत्येक रांघ और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लगाई जाएगी।

48. प्रतिदाय के भारसाधक अधिकारी की नियुक्ति—छावनी बोर्ड के किसी अधिकारी या सदस्य को प्रतिदाय के संदाय का भारसाधक अधिकारी नियुक्त करेगा और बोर्ड का ऐसा अधिकारी या सदस्य प्रतिदाय के संदाय का भारसाधक होगा और बोर्ड का ऐसा अधिकारी या सदस्य राखिवार और अन्य छुट्टियों को छोड़ कर प्रत्येक दिन ऐसे समय मुख्य चुंगी कार्यालय में हाजिर रहेगा जैसा छावनी बोर्ड विहित करे।

49. प्रतिदाय के लिए स्थायी अग्रिम का दिया जाना—छावनी बोर्ड प्रतिदाय के भारसाधक बोर्ड के अधिकारी या सदस्य को ऐसी रकम की प्रतिदाय के संदाय के लिए, जैसा छावनी बोर्ड विहित करे, स्थायी अग्रिम देगा। परन्तु ऐसी रकम सामान्यतः संवत् प्रतिदायों की औसत मासिक रकम के बराबर होगी।

50. प्रतिदाय आवंदनो का प्रस्तुतीकरण—(1) अपने द्वारा निर्यातित माल की बाबत प्रतिदाय अभिप्राप्त करने का इच्छुक प्रत्येक व्यक्ति प्ररूप 19 में आवंदन के स्तंभ 1 से स्तंभ 10 भरेंगे और ऐसा प्ररूप मुख्य चुंगी कार्यालय से निःशुल्क अभिप्राप्त किया जा सकेगा और आवंदन पर अपन हस्ताक्षर तथा तारीख भरने के पश्चात् मुख्य चुंगी कार्यालय में प्रस्तुत करेंगे।

(2) खंड (1) के उपबंधों के अधीन आवंदन माल के निर्यातकर्ता द्वारा स्वयं किया जाएगा या इस निमित्त उसके द्वारा लिखित रूप से प्राधिकृत अभिकर्ता द्वारा।

(3) खंड (1) के उपबंधों के अधीन कोई भी आवंदन माल के एक परपेण या एक व्यक्ति से अधिक व्यक्तियों के माल से संबंधित नहीं होगा। परन्तु किसी एक परपेण में एक से अधिक प्रकार के निर्यातित माल की बाबत एक ही आवंदन किया जा सकेगा परन्तु तब जब विभिन्न प्रकार के माल को आवंदन में पृथक् रूप से दिखाया गया हो और ऐसे एक प्रकार के माल की बाबत कोई प्रतिदाय संवेद्य नहीं होगा जिस पर आयात की दशा में संवेद्य चुंगी पांच रुपए से कम हो।

51. प्रतिदाय आवंदनों का सत्यापन—(1) छावनी बोर्ड एक या एक से अधिक सत्यापन अधिकारी नियुक्त कर सकेगा जो बोर्ड के सदस्य होंगे या उत्तरदायी अधिकारी, न कि कर कलक्टर या लिपिक, जो उपविधि 50 के अधीन प्रस्तुत किए गए आवंदनों का सत्यापन करेंगे और जब ऐसा आवंदन प्रस्तुत किया जाए तब सत्यापन अधिकारी अपना यह समाधान करेगा कि निर्यात किए जाने वाला माल आवंदन में प्रविष्ट व्यौरों के अनुरूप है, संवेद्य प्रतिदाय की संगणना करेगा और प्ररूप 11 से 15 के स्तंभों को भरने के पश्चात् प्ररूप के नीचे एक प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करेगा और ध्यानपूर्वक वहां पर परीक्षा का ठोक समय और तारीख अन्तः स्थापित करेगा और अनुज्ञेय प्रतिदाय की रकम शब्दों तथा अंकों में अभिलिखित करेगा।

(2) निर्यातित माल के लिए वह आवश्यक नहीं होगा कि वह खंड (1) उपबंधों के अधीन आवंदन के सत्यापन प्रयोजनार्थ मुख्य चुंगी कार्यालय में ही लाया जाए यदि छावनी बोर्ड उसकी अन्यथा व्यवस्था कर सकता है और ऐसे मामले में सत्यापन अधिकारी छावनी बोर्ड के हित में आवश्यक परीक्षा की प्रकृति और विस्तार की बाबत अपने विवेकानुसार और सम्भाव का प्रयोग करेगा और परीक्षित माल को कोई अपरिहार्य क्षति नहीं पहुंचाएगा तथा निर्यातकर्ता के लिए कोई अनुचित विलम्ब नहीं करेगा और यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय करेगा कि इस उपधारा के उपबंधों का सम्यक् रूप से अनुपालन किया जा रहा है।

(3) यदि रेल द्वारा निर्यातित माल का अनुपात ऐसे प्रक्रिया के अनुपालन के लिए पूर्ण रूप से पर्याप्त है तो छावनी बोर्ड सत्यापन अधिकारी से यह अपेक्षा करेगा कि वह रेल रांघ पर विनिर्दिष्ट समय पर हाजिर रहे। प्रतिदाय योग्य चुंगी की रकम की संगणना करने के लिए पचास पैसे से अधिक रुपए के किसी भाग की अवज्ञा की जाएगी और यदि पचास पैसे से अधिक हो तो उसे एक रुपया माना जाएगा।

52. प्रतिदाय खाते में आवंदन का ब्यौरा प्रविष्ट किया जाना :—(1) जब उपविधि 51 के उपबंधों के अधीन किसी आवंदन का सत्यापन कर लिया गया हो तो प्रतिदाय लिपिक आवंदन का ब्यौरा प्ररूप 20 में रखे जाने वाले प्रतिदाय खाते के स्तंभ 1 से स्तंभ 5 में प्रविष्ट करेगा, आवंदन प्ररूप और उससे संलग्न कूपन के ऊपर कौने में दिए गए स्थानों में क्रम संख्या अभिलिखित करेगा, वह तारीख और समय भरेंगे जिस तक आवंदन प्ररूप के स्तंभ 16 में के माल का निर्यात किया जाना चाहिए।

(2). छावनी बोर्ड 12 घंटे से अनधिक का ऐसा अन्तर्गत विहित करेगा जिसके भीतर माल किसी निर्यातकर्ता को आवेदन वापस किए जाने के पश्चात् माल निर्यात किया जाना चाहिए और निर्यात के विभिन्न राशियों की बाबत विभिन्न अन्तर्गत विहित किए जा सकेंगे।

53. निर्यात रोध पर प्रक्रिया :—(1) जब किसी निर्यातकर्ता को उपविधि 52 के उपबंधों के अधीन अपना आवेदन वापस मिल जाए हो वह उसे ले लेंगे या उसे निर्यात किए जाने वाले माल के साथ निर्यात रोध को भेज देंगे।

(2) यदि प्ररूप के स्तंभ 16 में प्रविष्ट समय निकलने से पूर्व आवेदन माल सहित निर्यात रोध पर प्रस्तुत किया जाता है तो रोध का भारसाधक अधिकारी यह देखने के पश्चात् कि निर्देशित किए जाने वाला माल वास्तविक रूप से आवेदन में उल्लिखित व्यौरों से मिलता है आवेदन और कूपन के दूसरी ओर प्रमाणपत्र भरेंगे और उस पर हस्ताक्षर करेंगे तथा कूपन को फाड़ देंगे और उसे नकदी पेंटी में डाल देंगे तथा आवेदन निर्यातकर्ता को लौटा देंगे; परन्तु यदि निर्यात के लिए रोध पर लगाया जाने वाला माल आवेदन में प्रविष्ट व्यौरों से नहीं मिलता है तो वह निर्यात के लिए रोध पर वास्तविक रूप से लाये गये माल की बाबत आवेदन के दूसरी ओर एक टिप्पण अभिलिखित करेंगे और परेषण की बाबत कोई भी प्रतिदाय तब तक संदेय नहीं होगा जब तक निर्यातकर्ता ने उपविधि 51 के उपबंधों के अनुसार माल का पुनः स्थापन न कर लिया हो।

(3) यदि स्तंभ 16 में प्रविष्ट समय निकल जाने के पश्चात् निर्यात रोध पर आवेदन माल सहित प्रस्तुत किया जाता है तो रोध का भारसाधक अधिकारी आवेदन के दूसरी ओर वह समय प्रविष्ट करेंगे जब आवेदन माल सहित प्रस्तुत किया गया और परेषण की बाबत तब तक कोई प्रतिदाय संदेय नहीं होगा जब तक कि निर्यातकर्ता ने उपविधि 51 के उपबंधों के अनुसार माल का पुनः स्थापन न कर लिया हो।

(4) जब खण्ड (2) या खण्ड (3) के उपबंधों के द्वारा अपेक्षित माल का पुनः स्थापन कर लिया जाए तो प्ररूप में लाल स्याही से स्थापन अधिकारी या प्रतिदाय लिपिक द्वारा सभी प्रविष्टियों की जाएंगी।

54. प्रतिदाय का संदाय :—जब उपविधि 53 के खण्ड (2) के उपबंधों के अधीन किसी आवेदन को प्रमाणित कर दिया गया हो और वह माल जिस से आवेदन संबंधित है निर्यात कर लिया गया हो तो निर्यातकर्ता या आवेदन पर प्राधिकृत व्यक्ति जितना संभव हो और किसी भी दशा में उपविधि 52 के उपबंधों के अधीन प्रतिदाय खाते में आवेदन के रजिस्ट्रीकरण की तारीख से 30 दिन के भीतर प्रतिदाय का संदाय प्राप्त करेगा और मुख्य चुंगी कार्यालय में आवेदन देगा तथा साथ में रेल रसीद देगा यदि परेषण का निर्यात रेल द्वारा किया गया है, या यदि ऐसा माल विनश्वर है जैसे मांस, ताजे फल सब्जी या पान या निर्यातकर्ता के साथ व्यक्तिगत सामान के रूप में निर्यात किया गया है तो परेषण के व्यौरों देते हुए लिखित घोषणा देगा।

(2) जब आवेदन खण्ड (1) के उपबंधों के अधीन प्रस्तुत किया जाए तो प्रतिदाय लिपिक उसकी उपविधि 52 के खण्ड (1) के उपबंधों के अधीन प्रतिदाय खाते में उससे संबंधित प्रविष्टियों से जांच पड़ताल करेगा तथा रेल रसीद, यदि कोई हो, की एक प्रति प्ररूप 21 में रखे गए रजिस्टर में लेगा, आवेदन

के दूसरे ओर रिपोर्ट भरेंगे और उस पर हस्ताक्षर करेंगे, आवेदन प्रतिदाय के भारसाधक बोर्ड के अधिकारी या सदस्य के समक्ष रखेंगे जो संदाय के लिए आदेश पारित करेंगे और निर्यातकर्ता या संदाय प्राप्त करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति को प्ररूप में दिए गए स्थान पर रसीद लेगा प्रतिदाय करेगा और आवेदन पर "संदत्" की मोहर लगाएगा तथा रेल रसीद, यदि कोई हो, पर छावनी बोर्ड की मोहर लगा कर लौटा देगा। यदि संबंधित व्यक्ति प्रतिदाय की मंजूरी की तारीख से छह मास की अवधि के भीतर प्रतिदाय लेने के लिए स्वयं हाजिर नहीं होता है तो कोई रकम लौटाई नहीं जाएगी और दावे को व्यपगत समझा जाएगा।

(3) उपखण्ड (2) के उपबंधों के अधीन किए गए प्रत्येक संदाय का व्यौरा, उस क्रम में प्रविष्ट किया जाएगा जिस क्रम में वह प्रतिदाय खाते के स्तंभ 9 से 12 में दिए गए हैं और संदाय की तारीख को मूल प्रविष्ट के सामने खाते के स्तंभ 7 में अभिलिखित किया जाएगा। यदि किसी कारण से दावा की गई पूरी रकम का संदाय नहीं किया गया है तो कम संवत् रकम का पूर्ण संदाय न करने की बाबत टिप्पण अभिलिखित करते हुए स्तंभ 13 में प्रविष्ट किया जाएगा।

(4) जब संदाय किसी निर्यातकर्ता के किसी प्राधिकृत अभिकर्ता को किया जाए तो ऐसे अभिकर्ता से यह अपेक्षा की जाएगी कि वह खण्ड (1) के उपबंधों के अधीन साधारण या विशेष मूस्तरनामा जो उचित रूप से स्टाम्पित हो पेश करेंगे।

(5) यदि आवेदन उपविधि 52 के खण्ड (1) के उपबंधों के अधीन प्रतिदाय खाते में उसके रजिस्ट्रीकरण की तारीख से 30 दिन के भीतर प्रस्तुत नहीं किया जाता है तो उसकी बाबत यह समझा जाएगा कि वह व्यपगत हो गया है और ऐसे माल की बाबत जिस से वह संबंधित है कोई प्रतिदाय संदेय नहीं होगा।

परन्तु यदि आवेदन खो गया है और आवेदन खाने की सूचना प्रतिदाय के भारसाधक बोर्ड के अधिकारी या सदस्य को प्रतिदाय खाते में आवेदन के रजिस्ट्रीकरण की तारीख से 30 दिन के भीतर दे दी जाती है तो प्रतिदाय किया जा सकेगा यदि बोर्ड के ऐसे अधिकारी या सदस्य का उपविधि 53 की उपधारा (2) के उपबंधों के अधीन आवेदन से हटाए गए कूपन और प्रतिदाय के प्रतिनिर्देश से यह समाधान हो जाता है कि वह माल जिससे वह संबंधित है, वास्तविक रूप से निर्यात किया गया है।

परन्तु यह और भी कि यदि ऐसे मामले में कोई प्रतिदाय किया जाए तो प्रतिदाय के मूल की ऐसी प्रतिशतता में तलाशी शुल्क सट्टा करना होगा जैसा कि छावनी बोर्ड नियत करे किन्तु यह शुल्क दो रुपये से कम नहीं होगा और उसे आवेदक को संदेय प्रतिदाय की रकम में से काट कर वसूल किया जा सकेगा।

35. मुख्य चुंगी कार्यालय में कूपन की जांच पड़ताल :—(1) जब उपविधि 53 की धारा (2) के उपबंधों के अधीन भरा गया कूपन मुख्य चुंगी कार्यालय में प्राप्त होगा तो उस पर प्रविष्ट व्यौरों की, यदि वह आवेदन जिन से उन्हें हटाया गया है प्राप्त हो गए हैं, यदि आवेदन प्राप्त नहीं हुए हैं तो उनके प्राप्त होने पर, आवेदनों से जांच पड़ताल की जाएगी और उसके पश्चात् कूपन आवेदन पर चिपका दिए जायेंगे।

(2) खण्ड (1) के उपबंधों के अधीन पड़ताल करने पर जब भी किसी कूपन में प्रविष्ट व्यौरा आवेदन में दिए गए व्यौरों से न मिलता हो या किसी मामले में दावे का संदाय कर दिया

गया हो और उससे संबंधित कूपन रोध से उस समय प्राप्त न हुआ हो जब नकदी पेडियां प्राप्त हों तो प्रतिदाय के भारसाधक बोर्ड के अधिकारी या सदस्य द्वारा तुरन्त विशेष जांच की जाएगी।

56. प्रतिदाय संदाय के जिम्मेवार रखे जाना :—प्रत्येक दिन किए गए प्रतिदाय संदायों का प्ररूप 6 में जिम्मेवार में संकलन किया जाएगा और प्रत्येक संवत् आवेदन को रेखांकित किया जाएगा और विवरण के नीचे दैनिक आनुक्रमिक योग दिया जाएगा।

57. प्रतिदाय खाते का बंद किया जाना :—(1) प्रतिदाय खाता (प्ररूप 20) प्रत्येक मास के अंत में बंद कर दिया जाएगा और उस पर चूंगी अधीक्षक तथा भारसाधक बोर्ड के अधिकारी या सदस्य के हस्ताक्षर होंगे।

(2) खाता बंद करने की पद्धति इस प्रकार होगी :—

(क) स्तंभ 4, 12, और 13 का योग निकाला जाएगा।

(ख) गत मास के स्तंभ 8 में जो कुछ रह गया है उसको भरा जाएगा और उसका योग निकाला जाएगा और उसे चालू मास के स्तंभ 12 और 13 के योग में जोड़ा जाएगा।

(ग) अब तक निकाले गए योग अर्थात् चालू मास के स्तंभ 12 और 13 और गत मास के स्तंभ 8 के कुल योग को चालू मास के स्तंभ 4 के योग घन आरम्भिक अतिशेष में से घटा कर अतिशेष निकाला जाएगा। यह अतिशेष अगले मास का आरम्भिक अतिशेष होगा और प्रत्येक असंवत् प्रतिदाय आवेदन की संस्था और रकम का उल्लेख करते हुए प्रतिदाय खाते में दिया जाएगा और उसका कुल योग अतिशेष से मिलना चाहिए।

58. प्रतिदाय के लिए स्थायी अग्रिम की प्रतिपूर्ति :—(1) जब प्रतिदाय खाता उपविधि 57 में विहित रीति में या किसी ऐसी मध्यवर्ती अवधि में बंद किया जाए, जैसा आवश्यक हो तो स्थायी अग्रिम की छावनी लेखा संहिता, 1924 के प्ररूप 20-ख में किसी बिल पर प्रतिपूर्ति की जाएगी और उसके साथ उस समय ऐसे सभी आवेदन लगे होंगे जिनका उस तारीख तक संदाय किया जा चुका हो। बिल की कुल रकम खाते के स्तंभ 12 में प्रविष्ट उस तारीख तक कुल संदाय के अनुरूप होनी चाहिए। बिल की तारीख और रकम खाते के स्तंभ 15 और 16 में प्रविष्ट की जानी चाहिए और बिल के संग्रह के संबंध में चैक प्राप्त होने पर चैक की सं. और तारीख स्तंभ 17 में प्रविष्ट की जाएगी।

(2) खण्ड (1) के उपबंधों के अधीन संवत् सभी बिल तथा ऐसे बिलों को समर्थन देने वाले सभी आवेदन लेखा परीक्षा के प्रयोजनों के लिए पृथक् रूप से फाइल किए जाएंगे।

59. निर्यातित और पनः आयातित माल के लिए असाधारण पास :—(1) इन उपविधियों में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, यदि कोई व्यक्ति माल निर्यात करना चाहता है और बाद में उसे निर्यात पर प्रतिदाय प्राप्त किए बिना और पनः आयात पर चूंगी संवत् किए बिना पनः आयात करना चाहता है तो वह माल उस मुख्य चूंगी कार्यालय पर ले जाएगा जहाँ इन उपविधियों में संलग्न प्ररूप 22 में उसे एक पास जारी किया

जाएगा। प्रत्येक असाधारण पास के लिए पांच रुपए फीस ली जाएगी।

(2) जब खण्ड (1) के उपबंधों के अधीन पास अभिप्राप्त कर लिया गया हो तो माल का भारसाधक व्यक्ति उन्हें किसी चपरासी के पर्यवेक्षणाधीन यदि संभव हो उस निर्यात रोध तक ले जाएगा जहाँ उन्हें ऐसे समय के भीतर प्रस्तुत किया जाएगा जो छावनी बोर्ड विहित करे किन्तु ऐसा करते समय मुख्य चूंगी कार्यालय से संबंधित रोध तक की दूरी को ध्यान में रखा जाएगा और रोध का भारसाधक अधिकारी यह देखेगा कि यह माल पास में प्रविष्ट व्यौरों से मिलता है और यदि वे ऐसा करते हैं और वह समय जिस तक यह माल प्रस्तुत किया जाना चाहिए, अभी बीता नहीं है तो वह निकास कूपन पर प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करेगा पास माल के भारसाधक व्यक्ति को वापस कर देगा और कूपन मुख्य चूंगी कार्यालय को भेज देगा जहाँ उसे मूल प्रतिपत्नी पर चिपका दिया जाएगा या यदि पास में प्रविष्ट व्यौरों से माल नहीं मिलता है या वह समय जब तक माल प्रस्तुत किया जाना चाहिए, बीत गया है, तो वह विकास कूपन पर हस्ताक्षर करने से इन्कार कर देगा और पास मुख्य चूंगी कार्यालय को लौटा देगा।

(3) उपखण्ड (1) और (2) के उपबंधों के अधीन प्ररूप 22 में किसी पास पर निर्यातित माल पुनः आयात के लिए वापस लाया जाए तो रोध का भारसाधक अधिकारी पास मांगेगा और अपना यह समाधान करेगा कि आयात किए जाने वाली वस्तुएं पास के अंतर्गत आती हैं और यदि वे उसके अंतर्गत आती हैं तो वह पास के दूसरी ओर माल की वापसी का पृथक्करण करेगा और प्रविष्ट कूपन भरेगा और उसे उस मुख्य चूंगी कार्यालय में प्रस्तुत करने के लिए फाइल लेगा जहाँ उसे निकास कूपन के साथ प्रतिपत्नी पर चिपका दिया जाएगा और पास माल के भारसाधक व्यक्ति को लौटा देगा और माल को रोध से जाने देगा और यदि माल पास के अंतर्गत नहीं आता है तो उसके संबंध में ऐसी कार्यवाही करेगा कि माने वह ऐसा मान था जो चूंगी परिसीमाओं के भीतर उपभोग या उपयोग के लिए आशयित घोषित किया गया था।

60. प्रत्येक दिन चराने के लिए ले जाने वाले पशुओं के लिए पास :—

(1) जब जीवित पशु आयात किए जाने पर चूंगी के अधधीन हों तो कोई भी ऐसा व्यक्ति जो ऐसे पशुओं को चराने के लिए चूंगी सीमाओं के बाहर भेजता है उस रोध के भारसाधक अधिकारी को आवेदन दे कर जिस से ऐसे पशु भेजे जाएंगे प्ररूप 23 में पास अभिप्राप्त करेगा और जब ऐसे पशुओं को बाहर ले जाया जाए तो रोध कर कलक्टर पास के पहले तीन स्तंभ भरेगा और वापसी पर उनकी गणना करेगा और यह देखने के पश्चात् कि वह संख्या सबह ले जाए गए पशुओं से मिलती है स्तंभ 4 में अपने हस्ताक्षर करेगा।

(2) प्ररूप 23 में दिए गए पास दैनिक आधार पर एक मास या उससे अधिक के लिए प्रयोग में लाए जाने के लिए आशयित होते हैं और उन्हें मजबूत कागज पर मूद्रित करना होगा तथा उन्हें ऐसे व्यक्तियों के कब्जे में रखा जाएगा जो पशुओं को चराने के लिए जाते हैं।

61. चूंगी अधीक्षक द्वारा चूंगी के निर्धारण के विरुद्ध अपील :—ऐसा कोई भी व्यक्ति जो अपने माल की बाबत संवेद्य

चुंगी के निर्धारण से संतुष्ट न हो और जहाँ ऐसे निर्धारण चुंगी अधीक्षक द्वारा किया गया हो निर्धारित चुंगी को रकम का संघाय करेगा परन्तु ऐसे संघाय की तारीख से सात दिन के भीतर ऐसे निर्धारण के विरुद्ध छावनी बोर्ड को अपील कर सकेगा।

62. शास्ति :—कोई भी व्यक्ति जो इन उपविधियों में से किसी का भंग करेगा, मजिस्ट्रेट द्वारा बोधसिद्धि पर उक्त अधिनियम की धारा 82(1) के अधीन आने वाले मामलों में उसधारा में उपबोधित शास्ति का वादी होगा और अन्य मामलों में 250 रुपए तक के जुर्माने से दण्डनीय होगा।

(प्रमाणिकता :—छावनी बोर्ड संकल्प संख्या।

तारीख 21-5-1990.

आर. एस. श्रीमा

छावनी कार्यपालक अधिकारी

वास्तुकला परिषद

(वास्तुविद अधिनियम 1972 के अन्तर्गत निर्गमित)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 19 नवम्बर 1991

वास्तुकला परिषद (वास्तुविद अधिनियम 1972 के अन्तर्गत निर्गमित) की 31 मार्च, 1991 को समाप्त होने वाले वर्ष अर्थात् 1-4-1990 से 31-3-1991 की वार्षिक रिपोर्ट।

सं० सी०ए० 4/9/91—वास्तुकला परिषद (वास्तुविद अधिनियम, 1972 के अन्तर्गत निर्गमित) 31 मार्च, 1991 को समाप्त होने वाले वर्ष की प्रगति की समीक्षा करते हुए, लेखाओं के लेखा-परीक्षण विवरण के साथ अपना वार्षिक प्रतिवेदन सहित प्रस्तुत करती है।

1. वास्तुकला परिषद

परिषद की दिनांक 20 अप्रैल 1990 को नई दिल्ली में और दिनांक 11 जनवरी, 1991 को उड़ीसा सरकार के निर्माण पर भुवनेश्वर में, दो बैठकें हुई और निम्नलिखित महत्वपूर्ण विषयों पर विचार किया गया/निर्णय किया गया —

1. श्री जे० आर० भल्ला को सर्वसम्मति से परिषद का अध्यक्ष चुना गया।

2. श्री बी० एन० शाह को परिषद का उपाध्यक्ष चुना गया।

3. कार्यकारिणी के निम्नलिखित 5 सदस्य चुने गए —

श्री विजय कुमार माथुर

श्री एम०ए० बजेका

श्री एस० ए० तुंगारे

श्री ए०के० बिसवाल

श्री एम०के० श्रुधि

4. निम्नलिखित सदस्यों का गठन किया गया —

(i) अनुशासनिक समिति

श्री जे०आर० भल्ला

श्री एन०ए० बजेका

श्री एम० के० श्रुधि

(ii) शिक्षा समिति

प्रो० एस०ए० तुंगारे

प्रो० बी०पी० रावरी

प्रो० सी०के० गुप्ता

प्रो० मानसिंह एम० राणा

प्रो० ए० मोहम्मद हारिस

प्रो० एस० दत्ता

श्री आर० एल० मल्होत्रा

श्री अखतर एम० चौहान

(iii) परामर्श समिति (अपील)

श्री बी०एन० शाह

श्री पी०पी० धारवाडकर

श्री ओ०पी० मेहता

(iv) दाखिला समिति

श्री एम० के० श्रुधि

श्री एन० हेम्बराम

5. परिषद के 31 मार्च 1990 को समाप्त होने वाले वर्ष के लेखाओं के लेखों के परीक्षण विवरण और वार्षिक प्रतिवेदन (रिपोर्ट) को अनुमोदित किया गया।

6. शिक्षा समिति की उपसमिति द्वारा संशोधित वास्तु-शिल्प शिक्षा के न्यूनतम मानक पर प्रलेख को अनुमोदित किया गया।

7. महानगरों में वास्तुकला व्यवसाय की प्रैक्टिस से संबंधित विकास के नियमों पर विस्तृत रूप से विचारविमर्श करने के लिए श्री जे०आर० भल्ला, अध्यक्ष, सर्वश्री एम० के० श्रुधि, श्री आर०एल० मल्होत्रा, श्री ए०के० बिसवाल श्री पी०बी० थोमस पणिकर के तत्वावधान में एक तकनीकी समिति का गठन किया गया।

8. मसर्स रवि के० टंडन के श्री रवि के० टंडन चार्टर्ड एकाउण्टेन्ट, 2327, धर्मपुरा, दिल्ली को परिषद के वर्ष 1990-91 के लेखों के परीक्षण के लिए 2000 रु० लेखा-परीक्षा शुल्क पर लेखा परीक्षा नियुक्त किया गया।

9. श्री अशोक यादव, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी, हुडको, नई दिल्ली को शर्तों और प्रतिबंधों के साथ एक साल के लिए प्रतिनियुक्ति के आधार पर रुपये 3700-125-4700-150-5000 के बेतकमान पर रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया।

10. परामर्श समिति (अपील) के प्रतिवेदन (रिपोर्ट) को मान लिया गया और स्वीकार कर लिया गया है।

11. परिषद और उसकी समितियों की बैठकों में शामिल होने के लिए व्यावसायिक निकायों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्यों को प्रथम श्रेणी/वा.क. 'टू टीयर स्लीपर' के रेल भाड़े में यात्रा भत्ता और महंगाई के भुगतान को परिसीमित करने का निर्णय लिया गया।

12 एक सी.ए. समाचार पत्रिका के आवधिक प्रकाशन का निर्णय लिया गया जिसमें विशेष रूप से परिषद की मुख्य गतिविधियों का प्रकाशन हो सके। इसके लिए परिषद के सदस्यों से अंशदान और सहयोग की अपील की गई।

11. कार्यकारिणी

परिषद की कार्यकारिणी की दिनांक 20-4-1990, 19-5-1990 और 26-11-1990 को नई दिल्ली में 23-6-1990 को लखनऊ में, दिनांक 11-1-1991 को भुवनेश्वर में और दिनांक 15 मार्च 1991 को बम्बई में बैठकें हुई। समिति ने नीचे लिखे विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया और परिषद के निर्णयों के लिए उन पर आवश्यकता अनुसार संस्तुतियों प्रस्तुत कीं :—

1. वर्ष 1990-91 के लिए अनुमानित बजट संस्तुत किया गया।

4. परिषद के काम को जारी रखते हुए, क्षेत्र में सभी सुविधाओं के प्रयोगार्थ और सुलभता के लिए, भारतीय वास्तुविद संस्थान के उत्तरी खंड को प्रतिवर्ष 1000 रुपये की राशि अनुमोदित की गई।

3. राजकीय वास्तुकला महाविद्यालय, लखनऊ में जिन छात्रों ने तीसरी और चौथी श्रेणियों में प्रशिक्षण प्राप्त किया था और जिन्हें लखनऊ विश्वविद्यालय ने वास्तुकला स्नातक डिग्री दे दी है उन्हें रजिस्ट्र करने के लिए परिषद से संस्तुति करना।

4. भारत के वास्तुकला विद्यालयों के निरीक्षणों में दिए गए प्रतिवेदनों पर विचार किया गया।

5. वास्तुकला परिषद और ए आई सी टी ई के वास्तुकला शिक्षा से संबंधित मामलों के उन सभी कामों को आगे बढ़ाने के लिए किए जा रहे समझौते के आपन की जानकारी प्राप्त करना जिसकी दोनों अधिनियमों में व्यवस्था है।

6. हुडको के नियम और शर्तों पर परिषद से श्री अशोक यादव को रजिस्ट्रार के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त करने की सिफारिश की गई।

7. बम्बई में वास्तुकला शिक्षा पर एक कार्यशाला आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

8. भारतीय वास्तुविद संस्थान की (परीक्षा द्वारा) सहयोगी सदस्यता को मूल्यांकन के आधार पर

मान्यता प्राप्त भारतीय विश्वविद्यालय की वास्तुकला स्नातक डिग्री के समकक्ष मान्यता देते हुए उसे केन्द्रीय सरकार के अधीन उच्च पदों और सेवाओं की भर्ती के लिए पात्रता दिए जाने के विषय में उप समिति की रिपोर्ट पर विचार किया गया।

9. श्री के.वी. नारायण आयंगर को जो 31 दिसम्बर 1990 (अप.) को सेवा निवृत्त हो गए थे, दिनांक 1-1-1991 से छह महीने के लिए प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पुनर्नियुक्त किया गया।

10. बम्बई के सर जे. जे. वास्तुकला कालेज को बम्बई में वास्तुकला शिक्षा की कार्यशाला के व्यय को पूरा करने के लिए 5000 रुपये तदर्थ अनुदान देने का निर्णय किया गया।

11. वास्तुकला परिषद की समाचार पत्रिका के लिए सुश्री जे.आर. भल्ला, एन.ए. वधवा, एम.एन. जोगलेकर की सदस्यता वाली एक संपादकीय बैठक की संस्थापना की गई।

12. सुश्री के.वी. नारायण आयंगर और विनोद कुमार की पिछली सेवाओं को सेवा निवृत्त के लाभ के लिए योजना तथा वास्तुकला विद्यालय में सम्मिलित करने का प्रस्ताव पास किया गया।

13. वर्ष 1991-92 के लिए अनुमानित बजट (आवर्ती रु. 13,35,000/- और अनावर्ती रु. 3,50,000/-) प्रस्तुत किया गया।

14. सर्वश्री वी.एन. शाह, एम.के. ऋषि, ए. के. बिसवाल की सदस्यता की एक विभागीय पदोन्नति समिति का गठन किया गया।

III. अनुशासन समिति

16 मार्च, 1991 को अनुशासन समिति की बम्बई में एक बैठक हुई। इस बैठक में समिति ने विस्तृत जांच के लिए परिषद द्वारा भेजे गए 9 मामलों पर विचार किया। परिषद को अनुशासन समिति द्वारा जांच/सुनवाई जारी रहेगी क्योंकि इसकी सुनवाई के दौरान वास्तुविदों ने कानूनी मुद्दों पर कुछ दलीलें प्रस्तुत की थी।

IV. परामर्श समिति (अपील)

परामर्श समिति (अपील) की दिनांक 27 नवम्बर 1990 को नई दिल्ली में एक बैठक हुई और इसमें 25 उपस्थित और अनुपस्थित सदस्यों की अपील पर विचार किया गया। समिति (अपील) की रिपोर्ट परिषद की दिनांक 11 जनवरी, 1991 को भुवनेश्वर में हुई। बैठक में विचारार्थ प्रस्तुत की गई थी।

V. पंजीकरण

आलोच्य वर्ष के दौरान परिषद को 897 प्रार्थना-पत्र प्राप्त हुए। वास्तुविद नियम 1972 की धारा 25(क)

के अन्तर्गत 868 प्रार्थना पत्र और धारा 25(ख) के अन्तर्गत 29 प्रार्थना-पत्र प्राप्त हुए। धारा 25(क) के अन्तर्गत 801 व्यक्तियों को और धारा 25(ख) के अन्तर्गत 4 व्यक्तियों को पंजीकृत कर लिया गया। 19 प्रार्थना-पत्र अस्वीकृत कर दिए गए थे क्योंकि इन प्रार्थना-पत्रों को न तो धारा 25(क) के अन्तर्गत उपयुक्त पाया गया और न धारा 25(ख) के शेष प्रार्थना-पत्र छानबीन की विभिन्न अवस्थाओं में हैं। वर्ष के दौरान जो 805 व्यक्ति पंजीकृत हुए, उन सबको पंजीकरण के मूल प्रमाण-पत्र जारी कर दिए गए थे। दिनांक 31-3-91 को पंजीकृत वास्तुविदों की कुल संख्या 13810 है।

VI. नवीकरण/बहाली

परिषद के पंजीकृत वास्तुविदों से वास्तुविद रजिस्टर में अपना नाम बनाए रखने के लिए नवीकरण शुल्क की अच्छी राशि प्राप्त हुई। परिषद को परिषद के पंजीकृत वास्तुविदों से नवीकरण-शुल्क अग्रिम भी प्राप्त हुआ।

परिषद ने बम्बई और उसके आस-पास के वास्तुविदों से नवीकरण शुल्क और अन्य शुल्कों को जमा करने के लिए दिनांक 31-3-91 को बम्बई में व्यवस्था की।

VII. भवन निधि

परिषद अब तक अपने ही संसाधनों से भवन निर्माण के लिए 26 लाख रुपये एकत्र कर सकी है। इसके अतिरिक्त 8, 19, 511.80 रु० भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में व्यावसायिक फ्लैट के लिए दि० वि० प्रा० को दिए गए और 13 लाख रुपये लोदी रोड, नई दिल्ली में कार्यालय के स्थान के लिए इन्डिया हेबीटेड सेक्टर को दिए गए। शेष 7 लाख रुपये का भुगतान मांग किए जाने पर मूल्य में वृद्धि की स्थिति में किया जाएगा। भीका जी कामा प्लेस में परिषद द्वारा अभिगृहीत कमिशनल फ्लैट अभी दि० वि० प्रा० से लिया जाना है। परिषद को

1,44,619.70 रुपये की अन्तिम किस्त का भुगतान करना है। इससे अधिक रकम यदि दि० वि० प्रा० द्वारा मांगे तो उसका भी भुगतान किया जाएगा। इन्डिया हेबीटेड सेक्टर, लोदी रोड में कार्यालय स्थल जून 1992 तक पूरा हो जाने की उम्मीद है।

VIII. वित्त व्यवस्था

परिषद को अभी भारत सरकार के ब्याज मुक्त ऋण के 1,50,000 रुपये के ऋण का भुगतान करना है।

IX. मृत्यु के कारण नामों का हटाया जाना।

आलोच्य वर्ष के दौरान दिवंगत हुए निम्न वास्तुविदों का उल्लेख करते हुए परिषद को गहरा शोक है :—

वास्तुविद का नाम	रजिस्ट्रेशन संख्या
मर्वशी	
1. टी०बी०सी०के० वल्लाल	सीए/75/1125
2. एम० जी० जार्ज	सीए/75/22
3. के० नारायणन्	सीए/75/1108
4. याहा सी० मर्चेस्ट	सीए/75/2471
5. एन०सी० साइकिया	सीए/77/3780
6. सुनील चौधरी	सीए/83/7931
7. पी० पी० मंगले	सीए/84/7961

X. वास्तुकला विद्यालय का निरीक्षण

परिषद की कार्यकारिणी द्वारा नियुक्त की गई विशेषज्ञों की समिति/क्षेत्रीय सलाहकार समिति ने आलोच्य वर्ष के दौरान निम्नलिखित संस्थाओं का निरीक्षण किया। इन समितियों की रिपोर्टें आवश्यक सुधार की कार्यवाही के लिए संबंधित सिफारिशों के साथ संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर दी गई। रिपोर्टें कार्यकारिणी के सदस्यों को भी भेजी गई :—

संस्थाओं का नाम		निरीक्षण की तिथि	विशेषज्ञों के नाम
1	2	3	4
1.	राजकीय वास्तुकला कालेज, लखनऊ	22-6-1990 व 23-6-1990	कार्यकारिणी के सभी सदस्य
2.	इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी कालेज, भुवनेश्वर	2-7-1990 व 3-7-1990	श्री ए० के० बिसवाल श्री एस० दत्ता
3.	मालवीय क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कालेज, जयपुर	7-8-1990 व 8-8-1990	प्रो० बी० पी० रावरी प्रो० एस० ए० तुगारे
4.	टी० बी० बी० स्कूल आफ हेबीटेड, स्टडीज, बसंतकुंज, नई दिल्ली	24-8-1990	प्रो० बी० पी० रावरी श्री डी० डी० माथुर प्रो० के० सीतारामुला श्री जसवीर सचदेव तकनीकी शिक्षा निदेशक, नई दिल्ली, ए० आई० सी० टी० ई० की ओर से।

1	2	3	4
5.	एम० एम० एम० कालेज आफ आर्किटेक्चर, पुणे	7-9-1990 व 8-9-1990	प्रो० एम० ए० तुंगारे प्रो० कुलभूषण जैन
6.	वास्तुकला विभाग गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर	21-9-1991 व 22-9-1990	प्रो० एम० आर० अग्निहोत्री प्रो० एम० एस० भाटी
7.	प्रिंस शिवाजी मराठा वास्तुकला कालेज, कोल्हापुर	8-10-1990 व 9-10-1990	प्रो० एस० ए० तुंगारे प्रो० एस० वाई० मदान श्री सी० एन० राघवेन्द्रन
8.	बी० वी० भूमराइडी इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी कालेज, हवेली	31-1-1991	प्रो० एस० ए० तुंगारे प्रो० एस० वाई० मदान श्री सी० एन० राघवेन्द्रन
9.	जे० एल० एन० इंजीनियरिंग कालेज, औरंगाबाद	14-2-1991	प्रो० एस० ए० तुंगारे प्रो० कुलभूषण जैन
10.	मराठवाडा टेक्नोलॉजी संस्थान, औरंगाबाद	15-2-1991	—वही—
11.	इंजीनियरिंग व टेक्नोलॉजी कालेज, अकोला	15-2-1991	प्रो० एस० ए० तुंगारे प्रो० वी० आर० सरदेसाई
12.	एम० पी० इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी संस्थान, गोंडिया	4-3-1991	प्रो० एस० ए० तुंगारे
13.	गोवा वास्तुकला कालेज, गोवा	8-3-1991 व 9-3-1991	प्रो० कुलभूषण जैन श्री एस० एच० वान्देकर
14.	डी० सी० पटेल वास्तुकला स्कूल, वल्लभ विद्यानगर, (गुजरात)	15-3-1991 व 16-3-1991	श्री रणजीत साबिकी श्री हसमुख पटेल

xi. बम्बई में आयोजित वास्तुकला शिक्षा कार्यशाला

परिषद ने 14 और 15 मार्च 1991 को सर जे० जे० वास्तुकला कालेज, बम्बई के सहयोग से इन्दिरा गांधी इंस्टिट्यूट आफ डेवलपमेंट गोरेगांव, बम्बई में वास्तुकला शिक्षा पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। भारत के वास्तुकला विद्यालयों के सभी अध्यक्ष इस कार्यशाला में भाग लेने के लिए आमंत्रित थे। अध्यक्ष की अनुपलब्धि में विद्यालयों के वरिष्ठ संवस्य ने भाग लिया। परिषद की कार्यकारिणी और शिक्षा समिति के सदस्य भी कार्यशाला में उपस्थित थे। उक्त कार्यशाला की सभी व्यवस्थाओं के लिए कार्यकारिणी के संवस्य, प्रो० एम० एस० तुंगारे, प्रिंसिपल सर जे० जे० वास्तुकला कालेज, बम्बई विशेष रूप से धन्यवाद के पात्र थे।

xii. विविध

परिषद ने वास्तुविदों की नियुक्तियों, नौकरी की शर्तों, शुल्क मान निर्धारण इत्यादि के संदर्भ में व्यक्तिगत, सरकारी और अर्ध सरकारी संगठनों के प्राहकों द्वारा बड़ी संख्या में की गई पूछताछ का समाधान करती रहती है। परिषद ने सार्वजनिक उद्यमों और अन्य संगठनों का ध्यान इस ओर

श्रीचा कि जब कभी वास्तुविदों को प्रतियोगिताओं में डिजाइन प्रस्तुत करने या बन्द लिफाफों में टेंडर प्रस्तुत करने के लिए कहा जाए तो वे वास्तुकला परिषद द्वारा निर्धारित प्रतियोगिता नियमों के मार्गदर्शक सिद्धांतों का पालन करें।

स्थान और अन्य सुविधाओं की कमी होने पर भी वास्तुकला परिषद का कार्यालय भारतीय वास्तुविद संस्थान के उत्तर खण्ड के भवन में कार्य कर रहा है। क्योंकि इसके लिए उपयुक्त आवास अभी निर्माणाधीन है।

परिषद की समितियों की बैठकों के लिए अपनी सुविधाएं अर्पित करने के लिए परिषद निम्नलिखित संगठनों की आभारी है :

1. योजना और वास्तुकला विद्यालय, नई दिल्ली
2. सर जे० जे० वास्तुकला कालेज, बम्बई
3. भारतीय वास्तुविद संस्थान, बम्बई
4. पी० ई० ए० टी० ए० बम्बई
5. उड़ीसा सरकार, भुवनेश्वर
6. आवास और शहरी विकास निगम, नई दिल्ली

7. मैसर्स स्टार्डिन, दोषी और भल्ला, नई दिल्ली
8. भारतीय वास्तुविद संस्थान (उत्तरी खण्ड), नई दिल्ली
9. इन्दिरा गांधी विकास संस्थान, गोरेगांव, बम्बई

परिषद उन सभी निरीक्षित वास्तुकला विद्यालयों की आभारी है जिन्होंने आलोच्य वर्ष के निरीक्षण के दौरान में अपना पूरा-पूरा सहयोग दिया। परिषद उन विशेषज्ञों की भी आभारी है जिन्होंने इस वर्ष के दौरान वास्तुकला विद्यालयों का निरीक्षण किया।

परिषद अपने सेवा-निवृत्त होने वाले सदस्यों और अपनी समितियों/उप समितियों का, तथा ठीक इसी तरह आमंत्रित विशिष्ट महानुभावों को अपने कार्यकाल के दौरान मूल्यवान अंशदान और सहयोग देने के लिए धन्यवाद देती है।

परिषद भारतीय वास्तुविद संस्थान, नई दिल्ली के उत्तरी खण्ड के प्रति अपनी धन्यवाद व्यक्त करती है, विशेषकर आलोच्य वर्ष के दौरान परिषद को अपने परिसर में कार्य करने की अनुमति देने के लिए।

परिषद श्री के० वी० एन० आयंगर की सेवाओं की सराहना करती है। उन्होंने शुरू से और अपनी सेवा-निवृत्ति की तिथि 31 दिसम्बर, 1990 तक परिषद के प्रशासनिक अधिकारी और कार्यकारी रजिस्ट्रार के रूप में अपनी सेवाएं परिषद को अर्पित की। परिषद स्टाफ के सदस्यों के सहयोग के लिए उनको भी धन्यवाद देती है।

परिषद, आलोच्य वर्ष के हिसाब की लेखा परीक्षा में सहायता देने के लिए मैसर्स रवि के० टंडन, चार्टर्ड लेखाकार को भी धन्यवाद देती है।

अशोक के० यादव,
रजिस्ट्रार

वास्तुकला परिषद

(वास्तुकला अधिनियम, 1972 के अन्तर्गत नियमित)

1-4-90 से 31-3-91 की अवधि के लिए वास्तुविद परिषद और उसकी समितियों के सदस्य

1. श्री जे० आर० भल्ला, अध्यक्ष
2. श्री बी० एन० शाह, उपाध्यक्ष

भारतीय वास्तुविद संस्थान के नियम अनुभाग 3 धारा (क) के अन्तर्गत निर्वाचित सदस्य

3. श्री बाई० एस० किनी
4. श्री एस० ए० देजपांडे
5. श्री ए० एम० चौहान
6. श्री सी० के० गुमास्ते
7. श्री एन० ए० बघेका

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा नियम के अनुच्छेद 3, उप अनुच्छेद (3) धारा (ख) के अन्तर्गत नामित सदस्य

8. श्री चार्लेस एम० कोरिया

भारत के वास्तुशिल्पीय संस्थानों के प्रमुखों द्वारा नियम के अनुच्छेद 3, उप अनुच्छेद (3) धारा (ग) के अन्तर्गत निर्वाचित सदस्य

9. प्रो० एस० ए० तंगारे
10. श्री गुरुनाथ घालवी
11. प्रो० ई० एफ० एम० रिबाइरो
12. प्रो० एम० एम० राणा
13. प्रो० एस० एस० भाटी

नियम के अनुच्छेद 3 के उप अनुच्छेद (3) धारा (घ) के अन्तर्गत पदेन सदस्य

14. श्री एम० के० ऋषि
15. श्री एन० हेम्बराम

नियम के अनुच्छेद 3 उप अनुच्छेद (3) धारा (ङ) के अन्तर्गत नामित सदस्य

16. डा० के० गुरेपालन

नियम 3 के अनुच्छेद (3) उप अनुच्छेद (3) धारा (च) के अन्तर्गत राज्य सरकारों द्वारा नामित सदस्य

17. श्री एस० जे० ऊनवाला, गुजरात
18. श्री पी० बी० थोमस पणिकर, केरल
19. श्री एस० आर० वैद्य, महाराष्ट्र
20. श्री हृदय कौल, जम्मू-काश्मीर
21. श्री एम० जांगो, नागालैण्ड
22. श्री एम० वेंकटस्वामी, कर्नाटक
23. श्री पी० के० राहुतेकर, मध्य प्रदेश
24. श्री बी० के० माथुर, राजस्थान
25. श्री आर० बी० वर्मा, बिहार
26. श्री एल० भांगी सिंह, मणिपुर
27. श्री ए० के० बिसवाल, उड़ीसा
28. श्री आर० एल० मल्होत्रा, पंजाब
29. श्री एस० मुश्तेसन, तमिलनाडु
30. श्री ए० चक्रवर्ती, त्रिपुरा
31. श्री जी० के० कौड़ा, अरुणाचल प्रदेश
32. श्री ए० पी० त्यागी, उत्तर प्रदेश
33. श्री आर० के० बनर्जी, पश्चिमी बंगाल
34. श्री बी० एस० बुगल, संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली
35. श्री एस० जी० टोनी, गोवा
36. श्री ए० के० घोष, मिजोरम
37. श्री एम० टी० मेशराम, अंडमान निकोबार द्वीप समूह
38. श्री ओ०पी० मेहता, चंडीगढ़ प्रशासन

39. श्री बी० पी० फलहोत्रा, हिमाचल प्रदेश

40. श्रीमति अनिता दत्ता (8-2-91 से), आसाम

नियम के अनुच्छेद 3, उप अनुच्छेद (3) की धारा (छ) के अन्तर्गत नामित सदस्य

41. श्री पी०पी० धारवाड़कर

42. श्री टी०एन० सुब्बाराउ

नियम के अनुच्छेद 3, उप अनुच्छेद (3) की धारा (ज) के अन्तर्गत आने वाले सदस्य

43. श्री जे०पी० बजाज (13-9-90 तक)

44. श्री मेज० जन० बसन्त भस्तिक (14-9-90 से)

कार्यकारिणी समिति के सदस्य

1. श्री जे०आर० भल्ला, नई दिल्ली, अध्यक्ष
2. श्री वी०एन० शाह, चण्डीगढ़, उपाध्यक्ष
3. श्री विजय कुमार माथुर, जयपुर
4. प्रो० एस०ए० तुंगडे, बम्बई
5. श्री एन०ए० बढेका, बम्बई
6. श्री ए०के० विद्याल, भुवनेश्वर
7. श्री एम० के० श्रृषि, नई दिल्ली

परिषद की शिक्षा समिति के सदस्य

1. श्री जे०आर० भल्ला, नई दिल्ली
2. श्री वी० एन० शाह, चण्डीगढ़
3. प्रो० ए० मोहम्मद हरिस, बम्बई
4. प्रो० एम० एम० तुंगडे, बम्बई
5. प्रो० वी० पी० रावेरो, नई दिल्ली
6. प्रो० सी० के० गुमास्ते, बम्बई
7. प्रो० नानसिंह एम० राणा, नई दिल्ली
8. प्रो० एस० दत्ता, खड़गपुर
9. श्री आर० एल० मलहोत्रा, चण्डीगढ़
10. श्री अश्वतर एम० चौहान, बम्बई

वास्तुकला परिषद की अनुशासनिक समिति के सदस्य

1. श्री जे० आर० भल्ला, नई दिल्ली
2. श्री एन० ए० बढेका, बम्बई
3. श्री एम० के० श्रृषि, नई दिल्ली

वास्तुकला परिषद की सलाहकार समिति (पुनरावेदन) के सदस्य

1. श्री वी० एन० शाह, चण्डीगढ़
2. श्री पी० पी० धारवाड़कर, नई दिल्ली
3. श्री प्रो० पी० मेहता, चण्डीगढ़

प्रवेश समिति के सदस्य

1. श्री एम० के० श्रृषि, नई दिल्ली
 2. श्री एन० हेम्बराम, नई दिल्ली
- रवि के० टंडन एंड कं.
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

हमने 31 मार्च 1991 को वास्तुकला परिषद, 8 बी०, शंकर मार्केट, कनाट सर्कस, नई दिल्ली के संलग्न तुलन-पत्र की लेखा-परीक्षा कर ली है और हमने 31 मार्च 1991 को समाप्त होने वाले वर्ष के आय-व्यय के विवरण की हमें प्रस्तुत की गई लेखा-बहियों और वाउचरों के आधार पर जांच कर ली है और हम यह रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं :—

(i) हमने, अपनी अधिकतम जानकारी और विश्वास से जो लेखा-परीक्षा के काम के लिए आवश्यक थी, सभी सूचनाओं और स्पष्टीकरणों को प्राप्त कर लिया है।

(ii) हमारे विचार से परिषद ने कानून के अनुसार लेखा-बहियां बना कर रखी हैं, जैसा कि हमें उनकी बहियों की जांच से स्पष्ट हुआ है।

(iii) रिपोर्ट में सम्बद्ध तुलन-पत्र और आय-व्यय का लेखा, लेखा-बहियों के अनुरूप है।

(iv) हमारे विचार से और हमें प्राप्त स्पष्टीकरणों के आधार पर हमारी अधिकतम सूचना के अनुसार लेखाओं का उक्त विवरण नीचे लिखे विषयों पर सही और सच्ची जानकारी प्रस्तुत करता है :—

(क) तुलन-पत्र के मामले की, परिषद के मामलों की 31 मार्च, 1991 की स्थिति।

(ख) आय-व्यय लेखे के मामले में उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय की व्यय से अधिकता।

स्थान : दिल्ली

दिनांक : 14-8-91

रवि के० टंडन एंड कं०

चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स

ह/-

रवि के० टंडन

प्रोप०

रवि के० टंडन एंड कं०

चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स

वास्तुकला परिषद

(वास्तुविद नियम, 1972 के अन्तर्गत निर्गमित)

31 मार्च 1991 के लेखा विवरण के ग्रंथ के रूप में

लेखा-टिप्पणियां

1. गत वर्ष के आंकड़ों को आवश्यकतानुसार पुनर्वर्गीकृत और पुनर्व्यवस्थित कर लिया गया है।
2. लेखा बहियों का रख-रखाव मुख्यतः पावती के आधार पर किया गया है।
3. विचाराधीन वर्ष के दौरान सामान्य रिजर्व से 5,00,000-की राशि भवन कोष के लिए इंडिया हैबीटेट सेन्टर, लोधी रोड, नई दिल्ली को दे दी गई। आज की तिथि

उक्त कुल 20,00,000 रुपये की राशि दी जा चुकी है।

4. विचाराधीन वर्ष के अन्तर्गत 8715 रुपये के ग्रेच्युटी प्रावधान को आय और व्यय के नामे डाला गया है। इसमें श्री के० वी० एन० आयर, स्वतन्त्र रजिस्ट्रार की 2,125/ रुपये की ग्रेच्युटी की वह राशि भी सम्मिलित है जिसे लेखा-बहियों में दो बार दिखाया गया है। फिर भी उन्हें बाकी ग्रेच्युटी के भुगतान के समय वास्तविक राशि का भुगतान किया है। खर्च से आय की बढोत्तरी के खाते में, जैसा कि आय और व्यय लेखा में दिखाया गया है, 2125/ रुपये कम दिखाए गए हैं।

5. परिषद के सदस्यों से बिना किसी विवरण के 100 रुपये की राशि प्राप्त हुई। इसलिए इस आय

और व्यय लेखे 'अन्य मुक्त' शीर्ष के अन्तर्गत जमा किया गया है। लेखा-बहियों में उचित रूप में दिखाया गया है।

परिषद के लिए और उसकी ओर से

कृते रवि के० टंडन एंड क०
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स

ह०/-
(ज० आर० भट्टा)
अध्यक्ष

ह०/-
(अशोक यादव)
रजिस्ट्रार

ह०/-
रवि के० टंडन
प्रो०

दिनांक: 14-8-91
स्थान: दिल्ली

वास्तुविद परिषद

(वास्तुविद अधिनियम, 1972 के अन्तर्गत नियमित)

बचत पत्र 31 मार्च, 1991 तक

पिछला वर्ष	देयताएं	राशि	पिछला वर्ष	परिसम्पत्ति	राशि
	सामान्य रिजर्व		26202.25	निश्चित परिसंपत्ति निवेश	22345.25
833669.06	1-4-90 को लेख जोड़: व्यय में आय की बढोत्तरी	833669.06 816080.30 <hr/> 1649749.36	819511.80	(i) भवन (आवंटित) मंडम श्रीकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली में अन्तर्गत—डी० डी० ए० के एस० एफ० एस० (गत वर्ष की तरह)	819511.80
	भटाएं: राशि स्वतन्त्ररित की गई		900000.00	(ii) भवन (आवंटित) इण्डिया हेवीट्रेड सेंटर, लोदी रोड, नई दिल्ली में	900000.00
	(i) भवन कोष इण्डिया हेवीट्रेड सेंटर	5000000.00		बोर्डे: वर्ष ० वृद्धियां	400000.00
	(ii) भवन कोष—मंडम श्रीकाजी कामा प्लेस	<hr/> 500000.00	1234155.45	नियत जमा रसीदे	1234155.45
		<hr/> 1149749.36	10823.34	ऋण और अग्रिम	10704.64

भवन कोष		नकद और बैंक लेख	
1100000.00	मैडम भीकाजी कामा प्लेस- 1-4-90 को 1100000.00	100.00	हाथ नकद —
	जोड़े: वर्ष भर में अन्तरित — 1100000.00	429981.40	एस० बी० आई० मुख्य खाता—सी०/ए 22/65334 913961.90
	इण्डिया हेवीवेट सेंटर, लोदी, रोड, नई दिल्ली 1-4-90 को 1500000.00	173199.44	सिटीकेट बैंक, सुपर बाजार खाता सी०/ए० 3370 109374.94
	जोड़े: वर्ष भर में अन्तरित 500000.00 2000000.00		
150000.00	भारत सरकार से ऋण (गत एक वर्ष की भांति) अन्य देयतायें 150000.00		
10304.62	सेमिनार—प्रयुक्त (गत वर्ष की भांति) 10304.62		
3593973.68	4410053.98	3593973.68	4410053.98

टिप्पणियाँ: लेखाओं पर टिप्पणियाँ लेखाओं के विवरण के अंश के रूप में हैं। परिवर्तन के लिये और उसकी ओर से।

दिनांक: 14 अगस्त, 1991

स्थान: दिल्ली

ह०/-
(जे० नार० भट्टा)
अध्यक्ष

ह०/-
(अशोक यादव)
रजिस्ट्रार

कृते रवि के० टन्धन एण्ड के०
ह०/-
(रवि के० टन्धन,
प्रोप०)

31 मार्च, 1991 को समाप्त वर्ष का आय-व्यय लेखा

पिछला वर्ष	व्यय	राशि	पिछला वर्ष	आय	राशि
373684.00	वेतन और स्थापना हेतु	473144.00	136868.50	शुल्क प्राप्त से	
6303.00	प्रेच्युटी व्यवस्थाएँ	8715.00		रजि० शुल्क (निवल)	178450.00
15847.44	मुद्रण और लेखन सामग्री	26994.00		नवीकरण शुल्क (निवल)	1005625.00
40000.00	प्रकाशन प्रभार	—		बहाली शुल्क (निवल)	194480.00
301571.00	अधिसूचना प्रभार	17743.00			
22670.00	डाक व्यय (नेट)	56237.75			
22865.00	यात्रा भत्ता (एल० टी० सी० सहित)	37494.00			
4698.40	वाहन किराया प्रभार	5256.50		अतिरिक्त रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र शुल्क (निवल)	4360.00
14748.00	टेलीफोन व्यय (नेट)	19454.84		अतिरिक्त योग्यता शुल्क	60.00
364.80	सफाई उपकरण	212.90		अन्य शुल्क—लेखाओं पर टिप्पण के अनुसार	100.00
516.75	स्वरूपाहार प्रभार	2316.46			1383075.00
385.35	बर्दी	—			
1811.20	बिजली प्रभार	1566.00			
455.50	बिजली का सामान	779.50	13550.00	प्रकाशनों की बिक्री	7125.00
770.00	गर्म और शीतल जल प्रभार	622.50	124341.85	एफ० डी० वार० का व्याज	123415.50
1421.45	अन्य खर्च (निवल)	2122.63			
5000.00	किराया	10000.00	429.90	बैंक कमीशन (निवल)	203.50
11849.00	कानूनी खर्च	3095.00			
1650.00	नेखा-परीक्षा शुल्क	1650.00			
1651.00	कार्यालय पुस्तकें और पत्रिकाएँ				
	समाचार पत्र और पत्रिकाएँ	1722.50			
	कार्यालय पुस्तकें	331.00	2054.30		
3460.00	सरम्मत और अनुरक्षण	1850.20			
5134.00	सेमिनार खर्च—वास्तुशिल्पीय शिक्षा पर कार्यशाला	5000.00			
45106.00	आयकर—ए० बी० 1991-92	44027.00			
8925.87	मूल्य ह्रास—				
	उपकरण	5157.00			
	सज्जा सामग्री	1336.00	6493.00		
616114.59	आय की व्यय से अधिकता सामान्य रिजर्व	816080.30			
1507003.25		1513819.00	1507003.25		1513819.00

परिचय के लिये और उसकी ओर से

ह०/—

(जे० वार० मल्ला)
अध्यक्ष

ह०/—

(अशोक मादव)
रजिस्ट्रारदिनांक: 14-8-91
स्थान: दिल्लीइसी तिथि की हमारी पृथक रिपोर्ट के अनुसार
कृते रवि के टप्पन एण्ड कं०
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्सह०/—
(रवि के० टप्पन)
प्रोप०

रवि के० टंडन एंड कं०
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स

लेखा-परीक्षक की रिपोर्ट

हमें प्रस्तुत की गई लेखा-बहियों और वाउचरों के आधार पर, हमने वास्तुकला परिषद भविष्य निधि अंशदान खाता, 8-बी०, अंकर मार्केट, कनाट सर्कस, नई दिल्ली के संलग्न तुलन-पत्र की लेखा परीक्षा कर ली है और हम यह रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं :—

- (1) हमने, अपनी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार लेखा-परीक्षा के काम के लिए जो आवश्यक थी उन सभी सूचनाओं और स्पष्टीकरणों की प्राप्त कर लिया है।
- (2) हमारे विचार से वास्तुकला परिषद भविष्य निधि अंशदान खाता ने कानून के अनुसार लेखा बहियां

बना कर रखी हैं जैसा कि हमें उनकी बहियों की जांच से स्पष्ट हुआ है।

(3) तुलन-पत्र लेखा बहियों के अनुरूप है, और

(4) हमारे विचार से हमें प्राप्त स्पष्टीकरणों के आधार पर हमारी अधिकतम सूचना के अनुसार 31 मार्च, 1991 के तुलन-पत्र में उल्लिखित कार्य-स्थिति से संबंधित लेखा विवरण सही और सत्य है।

दिनांक : 14-8-91
स्थान : दिल्ली

कृते रवि के० टंडन एंड कं०
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स

ह०/-
(रवि के० टंडन)
प्रोप०

वास्तुकला परिषद
(वास्तुविद अधिनियम, 1972 के अन्तर्गत निर्गमित)
31 मार्च, 1991 को अंशदानी भविष्य निधि तुलन-पत्र

पिछला वर्ष	देयताएँ	राशि	पिछला वर्ष	परिसम्पत्ति	राशि
	वास्तुकला परिषद			लाभ	
197416.00	सी० पी० एफ० अंशदान	125100.00	397400.00	सावधि जमा रसीदें	373300.00
191753.00	सी० पी० एफ० शुल्क	138750.00		सिन्डीकेट बैंक में	
	भारत निधि			कर्ज और पेन्शनियां	
88364.30	अथ शेष	88364.00	4590.00	सी० पी० एफ० अग्रिम	7540.00
	जोड़े :			नकद और बैंक शेष	
	(i) सेविंग बैंक खाते पर ब्याज	3610.05	75543.30	सिन्डीकेट बैंक	55693.07
	(ii) सावधि जमा पर ब्याज	80708.72	172683.07	एस० बी० खा० सं० 30554	
477533.30		436533.07	477533.30		436533.07

परिषद के लिये और उसकी ओर से

दिनांक : 14-8-91
स्थान : दिल्ली

ह०/-
(जे० आर० भल्ला)
अध्यक्ष

ह०/-
(अशोक यादव)
रजिस्ट्रार

इसी तिथि की हमारी पृथक रिपोर्ट के अनुसार

कृते रवि के० टंडन एंड कं०
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स
ह०/-
(रवि के० टंडन)
प्रोप०

31 मार्च 1991 को समाप्त होने वाले वर्ष की अंशदायी भविष्य निधि की प्राप्ति और भुगतान

पछला वर्ष	प्राप्ति	राशि	पिछला वर्ष	भुगतान	राशि
	अथ शेष—			सावधि जमा	
8987.85	सिण्डिकेट बैंक में अंशदान—	75543.30	31900.00	वर्ष में खरीद और नवीकृत सी० पी० एफ० पेशगियां	201700.00 9960.00
19889.00	कर्मचारियों का अंशदान	20208.00	13200.00	सी० पी० एफ० से नावापसी निकासी सेवा निवृत्ति पर भविष्य	—
12968.00	परिषद का अंशदान	12510.00	—	निधि का भुगतान	—
4625.00	पेशगी की वसूली	7010.00	—	कर्मचारियों का अंशदान	94401.00
32249.45	सावधि जमा पर व्याज	80708.00	—	परिषद का अंशदान	105692.00
149.00	बचत बैंक पर व्याज	3610.05	—	शेष—	—
3146.00	सी० पी० एफ० पेशगियों पर व्याज	170.00	75543.30	सिण्डिकेट बैंक में खाता सं० 30554	55693.07
—	सावधि जमा (वर्ष में भुगतान के लिये तैयार)	225800.00	—	—	—
—	सी० पी० एफ० बकाया का भुगतान	453.00	120643.30	—	467446.07
—	व्याज अनुमत है—	—	—	—	—
18867.00	कर्मचारियों के शुल्क पर	20567.00	—	—	—
19762.00	परिषद के अंशदान पर	20866.00	—	—	—
120643.30	—	467446.07	—	—	—

परिषद के लिये और उसकी ओर से

दिनांक : 14-8-91

स्थान : नई दिल्ली

ह०/-
(जे० धार० भल्ला)
अध्यक्ष

ह०/-
(अशोक यादव)
रजिस्ट्रार

रवि के० टंडन एंड क०
चाटर्ड एकाउन्टेन्ट्स

लेखा परीक्षक की रिपोर्टें

हमें प्रस्तुत की गई लेखा-बहियों और वाउचरों के आधार पर, वास्तुकला परिषद भविष्य निधि अंशदान खाता, 8-बी०, शंकर मार्किट, कनाट सर्कस, नई दिल्ली के संलग्न तुलन-पत्र की लेखा परीक्षा कर ली है और हम यह रिपोर्टें प्रस्तुत करते हैं :—

(1) हमने अपनी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार लेखा-परीक्षा के काम के लिए जो आवश्यक थी उन सभी आवश्यक सूचनाओं और स्पष्टीकरणों को प्राप्त कर लिया है।

(2) हमारे विचार से वास्तुकला परिषद ने कानून के अनुसार उपदान निधि खाता की लेखा-बहियां बना कर रखी हैं जैसाकि हमें उनकी बहियों की जांच से स्पष्ट हुआ है।

(3) तुलन-पत्र लेखा-बहियों के अनुरूप है, और (4) हमारे विचार और हमारी अधिकतम जानकारी में तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार 31 मार्च, 1991 के तुलन पत्र में उल्लिखित कार्यस्थिति से संबंधित लेखा विवरण सही और सत्य है।

दिनांक : 14-8-91
स्थान : दिल्ली

कृते रवि के० टंडन एंड क०
चाटर्ड एकाउन्टेन्ट्स

ह०/-
(रवि के० टंडन)
प्राप०

वास्तुकला परिषद
(वास्तुविद अधिनियम, 1972 के अन्तर्गत निर्गमित)
31 मार्च, 1991 को उपदान निधि लेखा तुलन-पत्र

पिछला वर्ष	देयताएँ	राशि	पिछला वर्ष	परिसम्पत्ति	राशि
उपदान निधि			निवेश		
53218.10	अवशेष	53218.10	44800.00	एफ० डी० आर०—सिन्धीकेट बैंक में	
	जोड़े : वर्ष के दौरान वृद्धि	8715.00		बी-947992/11619	4800.00
	आरक्षित निधि	61933.10		ए-0699466/6473	3000.00
				सी०-733627/13338	6000.00
				सी०-733638/13348	21300.00
1580.90	अवशेष	1580.90		ए-985584/7728	5000.00
	जोड़े : एफ० डी० आर० पर व्याज	20784.90			40100.00
	बचत बैंक खाते पर व्याज	696.45	23061.35	नकद और बैंक शेष	
			9999.00	सिन्धीकेट बैंक (से० बैं० खाता सं० 35584)	44894.45
					84994.45
54799.00		84994.45	54799.00		

टिप्पणी : 1. उपदान निधि में जो 2125/- रुपये अधिक प्राप्त हुए हैं वे वास्तुकला परिषद से प्राप्त हुए थे और तुलन-पत्र को अन्तिम रूप देने की तिथि तक उन्हें वापस कर दिये गये हैं।
2. सावधि जमा रूपों पर व्याज प्राप्ति के आधार पर लगाया गया है।

परिषद के लिये और उसकी ओर से

इसी तिथि को हमारी पृथक रिपोर्ट के अनुसार
कृते रवि के० टण्डन एण्ड कं०
चार्टर्ड एकाउण्टेंट्स

तिथि 14-8-91
स्थान : दिल्ली

ह०/-
(जे० आर० मल्ला)
अध्यक्ष

ह०/-
(बल्लोक यादव)
रजिस्ट्रार

ह०/-
(रवि के० टण्डन)
प्रोप०

STATE BANK OF INDIA

CENTRAL OFFICE

Bombay-400021, the 15th November 1991

NOTICE

No. SBD/2516.—In terms of Section 29(1) of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959, the State Bank India, after consulting the Board of Directors of the State Bank of Hyderabad and with the approval of Reserve Bank of India, have appointed Dr. A. K. Bhattacharya as Managing Director of the State Bank of Hyderabad for a further period of six months as from 20th November 1991 to 19th May 1992 (both days inclusive).

Sd/- (Illegible)
CHAIRMAN

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

Bombay-400 005, the 31st October 1991

No. 3WCA(5)10/91-92.—With reference to the Institute Notifications 3WCA(4)8/83-84 dated 31-3-84; 3WCA(4)7/86-87 dated 25-2-87; 3WCA(4)11/87-88 dated 5-1-88; 3WCA(4)10/88-89 dated 15-2-89; 3WCA(4)12/89-90 dated 20-11-89; 3WCA(4)13/89-90 dated 27-11-89; 3WCA(4)14/89-90 dated 20-11-89; 3WCA(4)21/89-90 dated 31-3-90; 3WCA(4)8/90-91 dated 2-1-91; 3WCA(4)9/90-91 dated 25-1-91; 3WCA(4)13/90-91 dated 26-2-91 it is hereby notified in pursuance of Regulation 20 of the Chartered Accountants Regulations 1988, that in exercise of the powers conferred by Regulation 19 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen :—

Sl. No.	M.No.	Name & Address	Dates
1	2	3	4
1.	14696	Shri R.S. Hariharan, ACA, 104-I-B Horizon View, Bank of Maharashtra Lane, Off : J.P. Road, Versova, Bombay-400061.	12-9-91
2.	17566	Shri Om Prakash Agrawal, FCA, 5/50 Rameshwar Apartments, Sola Road, Ahmedabad-380013.	22-7-91
3.	18223	Shri Udayshankar Netravali, ACA, 6/95 Shree Parleshwar Co. Op. Soc. M.G. Road, Extn., Vile Parle East, Bombay-400057.	25-9-91
4.	30294	Shri K. Chandramoli, ACA, B-202, New Ushanagar, Bhandup West, Bombay-400078.	12-9-91
5.	30880	Shri Nandan Hareshwar Joshi, ACA, B-504, Ashwini, Eskar Road, Borivli West, Bombay-400092.	18-9-91

1	2	3	4
6.	33460	Shri Sudhir Ram Ratan, Agarwal, ACA, 63-C Mittal Tower, Nariman Point, Bombay-400021.	27-9-91
7.	33553	Shri Chandra Prakash K Khare, ACA, Dy. Finance Manager, Q. No. C-1, Coal Estate, Civil Lines, Nagpur.	19-8-91
8.	34288	Shri Vinod Atmaram Hirnan- dani, ACA, 10879 SW, 149th PL, Mirmi, FL 33196, U.S.A.	4-10-91
9.	34324	Mrs. Jasmine Vinod Hirnan- dani, ACA, 10879 SW, 149 FL, Mirmi FL 33196, U.S.A.	4-10-91
10.	34559	Shri Vijay Prabhakar Joshi, ACA, C-11/1, Doodh Sagar Co. Op. Society Limited, Ciba Road, Goregaon (E), Bombay-65.	26-9-91
11.	35898	Shri R. Natrajan, ACA, 14 Riki Bhuvan, L.N. Road, Matunga, Bombay-400019.	18-9-91
12.	36509	Shri Dhananjay Sachidanand Tatke, ACA, 238 Rasta Peth, Pune-411011.	26-8-91
13.	39515	Shri Anil Mohanlal Dron, ACA, 10/2nd floor, Kailash Bhuvan, Din Dayal Road, Dombivli (W) Dist : Thane.	3-6-91
14.	39843	Shri Ram Prabhakar Kend- urkar, ACA, Vishram, Tikekar Road, Dhantoli, Nagpur-12.	9-10-91
15.	41413	Shri Mukund Vasudeo Desh- pande, ACA, T8 Amarkunj, Veer Savarkar Marg, Dadar, Bombay-400028.	26-9-91

1	2	3	4
16.	42502	Shri R. Ramathan, ACA, No. 302, 1st floor, Cambridge Layout, Bangalore-560008.	24-9-91
17.	71108	Shri Kem Chand Ahuja, ACA, Manager (Credit), Bank of Baroda, Zonal Office, Anand Bhuvan, Jaipur.	9-4-91

A.K. MAJUMDAR,
Secretary

Calcutta-700071, the 12th November 1991

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3ECA/5/8/91-92.—With reference to the Institute's Notification No. 4ECA/15/81-82 dt. 25-2-82, 3ECA/4/6/89-90 dt. 2-11-89 and 3ECA/4/90-91 dt. 10-11-90, it is hereby notified in pursuance of Regulation 20 of the Chartered Accountants Regulations, 1988 that in exercise of the powers conferred by Regulation 19 of the said Regulation, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members the names of the following members with effect from the dates mentioned against their names:

Sl. No.	M. No.	Name & Address	Date of Restoration
1	2	3	4
1.	16793	Shri Indrajit Roy, ACA, 5098, Fairwind Drive, Mississauga, Ontario, L5R 2N4, CANADA.	10-9-91
2.	50046	Shri Gautam Datta, ACA, Flat-1B, P-1/4, Peary Mohan Roy Road, Calcutta-700027.	3-9-91
3.	52944	Shri Mukesh Kumar, ACA, C/o. Orissa Synthetics Ltd., Laxmi Nagar, Baulpur-759031, Dt.-Dhenkanal.	19-9-91

A.K. MAJUMDAR,
Secretary.

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 14th November 1991

No. N-15/13/1/6/87-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the

Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1st November, 1991 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Andhra Pradesh Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 19 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Andhra Pradesh namely :—

"The areas falling in the revenue village of Dhonthi which includes Shabashpalli in Shivampet Mandal of Medak District."

The 18th November 1991

No. N-15/13/5/1/90-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 16-10-91 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Gujarat Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1963 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Gujarat namely :—

"Areas within municipal limits of Kadi Town and the Revenue limits of Kadi town, District Mehsana including GIDC Kadi".

No. N-15/13/5/1/90-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1-11-91 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Gujarat Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1963 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Gujarat namely :—

"The area of revenue villages of Budasan, Kundal (Kadi-Thor-Road), Indral (Kadi-Nandasan Road), Ankholi, Atbas, Karannagar, Nanikadi in Taluka Kadi, District Mehsana".

S. GHOSH
Jt. Insurance Commissioner (B)

MINISTRY OF LABOUR

OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

New Delhi-110 001, the 20th November 1991

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.1/1939.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I. B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment is without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the said establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE-I

Sr. No.	Name & Address of the Establishment	Code No.	No. & Date of Govt's Notification vide which exemption was granted/extended.	Date of expiry earlier exemption	Period for exemption further extended	C.P.F.C.'s File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s UBS Publishers' Distributors Ltd., 5, Ansari Road, Post Box No. 7015 New Delhi-110002.	DL/1061	S-35014/23/82/PF-II/ SS.II dated 18-7-86	26-11-88	27-11-88 to 26-11-91	2/486/81- DLI
2.	M/s Orissa Cement Ltd., Shiv Mahal, 3rd Floor, B-47, Connaught Place, New Delhi-110001.	DL/3281	2/1959/DLI/Exemp/89/ Pt. I dated 3-4-91	30-11-89	1-12-89 to 30-11-92	2/1702/87- DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if—on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s) legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall

before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the payment of the sum assured to the nominee(s) Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

No. 2/1959/EDLI/Exemp./89/Pt/1945.—WHEREAS M/s. The Tiruchendur Co-operative Spinning Mills Ltd., Nazareth, Chidambaram Dist. (TN/3926) have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, is satisfied that the employees of the said establishment is without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. notification No. S-35014(234)83/PF.II/SS.II dated 3-12-86 and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years with effect from 24-12-89 to 23-12-92 upto and inclusive of the 23-12-92.

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if—on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s) legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already Regional Provident Fund Commissioner concerned and where—any amendment is likely to affect adversely the interest of the

employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the payment of the sum assured to the nominee(s) Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

No. 2/1959/DLI/Exem/89/Pt.I/1951.—WHEREAS the employers of the establishment mentioned in Schedule I (hereafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner is satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) :

NOW, THEREFORE, IN exercise of the power conferred by sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said establishments with retrospective effect from the date mentioned against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. from the operation of the said scheme for and upto a period of three years.

SCHEDULE-I

Sr. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C.'s File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s. Cynamid India Limited., P.O. Atul-396020, Distt. Valsad	GJ/1057	1-7-89 to 30-6-92	2/3378/91- DLI
2.	M/s. K.S. Engineering., Works 5/58, Muni, Industrial Estate, Bapunagar, Ahmedabad-380024.	GJ/1969	1-9-89 to 31-8-92	2/3456/91- DLI
3.	M/s T. Maneklal (A division of SLM Maneklal Industries Ltd.,) Vatva-302445, Tal: Dascroi Dist. Ahmedabad (with branch offices covered under the code No.)	GJ/4514	1-2-89 to 31-1-92	2/3412/91- DLI
4.	M/s. Bhagwati Foundries Ltd. Odhav Road, Odhav-382410. Dist. Ahmedabad.	GJ/4594	1-4-89 to 31-3-92	2/3457/91- DLI

1	2	3	4	5
5.	M/s. United Auto Engineerings., Works Opp. Gun House, Kanpur, Ahmedabad-380009.	GJ/6527	1-2-87 to 31-1-90 and again from 1-2-90 to 31-1-93	2/3458/91- DLI
6.	M/s. Ahmedabad Export House, opp. Gun House, Kanpur, Ahmedabad-380001.	GJ/6527-B	1-2-87 to 31-1-90 and 1-2-90 to 31-1-93	2/3459/91- DLI
7.	M/s. Institute of Rural Management, Post Box No. 60, Anand-388001. Dist. Kheda.	GJ/13777	1-6-89 to 30-5-92	2/3461/91- DLI
8.	M/s Gujarat Co-Op. Grain Growers Federation Ltd., Hanuman Shreyas, Society, Vasna Borage Road, Vasna, Ahmedabad.	GJ/14280	1-3-89 to 29-2-92	2/3462/91- DLI
9.	M/s. The Gujarat State Handloom & Industrial Co-op Federation Ltd., Jafri Manzil, Salapas Road, Ahmedabad-380001.	GJ/14250	1-3-89 to 29-2-92	2/3486/91- DLI
10.	M/s. Mahasana Nagrik Sahakari Bank Ltd., Mehasana-384001.	GJ/14384	1-6-87 to 28-2-90	2/1885/85- DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (3) of sub-section 3(A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heirs(s) of the employee as compensation

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees. The Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s) legal heirs(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heirs(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner.

CANTONMENT BOARD

Canmanore-670017, the 18th October 1991

No. 43/1/1978-91.—S.R.O. 5 Whereas a draft bye-laws for regulating the manner in which connection to Water Supply main can be given or maintained and the agency which shall or may be employed for executing the work connected therewith and the regulations of all matters and the things relating to the supply and use of water, including the collection and recovery of charges thereof and the prevention of evasion of the same was published under Cantonment Board's notice No. 43/1/1990 dated 23rd April 1990 as required by section 284 of the Cantonment Act 1924

(2 of 1924) for inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry thirty days from the date of the said notice which was made available to the public;

And whereas the aforesaid draft notice was made available to the Public on 23rd April 1990;

And whereas objections or suggestions were not received from any person before the date so specified;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clauses (32), (33) and (34) of section 282 and section 283 of the said Act Cantonment Board Cannanore with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following bye-laws :—

1. *Short Title and Commencement* :—These Bye-Laws may be called “the Cannanore Cantonment Water Supply Bye-Laws, 1991”.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. *Definition*.—In these bye-laws unless the context otherwise requires

- (a) “Act” means the Cantonment’s Act, 1924 (2 of 1924),
- (b) “The Board” means the Cantonment Board, Cannanore,
- (c) “Connection” means the connection by pipe from the Cantonment water main to the boundary of the house or premises or to the meter which even is farther to the main;
- (d) “Consumers” means the owner, occupier or lessee of a building or premises in Cantonment connected to the Cantonment Water main;
- (e) “Distribution pipe” includes any water main under the control of the Board for the purpose of supplying the water within its jurisdiction;
- (f) “Executive Officer” means the Executive Officer of Cantonment
- (g) “Form” means form appended to these bye-laws;
- (h) “Holding” means land held under title or agreement and surrounded by one set of boundaries and part and parcel of sites or premises or a dwelling house or place or places of trade and business;
- (i) “Installation” means the pipe work and fittings within a house or premises excluding the connection;
- (j) “Service Pipe” means the connection which is with the distribution pipe under the control of the Board for the purpose of leading water to premises for domestic purposes;
- (k) Words and expressions used herein and not defined but defined in the Cantonment Act 1924 (2 of 1924) shall have the meanings respectively, assigned to them in that Act;

3. *Restriction for use of Water* .—No person shall bath or wash any animal, clothes, wool, leather, skins, utensils or any other things at any public stand post or hydrant or use water for building purpose or otherwise wilfully cause a waste thereof.

4. *Authority to Operate Public Installations*.—No person other than a person duly authorised by the Board or the Cantonment Executive Officer, for the purpose, shall open or inspect or in any way interfere with any pipe, valve, plug or other fittings belonging to or appertaining to any public installation, other than a tap for drawing water.

5. *Tampering with Water Tap or Stand Post*.—No person shall tamper with any water top, stand post or hydrant
6—359 GI/91

belonging to the Board so as to cause any damages to the mechanism or working of such tap stand post or hydrant.

6. *Restrictions on Wilful Waste of Water*.—No person shall wilfully waste or cause or allow to be wasted any water from any pipe, public stand post, hydrant, valve or fitting or shall cause it to be tapped by means of rubber pipe or any other contrivance or to be diverted through any other channel.

7. *Manner of Drawing Water*.—All water obtained from a public stand post or hydrant shall be carried therefrom in clean vessels or other utensils.

8. *Application for Connection*.—Every application for the supply of water under these bye-laws shall be in writing and signed by the owner or lessee or occupier of the building or land in Form “A” and the work necessary for such supply shall not be commenced until the applicant has deposited with the Cantonment Executive Officer such estimated cost of expenditure inclusive of road cutting and re-instatement charges and before such date as may be fixed by him in this behalf.

9. *Connection Fees*.—An application under bye-law 8, shall be accompanied by a connection fee of ten rupees.

10. *Supervision Charges*.—The estimated cost of expenditure referred to in bye-law 8 shall also include a percentage of five per centum of the actual cost of work to cover supervision charges.

11. *Metered Supply*.—A house connection for dwelling in which water would be consumed for domestic purpose shall be permitted on metered system and the pipe connections granted prior to the date of commencement of these bye-laws shall also be converted into the Metered system.

12. *Laying Pipe Line, ETC.*—In every case in which a new service pipe connection with the distribution pipe is made by the Board or such existing connection requires renewal or repair or alteration or extension, all necessary communications, pipes and fittings from and including the stop cock nearest the distribution pipe shall be supplied by the Board and the work of laying and supplying such communication pipes and fittings upto the stop cock shall be executed by the Executive Officer, but the cost of such work shall be met by the consumer who shall be liable to pay the said sum in advance before the connection is made or renewed.

13. *Size of Service Pipe Connection*.—(1) The service pipe for a house connection shall be of such a bore not less than twelve millimeters and not more than 20 millimeters in diameter as may be determined by the board in each case.

(2) The size of ferrule shall be less in size than the bore of service pipe.

(3) No service pipe connection shall be open into a latrine or be laid through it.

14. *Power to Renew or Alter Service Pipe Connection*.—(1) No service pipe connection with the distribution pipe of the Board shall be made renewed or altered or extended except by a written authority of the Cantonment Executive Officer and until the certificate specified in bye-law 16 has been given.

(2) The consumer shall not renew, alter or extend the service pipe connection inside or outside his house, without the previous permission, in writing of the Board.

15. *Provision of Pipe or Fittings Inside Premises*.—Communication pipes and fittings required for providing house service pipe connection beyond the stop cock inside the premises shall be provided by the consumer at his cost no material shall be used which do not conform to the standard specifications as specified in the Military Engineering Service Schedule or Rates Part-I.

16. *Execution of Work by Licensed Plumber*.—All communication pipes and fittings beyond the stop cock referred to in bye-law 15 shall laid and applied by a plumber duly

licensed by the Board under the direct supervisions of the Cantonment Executive Officer or the Cantonment Overseer who shall give and sign a Certificate regarding completion of water supply connection free of charge when such communication pipes and all necessary fittings and work have been laid, applied and executed in satisfactory manner and sufficient arrangements have been made for draining of waste water and thereafter the supply of water to the premises may be commenced.

17. *Supply of Meters.*—(1) As far as possible, the water meter shall be supplied by the Board.

(2) If for any reason the water meter is not supplied by the Board, the consumer may provide the same at his own cost and in that case the water meter shall be installed only after it is approved by the Cantonment Executive Officer.

18. *Meter Rent.*—(1) The occupier or lessee or the owner of any building or land shall, if the water meter is supplied by the Board, pay the meter rent charges as specified below :—

Size of the meter	Meter rent per month per meter	Meter maintenance Charges per month per meter
(a) 12mm to 25mm . . .	1.00	0.50 paise
(b) 38mm to 75mm . . .	2.00	0.50 „
(c) above 75mm . . .	4.00	0.75 „

(2) Where a water meter is installed at the cost of the owner or lessee or occupier, none of the said charges shall be payable by such owner or lessee or occupier, but the maintenance charges at the rate of 0.50 paise and 0.75 paise per month as the case may be shall be payable to the Board by all such owner, lessee or occupier.

(3) The owner or lessee or occupier, as the case may be, shall be responsible for repairs, etc., when damage to the water meter is caused due to his negligence and if the repairs necessary therefor are not arranged by such owner or lessee or occupier within 15 days of issue of the notice in this behalf, the water connection shall remain cut off until the water meter is repaired to the satisfaction of the Cantonment Executive Officer.

(4) The re-connection charges payable to the Board shall be ten rupees.

19. *Meter Reading.*—(1) All meters shall be sealed by the agency of the Board and the readings shall be taken monthly or at such intervals as may be determined by the Board, by the person appointed by the Cantonment Executive Officer, in the presence, as far as possible of a representative of the consumer of water supply.

(2) The said reading of the water meter shall be noted in a water meter reading book maintained by the Board in this behalf.

20. *Meters not to be Tampered.*—No water meter shall, in any way, be tampered with by the consumer of water supply or any person on his behalf.

21. *Charges for Water.*—(1) Metered water drawn in a month shall be charged at the following rates :—

(a) Domestic purpose :	Rs. 0.65 per 1,000 litres.
(b) Non domestic purposes :	Rupee 1/- 1,000 litres.
(c) Military Engineering : Service (For Bulk Supply)	Rs. 0.50 1,000 litres.
(d) Municipality :	Rs. 0.70 1,000 litres.

Plus 10% overhead charges for the maintenance of the system. Meter shall be read, as far as possible, by the 10th of every month and completed units of 1,000 litres shall be recorded.

(2) In cases of domestic consumption where a meter does not read more than 4,000 litres in a month a flat charge of Rs. 3/- shall be recovered for such period. Minimum charge for non-domestic connection shall be Rs. 6/- per mensum.

22. *Number of Water Taps.*—No house connection for the supply of water shall ordinarily have more than two water taps and for additional such taps, permission of the Cantonment Executive Officer shall be necessary.

23. *Authority to Close, Reduce & Stop Water Supply.*—The Board may withdraw or curtail the water supply of water when it appears necessary to do so for the purpose of maintaining sufficient supply of water for domestic use by inhabitants of the Cannanore Cantonment or due to accident, draught or other unavoidable causes.

24. *Security Deposit and Payment of Charges by Consumers.*—(1) All consumers of water supply shall deposit with the Cantonment Board a refundable Security of Rs. 25/-.

(2) The monthly charges of water consumer shall be payable within thirty days from the date of issue of the bill for the same.

(3) If a consumer of a water supply fails to make payment of the said monthly charges, as required under sub-bye law (2) the same shall be deducted from the said Security Deposit, and the water supply may also be disconnected thereafter if the said consumer fails to make payment of the said monthly charges within seven days of issue of a notice from the Board in this regard.

25. *Payment of Meter Rent.*—The meter or maintenance charges thereof, as the case may be shall be payable along with the charges for the water consumed on or before the date mentioned in bye-law 24.

26. *Correction of Meter Reading.*—(1) In case of any doubt about the correctness of the reading recorded under bye-law 19 for any particular month, the concerned owner, occupier or lessee of the building or land, may within seven days of the issue of the bill for the payment of charges for the water consumed, request the Cantonment Executive Officer to test the water meter.

(2) If on the test referred to in sub-bye-law (1), the water meter proved to be less than five percent fast, the charge for testing the meter referred to in sub-bye-law (3), shall be paid by the applicant, and in any other case, such charges shall not be paid by him and the estimated over charges pro rata for the month in respect of which the accuracy of the meter is disputed shall be adjusted by the Board.

(3) The charges for the testing the water meter shall be five rupees.

27. *Fixation of charges when Meter Gives Incorrect Reading.*—In case where a water meter is found to give incorrect reading and is out of repair for any period exceeding one month, consumption of water recorded during the corresponding month or months during the year immediately preceding or where such record is not available such data as Cantonment Executive Officer considers most suitable shall be deemed to be the actual consumption of water.

28. *Appeal.*—(1) Any person aggrieved by a decision of the Cantonment Executive Officer, made under these bye-laws, may within thirty days from the date on which the decision is communicated to him prefer an appeal to the Board :

Provided that the Board may entertain the appeal after the expiry of the said period of thirty days if it is satisfied that the appellant was prevented by sufficient cause from filing appeal in time.

(2) On receipt of appeal made under sub-bye-law (1) the Board shall, after giving the appellant an opportunity of being heard, dispose of the appeal as expeditiously as possible.

29. *Penalty*.—If any person contravenes any provision of these bye-laws, he shall be punishable with fine which may extend to one hundred rupees and, where the contravention is a continuing one, with an additional fine which may extend to twenty rupees for every day during which such contravention continues after conviction of the first such contravention.

Authority.—Govt. of India, Ministry of Defence (DG DE) letter No. 12/3/C/DE/90 dated 1st May 1991.

P. V. RAGHAVAN
Cantonment Executive Officer,
Cannanore Cantonment

"APPENDIX-A"

FORM 'A'

(See Bye-Laws 8 & 9)

FORM OF APPLICATION FOR A HOUSE CONNECTION FOR THE SUPPLY OF WATER FOR DOMESTIC/NON- DOMESTIC/COMMERCIAL PURPOSES

To

The Cantonment Executive Officer,
Cannanore Cantonment.

Dear Sir,

I hereby request for installation of a Water supply for Domestic/Non Domestic/Commercial purposes only (of making an addition on or alteration to the existing water supply connection) to my premises House No. _____ Cannanore Cantonment.

2. The work (of connection to the distribution main) shall be carried out by the Plumber approved by the Cantonment Board, Cannanore and I undertake to deposit the estimated cost of work beyond stop cock to main line to the credit of the Cantonment Board, Cannanore, on _____ receipt of intimation of the probable cost.

3. A connection fee of Rs. 10/- only is sent herewith in cash.

4. The annual valuation of holding is Rs. _____ according to the last assessment.

5. I agree to accept the quantity of water to be supplied by the Cantonment Board, Cannanore and pay the charges as may be fixed by the Cantonment Board, Cannanore.

Yours faithfully

Owner/Occupier of House No. _____
Cannanore Cantonment.
Date :

MINISTRY OF DEFENCE

CANTONMENT BOARD, JALANDHAR CANTT.

New Delhi, the 12th November 1991

S.R.O. No. JCB/Octroi/3595/C.—Whereas a draft public notice relating to revision of octroi bye-laws within the limits of Jalandhar Cantonment supersession of the notification of Home Department Military No. 7261 dated the 1st March, 1932 was published with the Notice No. JCB/Octroi/4333/C, dated the 20th March, 1990 and pasted in the office Notice Board on the 20th March, 1990 as required under section 284 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924) for inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby till the expiry of 30 days from the date of the publication of the said notice.

And whereas, all the objections and suggestions received from the public on the said draft have been duly considered by the Cantonment Board.

NOW, therefore, in exercise of the power conferred by clause (3) of section 283 read with section 284 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924) and in supersession of the notification of Home Department Military No. 7261 dated the 1st March, 1932 the Cantonment Board, Jalandhar with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following bye-laws, namely :—

BYE-LAWS

1. *Short title and commencement*.—(i) These bye-laws may be called the Jalandhar Cantonment Octroi Bye-laws 1991.

2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette, the context otherwise requires

(a) "barrier" means a place appointed under the provisions of bye-laws 3;

(b) Board means the Jalandhar Cantonment Board;

(c) "Central barrier" means a barrier situated at the Head Octroi Office;

(d) "forms" means forms appended to these bye-laws;

(e) "railway barrier" means a barrier for the interception of traffic from railway premises; and so described by public notice exhibited by the Cantonment Board at such barrier; and

(f) "refund" means a payment made in respect of goods exported of an amount equal to the octroi which would be payable if the goods were being imported.

3. *Establishment of barriers*.—The Cantonment Board shall appoint for the assessment and collection of octroi, such place at points on, or in the immediate vicinity of, the octroi limits as may from time to time be determined as most suitable for the interception of import traffic. The Cantonment Board may also appoint for the assessment and collection of octroi a place or places near or, with the consent of the Railway Administration, on the railway premises;

Provided that nothing in this bye-law shall be deemed to prevent the assessment and collection of octroi at any other place in accordance with the provisions of these bye-laws.

4. *The Octroi Superintendent*.—The Cantonment Board shall appoint an office to be Octroi Superintendent who, in addition to discharging any other duties imposed upon him by these bye-laws, shall be responsible generally for the assessment and collection of octroi in accordance with these bye-laws, and for the proper discharge of their duties by other assessing, collecting and inspecting officers.

5. *Tax Inspectors*.—The Cantonment Board shall appoint one or more Tax Inspectors who, in addition to discharging any other duties imposed upon them by these bye-laws, shall supervise the working of the barriers, and shall see that the staffs of the barriers comply with these bye-laws.

6. *The Staff of Barriers*.—(1) The Cantonment Board shall appoint for each barrier a staff of Tax Collectors and Peons for the assessment and collection of octroi, and it shall be the duty of such staff to see that all goods liable to octroi, are stopped at the barrier and to deal with them according to these bye-laws.

(2) No Tax Collector or Peon appointed under the provisions of sub-section (1) shall ordinarily be allowed to remain at the same barrier for a period of more than one month at a time.

7. *Inspection of barriers by Executive Officer*.—(1) It shall be the duty of the Executive Officer periodically to visit the

barriers and to inspect the registers and accounts maintained in accordance with these bye-laws.

(2) An Inspection Book shall be maintained at each barrier in Form 1, appended to these bye-laws, Inspectors or other officers inspecting the barrier shall note therein the results of their inspection, making their notes as full and detailed as possible.

(3) If in any such note any complaint is made as to the working of the barrier, a copy of the note shall at once be sent by the Officers Incharge of the barrier through the Octroi Superintendent to the Executive Officer with a view to suitable action being taken thereon.

8. *Posting of Octroi Schedule—Prices current & bye-laws at Barriers.*—A copy, in English and Vernacular, of the Octroi Schedule, as sanctioned by the Local Government, and duly authenticated by the signatures of the Octroi Superintendent and the Executive Officer, a list of the retail prices current for the month of such goods as are liable to octroi, assessed *Advalorem*, duly authenticated by the signature of the Octroi Superintendent and a copy, in English and Vernacular, of these bye-laws shall be posted in a conspicuous place at each barrier.

9. *Provision of Scales and Weights or Weighing Machines at Barriers.*—The Cantonment Board shall provide at each barrier a suitable set of scales and weights, or a weighing machine, which shall be kept in proper working order by the officer incharge of the barrier and shall be tested at intervals, of not more than three months by the Octroi Superintendent, or by any other officer or a member of the Board as the Cantonment Board may direct, and such Superintendent, officer or Member of the Board shall record the result of each test in the Inspection Book.

10. *Publication of Monthly list of prices current.*—The Cantonment Board shall, before the end of each month, draw up and publish, by public notice, a list of the prices current of goods liable to octroi to be assessed *advalorem*, and the octroi on all such goods imported during the following month shall, subject to the provisions of bye-law 17, be assessed in accordance with the prices entered in such list.

11. *Limitation of power of officers incharge of Barrier.*—The Cantonment Board shall from time to time prescribe for each barrier:—

- (a) The maximum value of goods liable to octroi assessed *advalorem* on which officers, incharge of barriers may assess the octroi payable, if such goods are not entered in the list of prices current published under the provisions of bye-law 10; and
- (b) The maximum amount of octroi which an officer incharge of a barrier other than the central barrier may collect in respect of a single consignment of goods.

12. *Stopping of vehicles carry goods at the octroi barrier.*—All vehicles shall, if signalled to do so, stop at the octroi barrier to enable the barrier officials to inspect the vehicles and ascertain if anything liable to octroi is being carried therein.

13. *Declaration to be made of destination of goods at the time of import—*

- (1) When goods liable to octroi are brought to a barrier for import, the officer incharge of the barrier shall call upon the person incharge of such goods to declare, and such person shall declare whether such goods are intended —
 - (a) For immediate export;
 - (b) For consumption or use within the octroi limits; or
 - (c) Where a trade warehouse is maintained, for temporary detention within the octroi limits and eventual export;
- (2) If any person refuses to make a declaration as required by the provisions of clause (1) he shall be deemed to be guilty of a breach of this bye-law,

and it shall be deemed that the goods in respect of which a declaration should have been made have been declared to be intended for consumption or use within the octroi limits.

14. (1) Goods for immediate export to be dealt with under the transit pass system or transit refund system.—When goods liable to octroi are declared to be intended for immediate export under the provisions of clause (1) of bye-law 13, they shall be dealt with under either the Transit Pass system or the Transit Refund system.

(2) The Transit Refund system shall not be adopted by the Cantonment Board except with the sanction of the Officer Commanding-in-Chief the Command, and in any case shall not be applied in respect of goods on which the amount of octroi to be assessed or collected is in excess of the amount which the Office-in-Charge of the barrier is empowered to assess or collect.

15. *Transit Pass System.*—(i) When the Transit Pass system is in force, a person importing goods intended for immediate export shall, after declaring them as such at the barrier of import, whether the railway barrier or any other barrier, specify the barrier through which they are to be exported, and the Officer-in-Charge of the barrier shall fill up a Transit Pass in Form 2, appended to these bye-laws, and shall send the goods, under the escort of a peon to the barrier of export entered in column 9 of the pass, handing over the foil of the pass to the Peon and the coupon to the person incharge of the goods : Provided that if no Peon is available, the foil of the pass also shall be handed over to such person after an acknowledgement of the receipt of the pass has been taken from such person on the reverse of the counterfoil.

(2) A fee of Rupees five shall be charged for each transit pass issued under this bye-law.

(3) When such goods are brought to a barrier for export, the Peon, or person incharge thereof shall present the pass issued to him under clause (1) of this bye-law, and the Officer incharge of the barrier shall note in column 12 of the pass the time at which it was presented, and shall check the goods with the particulars given in columns 5, 6 and 7 of the pass, and

- (a) if the goods tally with the particulars entered in the pass and the time of export entered in column 10 has not passed the officer incharge of the barrier shall allow the goods to pass out, and shall return the pass by the Peon to the barrier of import where it shall be pasted on the back of the counterfoil or if there is no Peon, shall retain the pass for submission to the Head Office; or
- (b) If the description or weight of the goods does not tally with the particulars entered in the pass and there is any defect in the weight of any such goods as are ordinarily liable to octroi, or if any of the goods are of a description different from the description of the goods entered in the pass and are ordinarily liable to octroi, the officer incharge of the barrier shall make a note of the description in column 14 of the pass and shall proceed as if goods to the extent of such defect, in weight or of such description were being imported for consumption or use within octroi limits; or
- (c) If the time entered in column 10 has passed before the pass is presented, the officer incharge, of the barrier shall proceed as if the consignment of goods was being imported for consumption or use within octroi limits.
- (d) In case of late presentation of goods at the export barrier after the time allowed in the transit pass due to any mishappening to the vehicles or person, the Executive Officer, may not charge the octroi tax, if he is satisfied that such late presentation was due to circumstances beyond the control of the person getting the transit pass and the goods entered in the transit pass have to be actually exported out of the Cantonment limits.

(4) The Cantonment Board shall, for the purpose of this bylaw fix in respect of every two barriers the period within which goods imported through either of them for immediate export must be exported through the other, and a schedule of the periods so fixed shall be exhibited at every barrier, and the officer incharge of the barrier, through which such goods are imported, shall calculate and enter the time accordingly in column 10 of the Transit Pass in Form 2.

(5) Officer incharge of barriers shall each day send to the Head Office the books counterfoils of Transit Passes, and the Octroi Superintendent shall examine each counterfoil and shall initial and date it in token of this having done so, and if in any case the pass is not found pasted on the counterfoil by the evening of the second day following its issue, a special investigation shall at once be made by the Octroi Superintendent and particulars of every such pass shall be entered in a register to be maintained in Form 3, appended to these bye-laws.

16. *Transit Refund System.*—(i) When the Transit Refund system is in force, a person importing goods intended for immediate export in respect of which the Transit Refund system is applicable, after declaring them as such at the barrier of import, whether the railway barrier, or any other barrier, shall specify the barrier at which they are to be exported and the officer incharge of the barrier shall assess and collect the octroi payable in respect of such goods as if such goods were intended for consumption or use within octroi limits, but shall endorse the reverse of both the receipts in Form 5 and its counterfoil with a stamp or slip in Form 4 or which he shall fill up the columns and shall then handover the receipt with its endorsement to such person and allow the goods to pass.

(2) When such goods are brought to a barrier for export the person incharge thereof shall present the receipt with endorsement issued to him under the provisions of clause (1) and the officer incharge of the barrier shall note on the endorsement the time at which the goods are presented, and shall check the goods with the particulars entered in the receipt, and

(a) If the goods tally with the particulars entered in the receipt and the time of export entered in column 4 of Form 4 of the endorsement has not passed, the officer incharge of the barrier shall take an acknowledgement from the person incharge of the goods on the place provided on the endorsement (Form 4) of the receipt of refund of the amount of octroi entered in column 6 of the receipt, and shall then pay such amount to such person out of his imprest and allow the goods to pass; or

(b) If the goods do not tally with the particulars entered in the receipt or the time of export entered in column 4 of the Form 4 of the endorsement has passed before the receipt is presented, the officer incharge of the barrier shall refuse to pay any refund and shall send a report of the circumstances to the Head Office.

(3) The periods fixed under the provisions of clause (4) of bye-law 15 shall be deemed to have been fixed for the purpose of this bye-law also.

(4) The endorsement to be made under the provisions of clause (1) shall be numbered serially for each receipt book and shall be independent of the numbers on the face of the counterfoils.

(5) For the payment of refunds under this system officers incharge of barriers shall be given shall imprests by the officer incharge of refunds out of his permanent advance, and at the end of each day they shall verify their imprests by seeing that the cash in hand plus the value of the endorsed receipts is equal to the total amount of the imprest, and shall then drop the receipts into the cash-box with a covering memorandum.

(6) When the cash boxes are received at the Head office the officer authorised to open them shall take out the endorsed receipts check them with the counterfoils in the re-

ceipt books forwarded from the import barriers, and initial and date each counterfoil in token of his having carried out the check, and shall then send to each barrier Tax Collector an amount equal to the total amount of octroi shown as refunded on the endorsed receipts received from the barrier.

(7) The total of the amounts shown as refunded on the endorsed receipts received from all barriers, shall be entered on both sides, that is, in columns 4, 12 and 13 of the Refund Ledger (Form 20) and the receipts shall be treated as ordinary refund vouchers and pasted into the Refund Jinswar (Form 6). The receipts shall afterwards be put up as vouchers with the ordinary refund application, when the Refund permanent advance is recouped under the provisions of bye-law 58.

17. *Agency and method of Assessment.*—

(1) The octroi payable in respect of goods imported otherwise than by rail for consumption or use within octroi limits shall be assessed.

(2) To ensure proper payment of octroi by the ASC contractors, the contractors concerned may be asked to file attested copies of official receipts issued to them by the Supply Depot for supplies made by them during the month or any other documents of equivalent value within the second week of the next month. The contractors may be asked to deposit such sums not exceeding one thousand rupees each at the discretion of the Board, as security deposit and to execute an agreement to ensure proper production of attested copies of the receipts from the Supply Depot and prompt payment of balance of octroi dues. In case any contractor fails to produce the necessary receipts for verification or pay the octroi balance, the balance may be made good out of his security deposit by the Executive Officer.

(ii) If the contractor claims that he has purchased the goods from a local supplier whose establishment is within the limits Cantonment then the contractor shall produce octroi receipts to the satisfaction of the Executive Officer that the supplier of the contractor has already paid the octroi on goods supplied by him to the contractor.

(3) "When octroi leviable advalorem is to be assessed by the officer incharge of the barrier of the import, he shall calculate the value, on the value given in the invoice presented at the time of import, plus the cost of freight, unless he holds for reasons to be recorded in writing that the invoice is not genuine in which case he shall proceed as if no invoice has been presented, if no invoice is presented with the goods in respect of which octroi is to be assessed but they are entered in the list of prices current, he shall calculate their value at the value entered in such lists. If the goods are not so entered, he shall calculate their value on information at his disposal and value declared by the importer. In calculating the amount of octroi leviable, fraction of a rupee not exceeding fifty paise shall be ignored and if it exceeds fifty paise, than it will be counted as one rupee.

(4) When octroi leviable advalorem is to be assessed by the Octroi Superintendent he shall, if no invoice is presented with the goods, calculate the value of the goods, on the information at his disposal, and the value declared by the importer and if an invoice is presented, he shall calculate the value on the value entered in the invoice plus the cost of freight unless he has reason to suspect that the invoice is not genuine, in which case he shall proceed as if no invoice had been presented.

18. *Procedure at out-post barriers.* (1) When goods imported otherwise than by rail and intended for consumption or use within octroi limits, are brought to a barrier, the officer incharge of the barrier shall, if he is empowered to do so, assess the octroi payable in respect thereof, and, unless the imported disputes with such assessment, shall fill up a receipt and counterfoil in Form 5 and shall demand the amount of octroi payable from the importer, and on receipt of the amount shall forthwith drop it into the cash box and shall hand over the receipt with coupon attached, to the importer.

Provided that if the amount of octroi payable is in excess of the amount fixed by the Cantonment Board as the maximum amount which an officer incharge of the barrier may

collect, the officer incharge of the barrier shall, instead of entering the amount of octroi paid in column 8 of the counterfoil and column 6 of the receipt in Form 5, enter the words "to be paid at the Central Barrier" and, after taking the signature or thumb impression of the importer on the reverse of the counterfoil, shall hand over the receipt with coupon attached, to the importer who shall taken it to the central barrier and pay the octroi within such time, not exceeding 16 hours, as the Cantonment Board may prescribe for this purpose.

(2) If the importer disputes the assessment made by the officer incharge of the barrier under the provisions of clause or when such goods imported otherwise than by rail and intended for consumption or use within octroi limits are brought to a barrier and the officer incharge of the barrier is not empowered to assess them, the officer incharge of the barrier shall enter the details of the goods in a pass in Form 7, appended to these bye-laws of which he shall hand over the foil, with coupon attached to the importer who shall forthwith take it with the goods to the Head Octroi Office.

19. *Collection at Central Barrier or octroi assessed at out post Barrier.*—When a receipt in Form 5 is brought to the central barrier under the provisions of clause (1) or bye-law 18, the officer incharge of the central barrier shall first see whether the receipt has been presented within the time prescribe and, if there has been any default in this respect, shall report the matter to the Octroi Superintendent, and if there is no such default he shall calculate the amount of octroi payable and on receipt of the amount shall make the necessary entry in column of the receipt and in the coupon showing on the coupon the date and the exact hour of payment and striking out and initialling the entry made at the import barrier in column 6, he shall then sign both the receipt and the coupon, return the receipt to the importer and drop the money received and the coupon into his cash box.

20. *Assessment at Head Office of goods forwarded from out post barrier and collection at central barrier of octroi assessed at head office.* When goods are brought to the Head Octroi office under the provisions of clause (2) of bye-law 18, the Octroi Superintendent shall see that goods agree with the details entered in the pass in Form 7 issued in respect of them, at the import barrier, and shall then assess the amount of octroi on the value given in the invoice or written declaration presented at the time of import, plus the cost of freight, if he has reason to suspect that invoice or written declaration so presented is not genuine he shall assess the octroi in information at his disposal and the market value of the goods so assessed. The cases of doubtful nature shall be brought to the notice of the Executive Officer at once in writing by the Octroi Superintendent for his final decision. After the assessment, the Octroi Superintendent shall hand over the pass to the importer who shall take it to the officer incharge of the central barrier who shall fill up the receipt and counterfoil in Form 5 and shall recover the amount of octroi payable from the importer and return the receipt to the importer and drop the money received and pass in Form 7 into his cash box.

21. Imports of perishable goods by rail to be regulated by bye-laws governing imports of goods otherwise than the rail. The assessment and collection of octroi payable in respect of imports by rail of fresh fruit, betel leaves and vegetables and of other articles on which the octroi payable does not exceed two rupees shall be regulated bye-laws 17 to 20.

22. *Railway receipt and invoice Register to be maintained.* (1) subject to the provisions of bye-law 21, when any person receives the railway receipt of goods consigned to him by rail and intended for consumption or use within octroi limits, he shall take or send it with the invoice, or, in the absence of an invoice with a written declaration of the details of the consignment to the Head Octroi Office, where, if the goods are found to be liable to octroi, the receipt and the invoice or declaration shall be abstracted into a railway receipt and invoice register to be kept up in Form 9, the amount of freight being added to the value of the consignment in column 11.

(2) The Octroi Superintendent shall check the entries in the railway receipt and invoice register with 25 percent of

the passes issued under bye-law 23 and 24 and shall satisfy himself that the octroi has been correctly assessed and shall initial all entries and passes checked.

(3) The Cantonment Board shall appoint a member or members of the Board periodically to examine the Railway Receipt and invoice register and to compare with the entries made there in the declaration, if any, filed under bye-law 23, and the entries in the register and declarations checked shall be initialled by the member or members of the Board making the examinations.

(4) Before taking the delivery of the consignment from the Railway Authorities, every consignee shall get the railway receipt registered and stamped at the octroi post known as Railway barrier and shall declare the contents, value, weight and quantity etc. to the Tax Collector and also declare the destination of the goods. After getting the delivery of the goods the importer shall either pay octroi tax or obtain transit pass under bye-law No. 15, if the goods are meant for immediate export through this Cantonment. In case of non compliance with this provision the consignee shall be liable for action under the octroi bye-laws and under sub section (1) of Section 82 of the Cantonments Act, 1924.

23. *Assessment and collection of octroi on imports by rail.*—On the completion of the registration of the consignment under bye-law 22, the Octroi Superintendent shall determine the octroi leviable and note it on a memorandum which he shall send to the central barrier where, after the calculations in the memorandum have been checked, the amount payable shall be demanded from the importer to whom on payment of the amount, a receipt shall be granted in Form 10, of which the coupon and third foil shall be left blank and the counterfoil retained. The railway receipt and invoice shall then be stamped with the Cantonment Board's stamp and return to the importer and the declaration, if any, shall be stamped and filed.

24. *Procedure on Removal of goods from railway premises.*—All goods removed from the railway premises and intended for use or consumption within octroi limits shall, if liable to octroi, be brought to the railway barrier where the person incharge of the goods shall present the receipt, if any, obtained under bye-law 23, and the Tax Collector after satisfying himself that the goods agree with the details entered in the receipt, shall fill up the third foil of the receipt, tear it off and retain it and hand back the second foil, with the coupon attached, to the importer;

Provided that if only a portion of the consignment covered by the receipt arrives at the railway barrier, the Tax Collector shall tear off the second foil and note the quantity imported as well as the time and the date on the reverse of the second and third foils, repeating the operation as each subsequent instalment of the consignment is brought to the barrier and in the case the third foil shall not be sent to the Head Octroi Office until the whole consignment has been imported.

25. *Rail borne imports not covered by receipt in Form 10.*—If goods liable to octroi and intended for use or consumption within octroi limits are brought to the railway barrier for import and are not covered by a receipt in Form 10, or do not tally with the description of the goods entered in the receipt purporting to cover them, they shall be dealt with in accordance with the procedure prescribed in clause (2) of bye-law 18 and bye-law 20, provided that before handing over a receipt in Form 5 to the importer the Octroi Superintendent shall cause the particulars of the case together with the name of the importer to be entered in a register of un-registered Railway Imports be maintained in Form 11.

26. *Repayment of octroi on Rail-borne goods in excess of amount due on goods actually imported.* (i) If, for any reason such a short delivery of goods by the railway administration or diversion of goods to some other destination before import, the amount of goods actually imported is less than the amount in respect of which octroi has been paid under the provisions of bye-law 23, the officer incharge of the railway barrier shall note in red ink on the second and third foils and coupon of the receipt in Form 10 the actual amount of goods imported, and the importer may within seven days of the date of actual import, or of the date of import of the

last instalment of a consignment, present at the Head Octroi Office a claim for a draw-back of the amount of octroi paid in excess of the amount payable in respect of the goods actually imported, and if the Octroi Superintendent is satisfied that such claim is in order, he shall pass the claim for payment, out of his imprest, by the officer in-charge of the central barrier.

(2) The amount of goods in respect of which a claim is passed under clause (1) and the amount of octroi repaid shall be entered in the head office Jinswar in red ink under the totals of the day from which the amount shall be deducted.

(3) Claims for refunds on account of excess payments of octroi owing to miscalculations or any other cause shall be dealt with, so far as may be, in accordance with the provisions of clauses (1) and (2).

27. The trade ware-house. (1) The Cantonment Board may maintain a trade ware-house for the convenience of whole-sale traders who may deposit their goods therein on such terms and conditions as the Cantonment Board may prescribe.

(2) The Cantonment Board may charge rent for the use of a separate room in the trade ware-house for the whole period of its occupation, and for the use of a portion of the general store-room for any period after the first seventy two hours during which such portion is occupied, and a table of the rents fixed by the Cantonment Board for accommodation shall be posted up at the entrance to the ware-house and rents leviable shall be recovered by the officer in-charge of the ware-house barrier when a trader finally removes his goods from the ware-house, and at least once a month during his stay a receipt being issued in Form 4-B of the Cantonment Account Code, 1924 and the counterfoils of receipts issued and the amount of rent collected shall be remitted daily to the Head Octroi Office together with other collections.

(3) The Cantonment Board shall establish at the gate of the ware-house a barrier, the procedure at which shall be governed by the bye-laws governing the procedure at out-post barriers.

28. Admission of goods to and removal of goods from a trade ware-house.—Where a trade ware-house is maintained, if goods brought to a barrier for import or declared to be intended for temporary detention within octroi limits and eventual export, they shall be treated as if they were goods intended for immediate export under the provisions of bye-law 16, as the case may be save that for the barrier of export shall be substituted the ware-house barrier and when the goods are removed from the ware-house barrier it shall be considered to be a barrier of import and the goods shall be treated as goods intended for use or consumption within octroi limits or as goods intended for immediate export according to the declaration made at ware-house barrier at the time of their arrival.

29. Daily trading from a trade ware-house.—(1) Notwithstanding anything contained in bye-law 28, the Cantonment Board may allow a trader to use the ware-house as a convenience for conducting daily business in the town, permitting him from day-to-day to remove portions of the goods from the ware-house and to bring back such goods as may not be disposed of by fixed hour in the evening.

(2) For every trader permitted to use the ware-house under the provisions of clause (1) an account shall be kept in a ware-house ledger to be maintained in Form 12, in which shall be entered all imports, removal and re-imports of goods as they occur and each evening a balance shall be struck showing the goods remaining in the ware-house and the trader shall be liable for octroi on the goods thus shown to have been disposed of during the day.

(3) Ledger accounts, including ware-house rent entered in column 7 of the ledger, shall be settled on the last day of each month, when the Tax Collector in-charge shall satisfy himself that the balance of goods shown in the accounts against each trader's name corresponds with the goods in the ware-house or if a trader removes his goods before the end of a month, the account shall be settled when the trader finally removes his goods from the ware-house.

(4) The Octroi Superintendent shall from time to time verify the daily balance of goods shown in the ledger.

30. Extension of trade ware-house to larger mills, mandis etc.—In the case of large mills, or other trading institutions, where only whole sale business is carried on, to which in the opinion of the Cantonment Board the concession may safely be granted, a barrier may be set up at the gate of the ware-house, the procedure at which shall also be governed by these bye-laws, as in the case of an ordinary out-post barrier. There shall be no entry into or exit from such ware-house, except through the gate where the barrier shall be set up. The accounts of such barrier shall be kept in the same forms as those prescribed for a trade ware-house barrier. Every owner, lessee or occupier of a shop or stall who may be permitted to carry on his business inside the ware-house shall execute an agreement with the Cantonment Board which shall include the following conditions, to be observed by him :—

- (i) That only the business of a whole-saler shall be carried on by him in the ware-house, and that he shall not trade in quantities less than those set out in the agreement;
- (ii) That no exit into or from his shop or stall inside the ware-house shall be made by him except through the main door provided for the purpose;
- (iii) That he shall make a pro-rata payment in advance to the Cantonment Board of an annual sum towards the cost of maintaining the ware-house barrier and its staff, as shall be fixed by the Cantonment Board;
- (iv) That in the event of a breach of any of the conditions contained in the agreement the concessions so granted shall be withdrawn by the Cantonment Board and all such goods in the ware-house, upon which octroi has not already been paid, shall be at once assessed therefor. Should a breach of the conditions involve any breach of the bye-laws, then the provisions of bye-laws 62 shall also operate.

31. Ware-house to be used when importer is unable or unwilling to pay octroi at time of import. Where a trade ware-house is maintained, if any person importing goods liable to octroi is unable or unwilling to pay the octroi due at the import barrier, he shall take the goods under supervision to the ware-house where they shall be treated as goods brought to the ware-house under the provisions of bye-law 28.

32. Power to demand passes regarding goods.—(1) The Octroi Superintendent or any Octroi Inspector meeting person with goods which he deems to have been imported and to have been liable to octroi on import, may demand the receipt or pass covering such goods and may verify the entries therein by inspection of the goods, and any person called upon for his receipt or pass under this clause shall produce it and shall permit the officer demanding it to inspect the goods.

(2) If, on checking the goods with the receipt or pass, the officer finds that all the items in the receipt or pass are correct, he shall fill up the columns in the blank coupon attached to the receipt or pass; shall tear the coupon of the receipt or pass and keep it for comparison with the counterfoil at the barrier, and shall then endorse his name on the back of the receipt or pass and return it to the presenter.

(3) If the person in-charge of the goods has no receipt or pass if the officer finds reason to believe that the full amount of octroi has not been paid on the goods or that the goods do not tally with the description entered in the receipt or pass, such officer may and if he finds that the third foil of pass granted under bye-law 23 has not been torn off, shall require such person to accompany him to the Head Office, where the case shall be enquired into by the Octroi Superintendent. Any such person shall accompany such officer to the Head Octroi Office when called upon to do so under this bye-law. The Octroi Superintendent, if he is satisfied that the octroi payable on each goods has not been paid or has not been paid in full, shall assess the amount of octroi payable, demand payment of the amount from the person in-charge of the goods and, on receipt of the amount shall fill

up a Receipt in Form 5, retain the counterfoil and hand over the foil with blank coupon attached, to the person in-charge of the goods. The Octroi Superintendent shall subsequently report the case to the Executive Officer with a view to the orders of the Cantonment Authority being taken as to whether a prosecution should be instituted under section 82(1) of the Cantonment Act, 1924.

(4) An Officer obtaining coupons under clause (2) of this bye-law shall take such coupons to the barrier or barriers from which issued, and shall there verify the coupons with the counter-foils, and if he finds that the entries are correct, shall initial the counterfoils and drop the coupons into the barrier cash box. If in any case a discrepancy is detected he shall forward the coupon concerned under separate cover to the Head Office with a report.

(5) All vehicles shall stop if signalled to do so by the inspecting officials authorised by the Cantonment Executive Officer for the purpose as required under this bye-law and under the provisions of section 81 of the Cantonments Act, 1924 to ascertain if anything liable to the octroi for inspection is being carried therein.

33. Notice to be given of seizure of goods.—When any goods are seized in exercise of the power conferred by section 82(2) of the Cantonments Act, 1924, the officer seizing them shall immediately give or send to the importer or exporter a notice in Form 13, appended to these bye-laws.

34. Tax Collectors at a Barrier shall be responsible for the safe custody of the money received by him as octroi tax, transit pass fee and any other money admissible under the octroi schedule/bye-laws.

35. Progressive totals of receipts to be filled up at once.—Every collecting officer issuing a receipt or pass, other than a transit pass, under any of these bye-laws, shall fill up the progressive totals of octroi received at the foot of the counterfoil of the receipt of pass at the time of issue thereof, and the octroi Superintendent, Octroi Inspector, members of the Board or other officers inspecting a barrier shall see that progressive totals are thus filled up and not postponed till the end of the day. Counterfoils thus checked shall be initialised by the officer or member of the Board making the inspection.

36. List of persons permitted to compound for octroi to be maintained; payment of composition to be in advance.—(1) persons permitted under provisions of sub section (1) of Section 101 of the Cantonments Act, 1924, to compound for octroi may either compound for the gross octroi payable in respect of goods imported by them, obtaining refunds under the provisions of these bye-laws in respect of goods subsequently exported, or compound for the net amount of octroi payable after deduction, from the gross amount payable in respect of goods imported, of the amount to be refunded in respect of goods exported, and the Cantonment Board shall maintain a list in Form 14, appended to these bye-laws, of all persons permitted so to compound in which shall be entered in separate parts the names of persons permitted to compound for the gross octroi payable by them and the names of persons permitted to compound for the net octroi payable by them respectively, and such list shall be kept corrected up-to-date, and a copy of English and Vernacular of the entries in columns 1 to 4 thereof, signed by the Executive Officer, shall be posted at each barrier, and to every such person books of passes in Form 15 shall be supplied.

(2) Every person permitted to compound for octroi shall pay the amount of the composition strictly in advance, and at the expiry of the period of the composition his name shall forthwith be struck off from the list maintained under clause (1) unless payment in respect of the following period has previously been made.

(3) The receipt of moneys in composition for octroi shall be acknowledged by a receipt in Form 4-B of the Cantonment Account Code, 1924, to be issued at the Cantonment Office or, if he has been authorised in this behalf, by the Octroi Superintendent at the Head Octroi Office.

37. Procedure for import of goods covered by a Composition Pass.—Notwithstanding anything contained in these bye-laws, when a person who has been permitted to compound

for octroi wishes to import any goods on which octroi is leviable, he shall fill up a pass in Form 15 and send it to the barrier of import, where the officer in-charge of the barrier shall see that the name of the person who has signed the pass is on his copy of the list maintained under the provisions of bye-laws 36, and, if so, after satisfying himself that the goods to be imported agree with the details entered in the pass, shall fill up the certificate at the foot of the pass and the coupon, tear off the coupon and deliver it to the person who presented the pass, drop the pass into his cash box and allow the goods to pass the barrier.

38. Procedure on export of goods by persons permitted to compound for net octroi.—Every person permitted to compound for the net octroi payable by him shall be provided with a book of export passes in Form 16, and notwithstanding anything contained in these bye-laws when such a person wishes to export any goods on which octroi is leviable on import he shall fill up a pass in Form 16, and sent it with the goods to the barrier of export, when the officer in-charge of the barrier shall see that the name of the person who has signed the pass is on his copy of the list of person permitted to compound for the net octroi payable by them, and; if so, after satisfying himself that the goods to be exported agree with the details entered in the pass, shall fill up the certificate at the foot of the pass and the coupon, tear off the coupon and deliver it to the person who presented the pass drop the pass into his cash box and allow the goods to pass out.

39. Passes to be filled and used for calculation of terms of composition.—When cash boxes are received at the head Octroi office all passes in Form 15 or Form 16 found therein shall be examined with a view to ascertaining that the certificate at the foot cover the details of the passes, and such passes shall be filed separately under the name of each person permitted to compound for octroi and shall serve as a basis on which to calculate the terms on which composition should be allowed when such terms are next revised, consideration being had, in the case of person permitted to compound for the net octroi payable by him, to the net amount of goods imported, after deducting from the total amount of goods imported, as shown by the passes in Form 15, the amount of goods exported as shown by the passes in Form 16 and no account being taken of exports not covered by a pass in Form 16.

40. Procedure for closing the transaction of the day.—(1) At the close of each day, at a time to be fixed by the Cantonment Board, the transactions of the day shall be closed, the officer in-charge of each barrier shall have the progressive total of the money received for the day taken up to the last counterfoil used in each book of receipts or passes and entered thereon, and shall also have the receipts or passes of the day classified in Jinswars to be compiled in Form 6, the classification being in accordance with the classification adopted in the sanctioned octroi schedules, the items shall be entered one after the other from the counterfoils of the day, the serial number of the receipt or pass being quoted in column 1, and the details of the goods and the amount of octroi paid entered in the appropriate columns, the cash box, receipt books, pass books and Jinswars shall then be forwarded to the head office together with the third foils of passes retained under bye-law 24 and the foils of passes presented under clause (3) of bye-law 15.

(2) To prevent delay, and to ensure that all moneys as received by the collecting officers, are immediately placed under lock and key, the Cantonment Board shall provide a double set of books and two cash boxes at each barrier, so that while one set is at the head of office, the other shall be available for use at the barrier. The Jinswars shall be on loose forms.

41. The cash books and forms of each barrier shall be collected personally by the Tax Collector deputed as cash Collector for the purpose by the Executive Officer daily in the morning and shall bring it to the head octroi office and shall hand over the same to the officer in-charge of the central barrier. The Octroi Superintendent or in his absence the Tax Inspector shall ensure that cash so received is deposited daily with the Cashier, Cantt Board, Jalandhar.

42. After the money has been collected by the Tax Collector the amount shall be endorsed by the relieving officer at

the foot of the last counterfoil of the day for the barrier concerned as well as on the barrier jinswar. The aggregate amounts of all the octroi posts shall then be brought to account as prescribed in bye-law 43.

(2) The counterfoil/jinswar received from the barrier concerned shall be checked cent per cent by the Tax Inspectors and initialled by them. The Octroi Superintendent who shall also check at least two percent of them in detail, initialling the checked counterfoils in proof of having done so. If the total agrees with the total endorsed on the counterfoil and jinswar under clause (1) of this bye-law the last counterfoil on which the total for the day has been entered shall be signed by the Octroi Superintendent or in his absence by the Tax Inspector.

(3) The foils of passes received under clause (3) of bye-law 15 and the third foil of passes retained under bye-law 24 shall be pasted on their counterfoil and if when examining the counterfoils, as required by clause (5) of bye-law 15, the Octroi Superintendent finds that the foil has not been pasted for two days he may call a special investigation to be made.

(4) On completion of the procedure prescribed clauses (1) to (3) of this bye-law the books shall be returned to the barriers through the Tax Collectors deputed for the purpose without delay and the jinswar retained in the head office.

43. The cash shall be brought to account in the following manner :—

Procedure for bringing the cash to account

(i) If the Executive Officer himself, or through the Cantonment Cashier, receives the collection, he shall bring them to account direct in his General Cash Book (Form 8-B) of the Cantonment Account Code, 1924 and remit them to the treasury in usual way.

(ii) If the Octroi Superintendent receives the collections, and if the head octroi office is in the same building as the office of the Executive Officer, the procedure shall be similar to that laid down in clause (i) of this bye-law. If the Octroi Superintendent receives the collections, and if the head octroi office is at a distance from the office of the Executive Officer, he shall enter them under the appropriate heads, in columns 1 to 4 of the cash book to be kept up by him in Form 17 appended to these bye-laws. In column 5 he shall show the amount remitted to the treasury or to the Cantonment Office, as the practice may be. The book shall be closed daily and the money remitted with a challan in Form 5 A-B or 5-B of the Cantonment Account Code 1924 as the case may be.

(iii) If the Octroi Superintendent remits the money direct to the treasury, one of the foils of the challan (Form 5-AB of the Cantonment Account Code) returned from the treasury shall be filed by him in a guard file as his receipt, and the other shall be sent to the Executive Officer, with a statement in Form 18, appended to these bye-laws. On receipt of the challan the Executive Officer shall enter the amount shown therein in his General Cash Book (Form 8-B of the Cantonment Account Code).

(iv) If the Octroi Superintendent remits the money to the Cantonment Office, he shall send it with a challan in Form 5-B of the Cantonment Account Code and the Executive Officer shall receive it and bring it to account in his General Cash Book (Form 8B of the Cantonment Account Code). One foil of the challan shall be returned to the Octroi Superintendent as a receipt, and the other kept by the Executive Officer as a voucher for his entry in the General Cash Book.

(v) If the Octroi Superintendent receives the collections under the latter part of clause (ii) of this bye-law, the Executive Officer shall check the cash book (Form 17) once a month, and sign it in token of his having done so.

44. Compilation of Head Office Jinswar.—(1) The jinswars received from the barrier shall be arranged each day in a fixed order and the total of all the barriers for the day and progressive total of all the barriers carried on from the beginning of each month shall be entered at the foot of the jinswar of the last barrier.

(2) From these jinswars shall be compiled each day the Head Office Jinswar in Form 18. The columns of this jinswar shall be totalled every month, and at the end of the year a statement showing the totals under each head of the jinswar for the whole year shall be prepared.

45. Refund of Octroi when payable.—Subject to the provisions of bye-laws 15 and 38 every person who exports goods on which octroi is payable on import shall be entitled to a refund in respect of such goods provided that—

(a) When octroi has been newly imposed in the Cantonment on any goods or the octroi rates on any goods have been revised, a refund shall not be given in respect of such goods or shall be given at the old rates for such period after the imposition of the tax or the revision of the rates, as the Local Government may prescribe;

(b) No refund of less than fifty paise shall be given;

(c) No refund will be admissible in respect of goods which have been manufactured within octroi limits from raw material on which octroi has been paid.

(d) No refund shall be payable on the goods which are exported outside the Cantonment limits after the expiry of six months from the date of their import into the Cantonment limits.

46. Claims for refunds to be dealt with promptly.—Claims for refunds shall be promptly dealt with, and when a claim has been admitted, it shall be paid on demand even though the budget grant for refunds is hereby exceeded.

47. Notices as to the manner of obtaining refund to be printed and pasted.—The Cantonment Board shall have notices printed and kept at the head octroi office for free distribution, showing the manner in which refunds may be obtained, and copies of such notices shall be pasted at each barrier and at other public places.

48. Appointment of Officer in-charge of refunds.—The Cantonment Board shall appoint an officer or member of the Board to be in-charge of the payment of refunds, and such officer or member of the Board to be in-charge of the payment of refunds, and such officer or member of the Board shall attend every day, excluding Sundays and other holidays, at the head octroi office, for such hours as the Cantonment Board may prescribe.

49. Permanent advance to be given for refunds.—The Cantonment Board shall grant to the officer or member of the Board in-charge of refunds a permanent advance for the payment of refunds of such amount as the Cantonment Board may prescribe, provided that such amount shall ordinarily be equal to the average monthly amount of refunds paid.

50. Presentation of refund Applications.—(1) Every person wishing to obtain a refund in respect of goods to be exported by him shall fill up columns 1 to 15 of an application in Form 19, which may obtain free of charge from the head octroi office and after signing and dating the application shall present it at the head octroi office.

(2) An application made under the provisions of clause (1) shall be made by the exporter of the goods himself or by an agent authorised by him in writing in this behalf.

(3) No application made under the provisions of clause (1) shall relate to more than one consignment of goods or to the goods of more than one person, but an application may be made in respect of more than one description of goods to be exported in one consignment, provided that goods of different descriptions shall be detailed separately in the application and no refund shall be payable in respect of goods of a single description on which the octroi payable on import is less than five rupees.

51. Verification of refund applications.—(1) The Cantonment Board shall appoint one or more verifying officers, who shall be members of the Board or responsible officers and not Tax Collectors or Clerks, for the verification of applications presented under bye-law 50, and when such an application is presented, the verifying officer shall satisfy himself that the goods to be exported agree with the details entered in the application, shall calculate the refund payable and, after filling up columns 11 to 15 of the form, shall sign the certificate at the foot of the form, being careful to insert the exact hour and date of the examination, and to record in words as well as in figures the amount of refund admissible.

(2) The goods to be exported need not necessarily be brought to the head octroi office for the purpose of the verification of the application under the provisions of clause (1) if the Cantonment Board can arrange otherwise, and in any case the verifying officer shall exercise discretion and good faith as to the nature and extent of examination necessary in the interest of the Cantonment Board, and shall cause no avoidable injury to the goods examined and no unreasonable delay to the exporter, and the Cantonment Board, shall take measures to ensure that the provisions of this sub-section are duly complied with.

(3) If the proportion of goods exported by rails is sufficient to warrant such procedure, the Cantonment Board shall require the verifying officer to attend daily at specified hours the railway barrier. In calculating the amount of octroi refundable, fraction of a rupee not exceeding fifty paise shall be ignored and if it exceeds fifty paise, then it will be counter as one rupee.

52. Details of application to be entered in the refunds ledgers.—(1) When an application has been verified under the provisions of bye-law 51, the refund clerk shall enter details of the application in columns 1 to 5 the refund ledger to be maintained in Form 20, note the serial number in the places provided at the top of the application form and the coupon attached thereto, fill in the date and hour by which the goods must be exported in column 16 of the application form and hand over the application to the exporter.

(2) The Cantonment Board shall prescribe the interval, not exceeding twelve hours within which goods must be exported after an application has been handed back to an exporter and may prescribe different intervals in respect of different barriers of export.

53. Procedure at export barrier.—(1) When an exporter has received back his application under the provisions of bye-law 52, he shall take or send it with the goods to be exported to the export barrier.

(2) If the application with the goods is presented at the export barrier before the time entered in column 16 of the form has passed, the officer in-charge of the barrier after seeing that the goods actually being exported agree with the details mentioned in the application, shall fill up and sign the certificate on the reverse of the application and of the coupon, shall tear off the coupon, drop it into his cash box and return the application to the exporter; provided that if the goods brought to the barrier for export do not agree with the details entered in the application, he shall make a note on the reverse of the application as to the goods actually brought to the barrier for export, and no refund shall be payable in respect of the consignment unless the exporter has the goods re-verified in accordance with the provisions of bye-law 51.

(3) If the application with the goods is presented at the export barrier after the time entered in column 16 has passed, the officer in-charge of the barrier shall enter on the reverse of the application the time at which the application with the goods was presented, and no refund shall be payable in respect of the consignment unless the exporter has the goods re-verified in accordance with the provisions of bye-law 51.

(4) When goods are re-verified as required by the provisions of clause (2) or Clause (3) all entries made by the verifying officer or refund clerk on the form shall be made in red ink.

54. Payment of refund.—When an application has been certified under the provisions of clause (2) of bye-law 53 and

the goods to which it relates have been exported, the exporter or person authorised on the application to receive payment of the refund shall, as soon as may be, and in any case not later than thirty days from the date of the registration of the application in the Refund Ledger under the provisions of bye-law 52, present the application at the head octroi office together with the railway receipt, if the consignment has been exported by rail, or if the goods are perishable goods such as meat, fresh fruit, vegetables or batableaves, or have been exported as personal luggage accompanying the exporter, with a written declaration of the details of the consignment.

(2) When an application is presented under the provisions of clause (1) the Refund Clerk shall check it with the entry relating thereto made in the Refund Ledger under the provisions of sub section (1) of bye-law 52, shall take a copy of the railway receipt, if any, in a register to be maintained in Form 21, shall fill up and sign the report on the reverse of the application, shall lay the application before the officer or member of the Board in-charge of refund who shall pass an order for payment, and make the refund to the exporter or person authorised to receive payment taking his acknowledgment in the space provided on the form and stamping the application as "Paid" and return the railway receipt, if any, after stamping it with the Cantonment Board's stamp. In case the person concerned fails to present himself to get the refund within a period of six months from the date of sanction of refund no amount will be refunded and the claim considered lapsed.

(3) Details of each payment made under the provisions of sub clause (2) shall be entered in the order to which it is made in columns 9 to 12 of the Refund Ledger, the date of payment being noted in column 7 of the Ledger against the original entry, and if for any reason the full amount claimed is not paid, the amount short paid shall be entered in column 13, with a note as to the clause of its non-payment.

(4) When payment is to be made to an authorised agent or the exporter, such agent shall be required to produce a general or special power of attorney properly stamped under the provisions of clause (1).

(5) If any application is not presented within thirty days of the date of its registration in the Refund Ledger under the provisions of sub section (1) of bye-law 52, it shall be deemed to have lapsed, and no refund shall be payable in respect of goods to which it relates Provided that if an application has been lost and the intimation of the loss is given to the officer or member of the Board in-charge of refunds within thirty days of the date of registration of the application in the Refund Ledger, the refund may be paid if such officer or member of the Board is satisfied by a reference to the Refund Ledger and the coupon detached from the application under the provisions of sub section (2) of bye-law 53, that the goods to which it related have actually been exported, provided further that if in such a case a refund is to be paid, a search fee of such percentage of the value of the refund as the Cantonment Board may fix, but of not less than two rupees, may be recovered from the applicant by deduction from the amount of refund payable.

55. Check of coupons at head octroi offices.—(1) When coupons filled up under the provisions of sub section (2) of bye-law 53 are received at the head octroi office, the details entered therein shall, if the applications from which they have been detached have been received or, if the applications have not yet been received, when they are received, be checked with the applications and the coupons shall thereafter be pasted upon the application.

(2) If and when the details entered in a coupon are checked under the provisions of clause (1) they are found not to agree with the application, or if in any case a claim has been paid and the coupon relating thereto is not received from the barrier when the cash boxes are received, a special investigation shall at once be made by the officer or member of the Board in-charge of refunds.

56. Jinswar of refund payments to be maintained.—The refund payments made each day shall be compiled into a jinswar in Form 6, a line being given to each application

paid, and daily and progressive totals being taken at the foot of the statement.

57. *Closing of refund ledger.*—(1) The refund ledger (Form 20) shall be closed at the end of each month and signed by the Octroi Superintendent and by the officer or member of the Board in-charge of a refund.

(2) The method of closing shall be as follows :—

- (a) Columns, 4, 12 and 13 shall be totalled.
- (b) Column 8 of the previous month's laps shall be filled up and totalled, and shall be added to the total of columns 12 and 13 for the current month.
- (c) The balance shall then be struck by deducting the total now arrived at, that is, the aggregate of columns 12 and 13 of the current month and column 8 of the previous month, from the total of column 4 of the current month plus the opening balance; this balance will be the opening balance; for the next month and shall be provided in the Refund Ledger by noting the number and amount of each up-paid refund application, the aggregate of which should agree with the balance.

58. *Recoupment of permanent advance for refunds.*—(1) When the Refund Ledger is closed in the manner prescribed in bye-law 57, or at such intermediate periods as may be necessary, the permanent advance shall be recouped on a bill in Form 20-B of the Cantonment Account Code, 1924, supported by all the applications in hand which have been paid up-to-date, the total amount of the bill corresponding with the total payment up-to-date as entered in column 12 of the ledger; the date and amount of the bill shall be entered in columns 15 and 16 of the ledger, and on receipt of the cheque in payment of the bill the number and date of the cheque shall be entered in column 17.

(2) All bills paid under the provisions of clause (1) together with the applications in support thereof, shall be filed separately for purposes of audit.

59. *Extra ordinary passes for goods exported and re-imported.*—(1) Notwithstanding anything contained in these bye-laws, if any person wishes to export goods and subsequently to re-import them without obtaining a refund on export and paying octroi on re-import, he shall take the goods to the head octroi office where, a pass shall be issued to him in form 22, appended to these bye-laws. A fee of Rupees Five per extraordinary pass shall be charged.

(2) When a pass has been obtained under the provisions of clause (1) the person in-charge of the goods shall take them, and under the supervision of a peon, if possible, to the barrier of export where they shall be presented within such time as the Cantonment Board may prescribe, having regard to the distance from the head octroi office to the barrier concerned, and the officer in-charge of the barrier shall see that the goods tally with the details entered in the pass, and if they do so and the time by which the goods should have been presented have not passed, shall sign the certificate on the exit coupon, return the pass to the person in-charge of the goods and send the coupon to the head octroi office where it shall be pasted on the original counterfoil, if the goods do not tally with the details entered in the pass, or the time by which they should have been prescribed has passed, shall refuse to sign the exit coupon and shall return the pass to the head octroi office.

(3) When goods exported on a pass in Form 22 under the provisions of clauses (1) and (2) are brought back for re-import the officer in-charge of the barrier shall demand the pass, satisfy himself that the articles to be imported are covered by the pass and if they are so covered shall endorse the return of the goods on the reverse of the pass, fill up the entrance coupon and tear it off for submission to the head octroi office where it shall be pasted on the counterfoil with the exit coupon, return pass to the person in-charge of the goods and allow the goods to pass the barrier and, if the goods do not appear to be covered

by the pass, shall deal with them as if they were goods declared to be intended for consumption or use within octroi limits.

60. *Passes for animals taken out daily to graze.*—(1) Where live animals are liable to octroi on import, any person who sends such animals out to graze beyond octroi limits may, on application to the officer in-charge of the barrier by which such animals are sent out, obtain a pass in Form 23, and when such animals are taken out, the barrier Tax Collector shall fill up the first three columns on the pass, and on their return shall count them, and after seeing that the number agrees with the number taken out in the morning shall place his signature in column 4.

(2) Passes in Form 23 are intended for daily use for a month or more and shall be printed on stout paper and kept in the possession of persons who take the animals out to graze.

61. *Appeal from assessment of octroi by the Octroi Superintendent.*—Any person dissatisfied with the assessment of octroi payable in respect of his goods, when such assessment is made by the Octroi Superintendent, shall pay the amount of octroi assessed, but may within seven days from the date of such payment appeal to the Cantonment Board against such assessment.

62. *Penalty.*—Any person committing a breach of any of these bye-laws, shall be, on conviction by a magistrate, in cases falling under section 82(1) of the Act, be liable to the penalty provided in that Section, and in other cases shall be punishable with fine which may extend to two hundred and fifty rupees.

(Authority :—Cantonment Board Resolution No. 1, Dated 21-05-1990).

Sd/- R. S. CHEEMA
Cantt. Executive Officer,
Jalandhar Cantt.

UNIT TRUST OF INDIA

Bombay-400005, the November 13, 1991

No. UT/DBD&M/222A/SPD 163/91-92.—The provisions of the Unit Growth Scheme 5000 (UGS 5000) formulated under Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 approved by the Executive Committee in the Meeting held on 6th May, 1991 are published here below.

UNIT GROWTH SCHEME (UGS-5000)

In exercise of the powers conferred by Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963), the Board of the Unit Trust of India hereby makes the following Unit Scheme :

I. *Short Title and commencement :—*

- (1) The Scheme shall be called "Unit Growth Scheme" (UGS-5000)
- (2) It shall come into force on the 1st day of September, 1991 and shall be in force for a period of 10 years. The Trust may however, if circumstances permit extend the tenure of the Scheme beyond 10 years in such manner as the Board may determine or in the alternative - if the scheme stands terminated pay the repurchase proceeds as stated in clause XXV hereof or give the unitholders choice of investing the proceeds in any scheme in force at that time.
- (3) The offer of units under the scheme will be open for 35 days from 1st September, 1991 to 5th October, 1991 (both days inclusive). Provided that the Chairman or the Executive Trustees may suspend the offer of units under the scheme at any time before the expiry of the aforesaid period by giving a week's notice in such newspapers as may be decided.

II. Definitions :—

In this scheme, unless the context otherwise requires.

- (a) The Act "means the Unit Trust of India Act, 1963;"
- (b) "acceptance date" with reference to an application made by an applicant to the Trust for sale or repurchase of units by the Trust means the day on which the Trust, after being satisfied that such application is in order accepts the same;
- (c) "Eligible persons" under the scheme shall mean and include—
 - (i) Unitholders of US-64 who are registered in the books of UTI as holders of units of US-64 as on 30th June, 1991 and those who have applied for purchase of new units of UTI (and not by transfer or sub-division) of US-64 during the month of July, 1991.
 - (ii) Members of the Reinvestment Plan 1966 who do not hold any parent units under US-64
 - (iii) Donees who have attained majority or parents/guardians of minor donees of units under the Children's Gift Plan 1970 formulated under US-64.

No other unitholder of any Scheme or Plan of UTI will be eligible to apply for units under this Scheme. This offer is only to the above eligible persons and so renunciation, assignment or transfer is permissible.
- (d) "number of units" to be issued means the aggregate of the number of units sold and outstanding;
- (e) "Recognised stock exchange" means a stock exchange which is, for the time being recognised under the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956);
- (f) "Regulations" means Unit Trust of India General Regulations, 1964 made under Section 43(1) of the Act;
- (g) "Reinvestment Plan" is a Plan formulated under US-64 whereby unitholders of US-64 could opt to reinvest the dividend at the special offer rate of July instead of receiving dividend under US-64.
- (h) "Unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital.
- (i) "Unit Scheme 64" means the first unit scheme made before the commencement of the Unit Trust of India (Amendment) Act, 1966.
- (j) All other expressions not defined herein but defined in the Act shall have the respective meanings assigned to them by the Act.

III. Face Value of each Unit

The face value of each unit shall be ten rupees.

IV. Application for units

- (1) The offer of units under the scheme shall be open to all those persons under the definition eligible persons. The offer of units under the Scheme will be made in 3 slabs upto a maximum of Rs. 2000/-, Rs. 3000/- and Rs. 5000/- linked to the size of holding as follows :

Size of Holding (No. of units)	Maximum eligibility
10—150	Rs. 2000/-
151—300	Rs. 3000/-
301 and above	Rs. 5000/-

The unitholders can apply to the maximum holding as indicated above in multiples of rupees one thousand subject to a minimum of Rs. 2000/- and a maximum of Rs. 5000/-.

For purposes of applying for units under the scheme by the existing unitholders under Unit Scheme 64 or reinvestment plan the Trust shall recognize applications made by the sole unitholder in case of single holdings and the first unitholder in case of joint holdings.

- (2) Applications shall be made in such form as may be approved by the Chairman/Executive Trustee of the Trust.
- (3) The payment for the units applied for by an eligible person shall be made by him alongwith the application in cash, cheque or draft. Cheques and drafts should be drawn on branches of banks within the city where the office at which the application is tendered is situated. If the payment is made by cheque, the acceptance date will, subject to such cheque being realised, be the date on which the cheque is received by the Trust or by a branch of a designated bank. If payment is made by draft the acceptance date will, subject to such draft being realised, be the date of issue of such draft provided the application is received by the Trust or a branch of a designated bank within a reasonable time.
- (4) A unit certificate will be sent by registered post with or without acknowledgement due to the address given by the applicant and the Trust will not incur any liability for the loss, damage, misdelivery, or non-delivery of the certificate, so sent.

V. Offer of Units :—

The offer of units under the Scheme shall be open for a period of 35 days commencing from 1st September, 1991 to 5th October, 1991 (both days inclusive). The Trust reserves the right to close the offer before the stipulated date. Applications received after the close of business on 5th October, 1991 and subsequently at any of the offices of the Trust shall be deemed invalid and rejected.

VI. Repurchase of units :—

- (1) The Trust shall not repurchase before December 31, 1993.
- (2) The Trust shall during the currency of the scheme after 31st December, 1993 repurchase units at the repurchase price then prevailing on receipt by it of the unit certificate/s with the form on the reverse thereof duly filed in provided all the units comprised in the certificate/s are tendered for repurchase. No partial repurchase of units represented by the unit certificate/s shall be permitted.
- (3) Payment for units repurchased by the Trust after deductions if any shall be made as early as possible after the acceptance date in such manner as the applicant may indicate in the application. No interest shall, on any account, be payable on the amount due to the applicant and the cost of remittance (including postage) or of realisation of cheque or draft sent by the Trust shall be borne by the applicant.

VII. Restrictions of offer and repurchase of units :—

Notwithstanding anything contained in any provision of the Scheme, the Trust shall not be under an obligation to offer or repurchase units—

- (i) on such days as are networking days; and
- (ii) during the period when the register of unitholders is closed in connection with (as notified by the Trust) the annual closing of the books and accounts.

Explanation :—

For the purpose of this scheme, the term "working day" shall mean a day which has not been either (i) notified under the Negotiable Instruments Act, 1881, to be a public holiday in the State of Maharashtra or such other states where the Trust has its offices; or (ii) notified by the Trust in the Gazette of India as a day on which the office of the Trust will be closed.

VIII. Offer or repurchase to be as on the acceptance date :—

The offer and repurchase of units by the Trust shall be as on the acceptance date at the respective prices prevailing on that date.

IX. Offer and repurchase prices :—

- (1) The units shall be offered at Rs. 10.- during 1st September, 1991 to 5th October, 1991.
- (2) The price at which a unit will be repurchased by the Trust (hereinafter referred to as "the repurchase price") shall be determined by the Trust on the 15th September, 1993 and thereafter on the 15th of every month or the next working day, if that happens to be a holiday) and shall apply to repurchases in the succeeding month.
- (3) The repurchase price shall be arrived at by dividing the value (determined as hereinafter indicated) as at the close of business on the working day on which the repurchase price is determined, of the assets pertaining to this scheme, reduced by liabilities pertaining to this scheme (not being contingent liabilities or liabilities in respect of the unit capital including reserves, if any) as at the close of business on the said working day, by the number of units in issue as at close of business on the said day, deducting therefrom such sum as in the opinion of the Trust is adequate to cover brokerage, commission, taxes, if any, stamp duties and other charges in relation to the realisation of investments by the Trust.
- (4) The repurchase price of a unit shall be arrived at on the basis of the material available with the Trust on the day on which the repurchase price is arrived at.
- (5) Notwithstanding anything contained to the contrary in sub clauses (2), (3) and (4), when the Trust is satisfied that in the interest of the Trust, the unit-holders and of the continuance and growth of the Scheme, it is necessary or expedient to do so, the Trust may determine the repurchase price at a rate which may not necessarily be in accordance with the provisions of sub-clause (3) and any such determination shall be deemed to be in the interest of the Trust and the unitholders.
- (6) Notwithstanding anything contained to the contrary in sub clause (2), the Trust may determine the repurchase price on any date other than the 15th day effective for such period as it may deem fit.

(7) In the event of a termination of the scheme in the manner as specified in Clause XXV hereof the Trust shall determine the repurchase price by valuing the assets pertaining to the scheme as at the close of business on the date notified for termination reduced by the liabilities pertaining to the scheme and dividing them by the number of units outstanding and deducting therefrom such sum as in the opinion of the Trust is adequate to cover brokerage, commission, taxes, if any, stamp duties and other charges in relation to realisation of investments by the Trust and other adjustments and the distribution to the unitholders of the assets in respect of the scheme. In such an event the repurchase price shall be in addition to the par value for the other distributable component of the asset per unit arrived by the Trust in a manner satisfactory to its auditors and as the Board may approve.

X. Publication of repurchase price/final repurchase price

(a) The Trust shall, as early as possible after the determination of the repurchase price, publish in such manner as it may deem fit, the repurchase price of units.

(b) Upon termination of the Scheme in the manner provided in clause XXVI, hereof the Trust shall as early as possible after determining the final repurchase price publish it in such manner as it may deem fit.

XI. Valuation of assets pertaining to this Scheme

(1) For the purpose of valuation of assets under sub-clause (2) of Clause IX, the assets shall be classified into (a) cash, (b) investments, and (c) other assets.

(2) Investments shall be valued by taking :

- A. (a) the closing prices on the stock exchange as on the working day on which the valuation is made of the securities held by the Trust pertaining to this scheme, provided where a security is quoted on more than one stock exchange the manner of determining the price of such security shall be decided by the Trust.
- (b) Where any investment was not, during the relevant period, dealt in, or quoted on any recognised stock exchange, such value, as the Trust may, in the circumstance consider to be fair value of such investment and
- B. (a) In the case of interest earning deposits, interest accrued but not received.
- (b) In the case of Government securities and debentures, interest accrued but not received, and
- (c) In the case of preference shares and equity shares quoted ex-dividend any dividend declared but not received.
- (3) Other assets shall be valued at their book value.

XII. Form of unit certificate :—

Unit Certificate shall be in Form A annexed hereto. Each unit certificate shall bear a distinctive number, the number of units represented by the certificate and the name of the unitholder.

XIII. Manner of preparation of unit certificate :—

The unit certificates may be engraved or lithographed or printed as the Board may, from time to time, determine and shall be signed on behalf of the Trust by two persons duly authorised by the Trust. Every signature may either be autographic or may be effected by a mechanical method. No unit certificate shall be valid unless and until it is so signed. Unit Certificates so signed shall be valid and binding notwithstanding that, before the issue thereof, any person whose signature appears thereon, may have ceased to be a person authorised to sign unit certificates on behalf of the Trust. Provided that should the unit certificate so prepared contain the signature of an authorised person who however is dead at the time of issue of the certificate; the Trust may by a method considered by it as most suitable, cancel the signature of such a person appearing on the certificate and have the signature of any other authorised person affixed to it. The Unit Certificate so issued shall also be valid.

XIV. Trust not to be recognised regarding unit certificates :—

The person who is registered as the holder and in whose name a unit certificate has been issued shall be the only person to be recognised by the Trust as the unitholder and as having a right, title or interest in or to such unit certificate and the units which it represents; and the Trust may recognise such unitholder as the absolute owner thereof and shall not be bound by any notice to the contrary or to take notice of the execution of any trust or save as herein expressly provided or as by some court of competent jurisdiction affecting the title to any unit certificate or the units thereby represented.

XV. Exchange of Unit Certificate and procedure when the certificate is mutilated, defaced, lost etc. :—

(1) In case any unit certificate shall be mutilated or worn or defaced, the Trust at its discretion, may issue to the person entitled a new unit certificate representing the same aggregate number of units as the mutilated or worn or defaced unit

certificate. In case any unit certificate should be lost, stolen or destroyed, the Trust may, at its discretion, issue to the person entitled a new certificate in lieu thereof no such new certificate shall be issued unless the applicant shall previously have—

- (i) Furnished to the Trust evidence satisfactory to it of the mutilation, wearing out, defacement loss, theft or destruction of the original unit certificate.
- (ii) Paid all expenses in connection with the investigation of the facts.
- (iii) In case of mutilation or wearing out or defacement produced and surrendered to the Trust the mutilated or worn out or defaced unit certificate; and
- (iv) furnished to the Trust such indemnity as it may require. The Trust shall not incur any liability for issuing such certificate in good faith under the provisions of this clause.

(2) Before issuing any certificate under the provisions of this clause, the Trust may require the applicant for the unit certificate to pay a fee of Re. 1/- per unit certificate issued by it together with a sum sufficient in the opinion of the Trust to cover stamp duty, if any, or other charges or taxes including postal registration charges may be payable in connection with the issue and despatch of such certificate.

XVI. Register of unitholders :—

The following provisions shall have effect with regard to the registration of unitholders :

- (1) A register of unitholders shall be kept by the Trust at its Head Office and there shall be entered in the register :
 - (a) the name and addresses of the unitholders;
 - (b) the distinctive number of the unit certificate and the number of units held by every such person; and
 - (c) the date on which person became the holder of the units in his name.
- (2) (a) if a unit certificate stands registered in the name of two persons, such persons shall be deemed to hold the certificates jointly and a discharge by the person first named in the register of the unitholders shall, as regards receipt of amounts due in respect of such units, discharge the Trust in respect of such amounts.
- (b) Where two individuals, none of them being a minor, apply for issue of a unit certificate in their favour and request in the application that either of them should be permitted to deal with the units, the Trust shall record in its books suitable entries to take note of such requests and when a unit certificate has been issued in such circumstances, then either of the holders shall be entitled to be with the units represented by such certificate, and a discharge by either of such persons shall, as regards receipt of amount due in respect of such units, discharge the Trust in respect of such amounts.

Provided that the income distribution declared in respect of the units represented by such certificates shall be paid to the person first named in the register of unitholders.

(3) any change of name or address on the part of any unitholder shall be notified to the Trust, which, on being satisfied of such change and on compliance with such formalities as it may require shall alter the register accordingly.

(4) Except when the register is closed in accordance with the provisions in that behalf hereinafter contained, the register shall during business hours (subject to such reasonable restrictions as the Trust may impose but so that not less than two hours on each business day shall be allowed for inspection) be open to inspection by any unitholder without charge.

(5) The register will be closed at such times and for period as the Trust may from time to time determine provided that it shall not be closed for more than 60 days in any one year; the Trust shall give notice of such closure by advertisement in such newspaper as the Board may direct.

XVII. Receipt by unitholder to discharge Trust :—

The receipt of the unitholder for any moneys paid to him in respect of the units represented by the certificate shall be a good discharge to the Trust.

XVIII. Death or bankruptcy of a unitholder :—

(1) In case of death of either of the joint holders of a unit certificate, the survivor shall be the only person recognised by the Trust as having title to or interest in the units represented by the unit certificate. Provided that nothing herein contained shall affect any right which any other person may have as against such survivor in respect of the said units.

(2) In the event of death of a single holder, the nominee shall be the person recognised by the Trust as the person entitled to the amount payable by the Trust in respect of units under the Regulations.

(3) In the absence of a valid nomination by a single unit holder, the executor or administrators of the deceased unitholder or a holder of succession certificate issued under part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) shall be the only persons who may be recognised by the Trust as having any title to the unit.

(4) Any person becoming entitled to a unit consequent upon the death or bankruptcy of a unit holder may, upon producing such evidence as to his title as the Trust shall consider sufficient, be paid the repurchase value of all units to the credit of the deceased at the repurchase price ruling on the date on which all the formalities in connection with the claim have been complied with by the claimant.

XIX. Application on behalf of minor :—

(1) An adult individual being a parent, step-parent or other lawful guardian of a minor may apply for the units and deal with them in accordance with and to the extent provided in sub-section (2A) of Section 21 of the Act and in this scheme.

(2) Such an adult while applying for units shall furnish to the Trust in such manner as may be specified, proof of age of the minor and the capacity to hold and deal with units on behalf of the minor.

Provided that the Trust shall be entitled to act on the statements made by such adult in the application form without any further proof.

XX. Transfer of units :—

(1) Every unitholder shall be entitled to transfer the units or any of the units held by him by an instrument in writing in a form approved by the Chairman of the Trust provided that no transfer shall be registered if the registration thereof would result in the transferor or the transferee being a holder of a number of units not being a multiple of ten.

(2) Every instrument of transfer shall be signed by the transferor and the transferee and the transferor shall be deemed to remain the holder of the units transferred until the name of the transferee is entered in the register in respect thereof.

(3) Every instrument of transfer shall be duly stamped (if under the law it requires to be stamped and left with the Trust for registration alongwith the relevant units certificate or certificates and such other evidence as the Trust may require in support of the title of the transferor or his right to transfer the units. For purposes of calculation of the value of stamps to be affixed, the value of each unit shall be Rs. 10/- i.e. at par until such time the repurchase price is fixed and published by the Trust after 31st December, 1992. If the instrument of transfer is not adequately stamped, the Trust reserves the right to reject the instrument of transfer.

(4) Every instrument of transfer shall be lodged with the Trust for registration at least a month before the period of closure of books (twice a year) alongwith the relevant certificate. If the transfer is registered in the books of the Trust after the period of book closure as the case may be the dividend accruing for the relative half year will be paid to the transferor.

(5) When the units are issued in the official name, they shall be deemed to be transferred without any instrument of transfer from each holder of the office to the succeeding holder of the office on and from the date on which the latter takes charge of the office. When the holder of the office transfers the units so held to a person not being his successor in office the transfers shall be made by an instrument of transfer signed by the holder of the office and the name of the office.

XXI. Nomination by unitholders :—

(1) Unitholders holding units singly or two unitholders holding jointly may exercise the right to make or cancel a nomination to the extent provided in the Regulations.

(2) Unitholders being either parent or lawful guardian on behalf of a minor, an eligible institution, an applicant who has applied for units for the benefit of a mentally handicapped person shall have no right to make any nomination.

XXII. Investment limits

(1) Investments by the Trust from the funds of the Scheme in the securities of any one company shall not exceed 15% of the securities issued and outstanding of such companies. Provided that the aggregate of such investments in the capital initially issued by new industrial undertakings shall not at any time exceed 5% of the total amount of the said funds.

(2) The limits prescribed under sub-clause (1) shall not apply to investments of the Trust in bonds, deposits and debentures of a company whether secured or not.

XXIII. Income distribution

The Trust shall having regard to the income received under the scheme make a distribution of income to the unitholders after providing for expenses under the scheme.

Income distribution to the unitholders if any shall be made as soon as may be after closing of the annual accounts of the scheme as on 30th of June each year.

Such of the unitholders whose name appears in the register of the unitholders as at the close of registers prior to the declaration of income distribution by the Trust shall be entitled to receive and retain the income so distributed.

The Trust however reserves the right not to declare income distribution for the first one or two years as the objective of the scheme is aimed towards growth on investment.

XXIV. Publication of accounts

The Trust shall as soon as may be after the 30th June of each year cause to be published in such manner as the Board may decide, accounts in the manner specified by the Board, showing the working of the scheme during the period ending on 30th June. The Trust shall, on request in writing received from a unitholder, furnish him a copy of the accounts so published.

XXV. Additions and amendments to scheme

The Board may from time to time add to or otherwise amend this scheme and any amendment thereof will be notified in the official Gazette.

XXVI. Termination of the Scheme

The Scheme shall stand finally terminated as on 31st December, 2001. The outstanding units of the unitholders shall be repurchased and the unitholders shall be paid the value of their units at the repurchase price fixed for the final repurchase during the above period. Besides receiving the prorata dividend payable during 2000 and the repurchase price determined, no further benefit of any kind either by way of increase in the repurchase value or by way of dividend for any subsequent period shall accrue and the repurchase value will be paid by the Trust as early as possible after the unit certificate with the form on the reverse thereof duly completed has been received by it. The Unit Certificate received for repurchase shall be retained by the trust for cancellation.

XXVII. Scheme to be binding on unitholders

The terms of this scheme, including any amendments thereof from time to time, shall be binding on each unitholder and every other person claiming through him as if he had expressly agreed that they should be so binding.

XXVIII. Suspension or closure of sales

Sale of units under this scheme may be suspended or closed by the Trust at any time after giving notice of seven days in important daily newspapers of its intention to do so.

XXIX. Copy of Scheme to be made available

A copy of this scheme incorporating all amendments thereto shall be made available for inspection at the offices of the Trust at all time during its business hours on payment of a sum of Rs. 5/-.

XXX. Benefits to the unitholders

All benefits accruing under the Scheme in respect of capital reserves and surpluses if any available at the time of the closure of the scheme shall be distributable only among the unitholders who hold the units at its closure.

XXXI. Power to construe provisions

Should any doubt arise as to the interpretation of any of the provisions of the scheme, Chairman or in his absence the Executive Trustee shall have powers to construe the provisions of the Scheme, in so far such construction is not in any manner prejudicial or contrary to the basic structure of the Scheme and such decision shall be final and conclusive.

XXXII. Relaxation/Variation/Modification of provisions

The Chairman or in his absence the Executive Trustee of the Trust in order to mitigate hardships or for smooth and easy operation of the Scheme, relax, vary or modify any of the provisions of the scheme in case of any unitholder, or class of unitholders upon such conditions as may be deemed expedient.

FORM—A

—EMBLEM—

UNIT TRUST OF INDIA

(Incorporated under the Unit Trust of India Act, 1963)

UNIT GROWTH SCHEME (UGS-5000)

(Clause XII)

Unit Certificate No.	No. of Units
----------------------	--------------

_____	_____
_____	_____

This is to certify that the person/s named in this Certificate is/are the Registered Holder/s of _____

Units, each of the face value of Rupees Ten, subject to the provisions of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 63), the Regulations framed thereunder and the Unit Growth Scheme (UGS-5000).

Name/s

For UNIT TRUST OF INDIA

Date : _____

The scheme shall stand finally terminated on 31st December-2001.

TRANSFERABLE

FORM OF APPLICATION FOR REPURCHASE OF
UNITS UNDER UNIT GROWTH SCHEME (UGS-5000)

Date _____

To,
The Unit Trust of India

I/We _____

am/are the registered holder(s) of _____ units of the Unit Growth Scheme (UGS-5000) of the Unit Trust of India. I/We am/are, desirous of selling to the Trust all the said _____ units and offer the same for repurchase by the Unit Trust of India at par/at the repurchase price prevailing/determined by the Trust in respect of this application.

The price of the units may be paid to me by *cash/cheque/bank draft at my cost.

Signature of Witness

Signature/s of holder(s)

1. _____
2. _____

Signature of witness

Address :

For the use of the office

Acceptance Date

*Delete inapplicable words.

Payment in case permissible only if the amount does not exceed Rs. 10,000/-.

COUNCIL OF ARCHITECTURE

(Incorporated under the Architects Act, 1972)

New Delhi-110001, the 18th November 1991

Annual Report of the Council of Architecture (Incorporated under the Architects Act, 1972) for the year ending 31st March, 1991 (1-4-1990 to 31-3-1991).

No. CA-9/91.-The Council of Architecture (Incorporated under the Architects Act, 1972) has pleasure in presenting herewith its Annual Report together with the Audited Statement of Accounts, reviewing the progress for the year ending 31st March, 1991.

I. COUNCIL OF ARCHITECTURE

The Council met twice on 20th April, 1990 at New Delhi and on 11th January, 1991 in Bhubaneswar at the kind invitation of the Government of Orissa and deliberated/look decisions on the following important matters :—

1. Elected Shri J. R. Bhalla unanimously as President of the Council.
2. Elected Shri V. N. Shah as Vice-President of the Council.
3. Elected the following 5 members of the Executive Committee :—

Shri Vijay Kumar Mathur
Shri N. A. Badhka

Shri S. A. Tungare
Shri A. K. Biswal
Shri M. K. Rishi

4. Constituted the following Committees :

(i) Disciplinary Committee

Shri J. R. Bhalla
Shri N. A. Badhka
Shri M. K. Rishi

(ii) Education Committee

Prof. S. A. Tungare
Prof. V. P. Raori
Prof. C. K. Gumaste
Prof. Mansinh M. Rana
Prof. A. Mohd. Haris
Prof. S. Datta
Shri R. L. Malhotra
Shri Akhtar M. Chauhan

(iii) Advisory Committee (Appeals)

Shri V. N. Shah
Shri P. P. Dharwadkar
Shri O. P. Mehta

(iv) Admission Committee

Shri M. K. Rishi
Shri N. Hembram

5. Approved the Annual Report and Audited Statement of Accounts of the Council for the period ending 31st March, 1990.

6. Approved the document on Minimum Standards of Architectural Education as revised by the sub-committee of the Education Committee.

7. Constituted a Technical Committee comprising of Shri J. R. Bhalla, Chairman, S/Shri M. K. Rishi, R. L. Malhotra, A. K. Biswal, P. V. Thomas Manicker for considering in detail the Development rules of metropolitan cities in relation to the practice of the profession of architecture.

8. Appointed Shri Ravi K. Tandon of Messrs Ravi K. Tandon, Chartered Accountants, 2327, Dharampura, Delhi as Auditor for auditing the accounts of the Council for the year 1990-91 on an audit fee of Rs. 2,000/-

9. Appointed Shri Ashok Yadav, Senior Personnel Officer, HUDCO, New Delhi on deputations terms and conditions for a period of one year as Registrar in the Council in the pay-scale of Rs. 3700-125-4700-150-5000/-

10. Considered and accepted the report of the Advisory Committee (Appeals).

11. Resolved to pay T.A. and D.A. limited to first class/AC two tier sleeper by rail fare to the members representing professional bodies attending the meetings of the Council and its Committees.

12. Decided to publish CA Newsletter periodically, highlighting therein the main activities of the Council and appealed to the Council members for contribution and support.

II. EXECUTIVE COMMITTEE

The Executive Committee of the Council met on 20-4-1990, 19-5-1990, and 26-11-1990 at New Delhi, on 23-6-1990 in Lucknow, on 11-1-1991 at Bhubaneswar and on 15th March, 1991 at Bombay. The Committee discussed in detail/made recommendations wherever necessary to the Council for its decisions on the following issues :—

1. Recommended budget estimates for the year 1990-91.
2. Approved a sum of Rs. 10,000/- per annum to the Northern Chapter of Indian Institute of Architects from

the year 1990-91 for utilising and availing all facilities of the Chapter for the functioning of the Council

3. Recommended to the Council to register the 3rd and 4th batches of students trained at Government College of Architecture, Lucknow who have already been awarded the Bachelor's Degree in Architecture by Lucknow University.

4. Considered reports on the inspections of Schools of Architecture in India.

5. Took note of the Memorandum of Understanding being reached between the Council of Architecture and the AICTE for carrying out all the functions of the AICTE in matters connected with architectural education as envisaged under both the Acts.

6. Recommended to the Council the appointment of Shri Ashok Yadav to the post of Registrar in the Council on deputation terms and conditions from HUDCO.

7. Decided to organise a Workshop on architectural education at Bombay.

8. Considered the report of the sub-committee on the evaluation of the Associate Membership of the Indian Institute of Architects (by examination) at par with a Bachelor's Degree in Architecture of a recognised Indian University for recruitment to the superior posts and services under the control of the Central Government.

9. Re-employed Shri K. V. Narayana Iyengar, Administrative Officer who superannuated on 31st December 1990 (A.N.) for a period of six months w.e.f. 1-1-1991.

10. Decided to give adhoc grant of Rs. 5,000/- to Sir J.J. College of Architecture, Bombay to meet the shortfall towards expenditure on Workshop on architectural education, held at Bombay.

11. Constituted an Editorial Board comprising of S/Shri J. R. Bhalla, N.A. Badheka, M. N. Joglekar for the Council of Architecture News letter.

12. Resolved to count the past services rendered by S/Shri K. V. Narayana Iyengar and Vinod Kumar in the School of Planning and Architecture, New Delhi for retirement benefits.

13. Recommended the budget estimates for the year 1991-92 (recurring Rs. 13,35,000/- and non-recurring Rs. 3,50,000/-).

14. Constituted a Departmental Promotion Committee constituting of S/Shri V. N. Shah, M. K. Rishi, A. K. Biswal.

III. Disciplinary Committee

The Disciplinary Committee met once in Bombay on 16th March, 1991. At this meeting the Committee considered 9 cases referred by the Council for detailed investigation. The enquiry by the Disciplinary Committee of the Council would continue the investigations/hearings as architects appearing before the Committee raised points of legal issues during the said hearing.

IV. Advisory Committee (Appeals)

The Advisory Committee (Appeals) met on 27th November, 1990 at New Delhi and considered 25 appeals in person and in absentia. The report of the Advisory Committee (Appeals) was presented to the Council for consideration at its meeting held in Bhubaneswar on 11th January, 1991.

V. Registration

The Council received 897 applications during the year under report. 868 applications received Under Section 25(a) 8—359GI/91

and 29 applications received Under Section 25(b) of the Architects Act, 1972. Under Section 25(a) 801 persons and 4 persons Under Section 25(b) have been registered. 19 applications were rejected as these applicants were not found eligible for registration either Under Section 25(a) or Under Section 25(b). The remaining applications are in various stages of scrutiny. The Original Certificate of Registration were issued to all the 805 persons registered during the year under report. The total number of architects registered as on 31-3-91 are 13810.

VI. Renewal/Restoration

There was a good response for collection of renewal fee from architects registered with the Council for retention of their names in the Register of Architects. The Council also received renewal fee in advance from architecture registered with the Council.

The Council arranged to collect at Bombay on 13-3-91 the renewal fee and other fees payable by architects in and around Bombay.

VII. Building Fund

The Council was able to build a building fund of Rs. 26 lakhs so far from out of its own resources. Out of this a sum of Rs. 8,19,511-80 ps. has been paid to D.D.A. for the Commercial Flat at Bhikaji Cama Place, New Delhi and a sum of Rs. 13 lakhs to India Habitat Centre for the office accommodation at Lodhi Road, New Delhi. Balance payment of Rs. 7 lakhs subject to escalation would be paid on demand. The Commercial flat at Bhikaji Cama Place acquired by the Council is still to be handed over by D.D.A. The Council has to pay the final instalment of Rs. 1,44,619-70 ps. plus escalation, if any, as and when demanded by the D.D.A. The accommodation at India Habitat Centre, Lodhi Road is likely to be completed by June 1992.

VIII. Finances

The Council has a liability of Rs. 1,50,000/- in repayment of the interest free loan to the Government of India.

IX. Removal of Names due to death

The Council regrets to record the sad demise of the following architects during the year under report :—

Name of the Architect	Registration number
S/Shri	
1. T.V.C.K. Vallal	CA/75/1125
2. N.G. George	CA/75/22
3. K. Narayanan	CA/75/1108
4. Yaha C. Merchant	CA/75/2471
5. N.C. Saikia	CA/77/3780
6. Sunil Chowdhry	CA/83/7931
7. P.P. Mungale	CA/84/7691

X. Inspection of Schools of Architecture

The Committee of Experts/Regional Advisory Committee appointed by the Executive Committee of the Council inspected the following institutions during the year under report. The

reports of these Committees have been forwarded to the concerned authorities for taking necessary remedial action on the

recommendations. The reports have also been sent to the members of the Executive Committee :—

Name of Institutions	Date of Inspection	Name of Experts
1	2	3
1. Govt. College of Architecture, Lucknow.	22-6-1990 & 23-6-1990	All members of the Executive Committee.
2. College of Engineering & Technology, Bhubaneswar.	2-7-1990 & 3-7-1990	Shri A.K. Biswal Shri D. Datta.
3. Malviya Regional Engg. College, Jaipur	7-8-1990 & 8-8-1990	Prof. V.P. Raori Prof. S.A. Tungare.
4. TVB School of Habitat Studies, Vasant Kunj, New Delhi	24-8-1990	Prof. V.P. Raori Shri D.D. Mathur Prof. K. Seetharamalu Shri Jasbir Sachdev Director of Technical Education, New Delhi on behalf of the AICTE.
5. M.M.M. College of Architecture, Pune	7-9-1990 & 8-9-1990	Prof. S.A. Tungare Prof. Kulbhushan Jain
6. Deptt. of Architecture, Guru Nanak Dev University, Amritsar	21-9-1990 & 22-9-1990	Prof. M.R. Agnihotri Prof. S.S. Bhatti
7. Prince Shivaji Maratha College of Architecture, Kolhapur.	8-10-1990 & 9-10-1990	Prof. S.A. Tungare Prof. S.Y. Madan Sh. C.N. Raghvendra
8. B.V. Bhoomraddi College of Engg. & Technology, Hubli	31-1-1991	—Do—
9. J.L.N. Engineering College, Aurangabad.	14-2-1991	Prof. S.A. Tungare Prof. Kulbhushan Jain
10. Marathwada Institute of Technology, Aurangabad	15-2-1991	—Do—
11. College of Engg. & Technology, Akola.	25-2-1991	Prof. S.A. Tungare Prof. V.R. Sardesai
12. M.P. Institute of Engg. & Technology, Gondia.	4-3-1991	Prof. S.A. Tungare Sh. M.G. Deobhakta
13. Goa College of Architecture, Goa.	8-3-1991 & 9-3-1991	Prof. Kulbhushan Jain Sh. S.H. Wandrekar.
14. D.C. Patel School of Architecture, Vallabh Vidyanagar (Gujarat)	15-3-1991 & 16-3-1991	Shri Ranjit Sabiki Shri Hasmukh Patel

XI. Workshop on Architectural Education held at Bombay

The Council had organised a Workshop on Architectural Education in Bombay, with the assistance of Sir J. J. College of Architecture, Bombay on 14th and 15th March, 1991 at the Indira Gandhi Institute of Development, Goregaon, Bombay. All Heads of Schools of Architecture in India were invited to participate in this Workshop. In case of the non-availability of the Head, a senior faculty member of the school participates in the Workshop. Members of the Executive Committee and the Education Committee of the Council also attended the Workshop. Prof. S. A. Tungare, Principal, Sir J. J. College of Architecture, Bombay and a member of the Executive Committee was kind enough to make all arrangements for the said Workshop.

XII. Miscellaneous

The Council continues to attend to a large number of enquiries made by the clients from private, Government and Semi Government Organisations with regard to the appointments of architects, conditions of engagement and scale of fees etc.

The Council continues to draw the attention of Public Undertakings and other Organisations whenever architects are called upon to submit designs in competitions or submit tenders in sealed covers to follow the guidelines for architectural competition laid down by Council of Architecture.

In spite of the constraints of space and other facilities the Office of the Council of Architecture continues to function from the premises of the Northern Chapter, Indian Institute of Architects, as alternate suitable accommodation is still under construction.

The Council is grateful to the following Organisations for extending their facilities for holding the meetings of Committees of the Council.

1. School of Planning and Architecture, New Delhi
2. Sir J. J. College of Architecture, Bombay
3. Indian Institute of Architects, Bombay
4. PEATA, Bombay

5. Govt. of Orissa, Bhubaneswar
6. Housing and Urban Development Corporation, New Delhi
7. M/s. Stein, Doshi and Bhalla, New Delhi
8. Indian Institute of Architects (Northern Chapter), New Delhi
9. Indira Gandhi Institute of Development, Goregaon, Bombay.

The Council is thankful to all the Schools of Architecture inspected during the year under report for their alround co-operation during the course of inspection. The Council is also thankful to the experts who have inspected the Schools of Architecture during the year under report.

The Council records its thanks to the retiring members of the Council and its Committees/Sub-Committees, as well as special invitees for their valuable contribution and assistance in the affairs of the Council during their tenure.

The Council would further like to record its thanks to the Northern Chapter of the Indian Institute of Architects, New Delhi, in particular, for kindly permitting the Council to continue to function from their premises during the year under report.

The Council would like to place on record its appreciation for the services of Shri K. V. N. Iyengar for having served the Council as an Administrative Officer and acting Registrar since its inception till date of his retirement on 31st December, 1990. The Council also records its thanks to the members of the staff for their cooperation.

The Council would also like to place on record its appreciation to M/s. Ravi K. Tandon, Chartered Accountants, Delhi for assisting the Council in the audit of its accounts for the year under report.

COUNCIL OF ARCHITECTURE

(Incorporated under the Architects Act, 1972)

Members of the Council of Architecture and its Committees during the period 1-4-90 to 31-3-91

1. Shri J. R. Bhalla, President
2. Shri V. N. Shah, Vice-President

Members elected by the Indian Institute of Architects under clause (a) of section 3 of the Act.

3. Shri Y. S. Kini
4. Shri S. A. Deshpande
5. Shri A. M. Chauhan
6. Shri C. K. Gumaste
7. Shri N. A. Badheka

Members nominated by the All India Council for Technical Education under Clause (b) of sub-Section (3) of Section 3 of the Act.

8. Shri Charles M. Correa

Members nominated by the All India Council for Technical Institutions in India under Clause (c) of sub-Section (3) of Section 3 of the Act.

9. Prof. S. A. Tungare
10. Prof. Gurunath Dalvi
11. Prof. E. F. N. Ribeiro
12. Prof. M. M. Rana
13. Prof. S. S. Bhatti

Ex-Officio Member under Clause (d) of sub-Section (3) of Section 3 of the Act.

14. Shri M. K. Rishi
15. Shri N. Hembram

Members nominated under Clause (e) of sub-Section (3) of Section 3 of the Act.

16. Dr. K. Gopalan

Members nominated by the State Governments under Clause (f) of sub-Section (3) of Section 3 of the Act.

17. Shri S. J. Unwalla, Gujarat
18. Shri P. V. Thomas Panicker, Kerala
19. Shri S. R. Vaidya, Maharashtra
20. Shri Hariday Kaul, Jammu & Kashmir
21. Shri M. Zango, Nagaland
22. Shri M. Venkata Swamy, Karnataka
23. Shri P. K. Rahatekar, Madhya Pradesh
24. Shri V. K. Mathur, Rajasthan
25. Shri R. B. Verma, Bihar
26. Shri L. Mangi Singh, Manipur
27. Shri A. K. Biswal, Orissa
28. Shri R. L. Malhotra, Punjab
29. Shri S. Murugesan, Tamil Nadu
30. Shri A. Chakraborty, Tripura
31. Shri G. K. Kaura, Arunachal Pradesh
32. Shri A. P. Tyagi, Uttar Pradesh
33. Shri R. K. Banerjee, West Bengal
34. Shri B. S. Duggal, Union Territory of Delhi
35. Shri S. G. Torney, Goa
36. Shri A. K. Ghosh, Mizoram
37. Shri M. T. Meshram, Andaman & Nicobar Islands
38. Shri O. P. Mehta, Chandigarh Administration
39. Shri B. P. Malhotra, Himachal Pradesh
40. Smt. Anita Dutta (w.e.f. 8-2-91), Assam.

Members nominated under Clause (g) of sub-Section (3) of Section 3 of the Act.

41. Shri P. P. Dharwadkar
42. Shri T. N. Subba Rao

Members under Clause (h) of sub-Section (3) of Section 3 of the Act.

43. Shri J. P. Bajaj (upto 13-9-90)
44. Maj. Gen. Basant Mullick (w.e.f. 14-9-90)

Members of the Executive Committee

1. Shri J. R. Bhalla, New Delhi, President
2. Shri V. N. Shah, Chandigarh, Vice-President
3. Shri Vijay Kumar Mathur, Jaipur
4. Prof. S. A. Tungare, Bombay
5. Shri N. A. Badheka, Bombay
6. Shri A. K. Biswal, Bhubaneswar
7. Shri M. K. Rishi, New Delhi.

Members of the Education Committee of the Council

1. Shri J. R. Bhalla, New Delhi
2. Shri V. N. Shah, Chandigarh
3. Prof. A. Mohd. Haris, Bombay
4. Prof. S. A. Tungare, Bombay
5. Prof. V. P. Raori, New Delhi
6. Prof. C. K. Gumaste, Bombay
7. Prof. Mansinh M. Rana, New Delhi
8. Prof. S. Datta, Kharagpur
9. Shri R. L. Malhotra, Chandigarh
10. Shri Akhtar M. Chauhan, Bombay

Members of the Disciplinary Committee of the Council of Architecture

1. Shri J. R. Bhalla, New Delhi
2. Shri N. A. Badheka, Bombay
3. Shri M. K. Rishi, New Delhi.

Members of the Advisory Committee (Appeals) of the Council of Architecture

1. Shri V. N. Shah, Chandigarh
2. Shri P. P. Dharwadkar, New Delhi.
3. Shri O. P. Mehta, Chandigarh.

Members of the Admission Committee

1. Shri M. K. Rishi New Delhi
2. Shri N. Hembram, New Delhi.

RAVI K. TANDON & CO.

Chartered Accountants

AUDITOR'S REPORT

We have audited the annexed Balance Sheet of COUNCIL OF ARCHITECTURE, 8-B, Shankar Market, Connaught Circus, New Delhi as on 31st March, 1991 and also Income and Expenditure Account for the year ended on 31st March, 1991 with the accounts books and vouchers as produced to us, we do hereby report as follows :—

- (i) We have obtained all information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;
- (ii) In our opinion proper books of accounts as required by law have been kept by the Council so far as appears from our examination of such books;
- (iii) The Balance Sheet and Income and Expenditure Account dealt with the report are in agreement with the books of account;

(iv) In our opinion and to the best of our information according to the explanations given to us the said statement of accounts give a true and fair view—

(a) In case of Balance Sheet of the state of affairs of the Council as at 31st March, 1991;

(b) In case of Income and Expenditure Account of excess of Income over Expenditure for the year ended on that date.

for Ravi K. Tandon & Co.

Place : Delhi
Dated : 14-8-91

(Chartered Accountants)

Sd/-
Ravi K. Tandon
Prop.

RAVI K. TANDON & CO.

COUNCIL OF ARCHITECTURE

(Incorporated under the Architects Act, 1972)

NOTES ON ACCOUNTS FORMING PART OF THE STATEMENT OF ACCOUNTS AS ON 31ST MARCH, 1991

1. Figures of previous year have been regrouped and rearranged wherever necessary;
2. Books of accounts have been maintained mainly on receipt basis;
3. A sum of Rs. 5,00,000/- has been transferred to Building Fund India Habitat Centre, Lodhi road, New Delhi from General Reserve during the year under consideration; the total amount transferred till date is Rs. 20,00,000/-;
4. During the year under consideration, Gratuity provision of Rs. 8,715/- debited in Income & Expenditure Account includes a sum of Rs. 2,125/- in respect of gratuity provision of Mr. K. V. N. Iyengar Offg. Registrar which has been provided twice in the books of accounts. However, he has been paid actual amount due to him while making the payment of gratuity. The excess of Income over Expenditure as shown by Income & Expenditure Account has been understated by Rs. 2,125/-;
5. A sum of Rs. 100/- has been received by the Council from its member without any detail thereof. Hence it has been credited to Income & Expenditure Account under the head 'Other Fee'. The account has been shown as suspense in the books of accounts.

For & On Behalf of Council

Sd/-
(J. R. Bhalla)
President

Sd/-
(Ashok Yadav)
Registrar

for Ravi K. Tandon & Co.
Chartered Accountant
Sd/-
(Ravi K. Tandon)
Prop.

Dated : 14-8-91
Place : Delhi.

Council of Architecture
(Incorporated under the Architects Act, 1972)
BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH, 1991

Previous Year	LIABILITIES	Amount	Previous Year	ASSETS	Amount
				Fixed Assets	
	General Reserve		26202.25		22345.25
833669.06	Balance as on 1-4-90	833669.06		Investments	
	Add: Excess of Income over Expenditure	816080.30	819511.80	(i) Building (allotted) at Madam Bhikaji Cama Place, New Delhi under D-D-A's S.F.S. (As per last year)	819511.80
		1649749.36			
	Less: Amount transferred to				
	(i) Building Fund—India Habitat Centre	500000.00	900000.00	(ii) Building (allotted) at India Habitat Centre, Lodi Road, New Delhi	900000.00
	(ii) Building Fund—Madam Bhikaji Cama Place	—		Add: Additions during the year	400000.00
		500000.00			1300000.00
	Building Funds				
1100000.00	Madam Bhikaji Cama Place—		1234155.45	Fixed Deposit Receipts	1234155.45
	as on 1-4-90	1100000.00	10823.34	Loans & Advances	10704.64
	Add: Tfd. during the year	—		Cash & Bank Balances	
		1100000.00			
1500000.00	India Habitat Centre, Lodi Road, New Delhi on 1-4-90	1500000.00	100.00	Cash in Hand	—
	Add: Tfd. during the year	500000.00	429981.40	S.B.I., Main Branch—C/A 22/65334	913961.90
		2000000.00	173199.44	Syndicate Bank, Super Bazar Branch C/A 3370	109374.94
	Loans				
150000.00	Loan from Govt. of India (As per last year)	150000.00			
	Other Liabilities				
10304.62	Seminar—Unspent (As per last year)	10304.62			
3593973.68		4410053.98	3593973.68		4410053.98

Notes: Notes on Accounts is forming
For and on Behalf of the Council

Dated: 14th August, 1991
Place: Delhi

Sd/-
(J.R. Bhalla)
President

part of the statement of accounts
Sd/-
(Ashok Yadav)
Registrar

In terms of our separate report of even date
for Ravi K. Tandon & Co.
Sd/-
(Ravi K. Tandon)
Prop.

INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED ON 31ST MARCH, 1991

Previous Years	EXPENDITURE	Amount	Previous Year	INCOME	Amount
373684.00	To Pay & Establishment	473144.00	1368681.50	By Fees Received:	
6303.00	To Gratuity Provisions	8715.00		Registration Fee (Net)	178450.00
15847.44	To Printing & Stationery	27994.12		Renewal Fee (Net)	1005625.00
40000.00	To Publication charges	—		Restoration Fee (Net)	194480.00
301571.00	No Notification charges	17743.00		Duplicate Registration	
22670.30	To Postage (Net)	56237.75		Certificate Fee (Net)	4360.00
22865.00	To Travelling Allowances (Including LTC)	37494.00		Additional Qualification Fee	60.00
4698.40	To Conveyance Hire charges	5256.50		Other Fee—As per note on	
14748.00	To Telephone Expenses (Net)	19454.84		Accounts	100.00
364.80	To Cleaning Materials	212.90			1383075.00
516.75	To Refreshment Charges	2316.46	13550.00	By Sale of Publications	7125.00
385.35	To Liveries	—			
1811.20	To Electricity charges	1566.00	124341.85	By Interest on F.D.R.	123415.50
455.50	To Electrical goods	779.50			
770.00	To Hot & Cold Water charges	622.50	429.90	By Bank Commission (Net)	203.50
1421.15	To Misc. Expenses (Net)	2122.63			
5000.00	To Rent	10000.00			
11849.00	To Legal Expenses	3005.00			
1650.00	To Audit Fee	1650.00			
1651.90	To Office Books & Periodicals—				
	News Papers & Periodicals	1722.50			
	Office Books	331.80			
3460.00	To Repair & Maintenance	1850.20			
5134.00	To seminar Expenses—Workshop on				
	Architectural Education	5000.00			
45106.00	To Income Tax—A.Y. 1991-92	44027.00			
8925.87	To Depreciation—				
	Equipment	5157.00			
	Furniture	1336.00			
616114.59	To Excess of Income over Expenditure				
	to General Reserve	816080.30			
1507003.25		1513819.00	1507003.25		1513819.00

Date: 14-8-91

Place: New Delhi

Sd/-

(J.R. Bhalla)
President

For and on Behalf of Council

Sd/-
(Ashok Yadav)

Registrar

In terms of our separate Report of even date
for Ravi K. Tandon & Co.
(Chartered Accountants)Sd/-
(Ravi K. Tandon)
Prop.

RAVI K. TANDON & CO.
Chartered Accountants

AUDITOR'S REPORT

We have audited the annexed Balance Sheet of COUNCIL OF ARCHITECTURE CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND ACCOUNT 8-B, Shankar Market, Connaught Circus, New Delhi with the Books of Accounts and Vouchers produced to us and we report as follows :—

- (1) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;
- (2) In our proper books of accounts as required by law have been kept by the Council of Architecture Contributory Provident Fund Account so far as appears from our examination of such books;

- (3) The Balance Sheet is in agreement with the books of Accounts, and
- (4) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us the said statement of accounts gives a true and fair view, in the case of Balance Sheet of the State of affairs as at 31st March, 1991.

Dated : 14-8-91

Place : Delhi

Sd/-
for Ravi K. Tandon & Co.
Chartered Accountants

Sd/-
Ravi K. Tandon
Prop.

COUNCIL OF ARCHITECTURE

(Incorporated under the Architects Act, 1972)

CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND BALANCE SHEET AS ON 31st MARCH, 1991

Previous Year	LIABILITIES	Amount	Previous Year	ASSETS	Amount
	Council of Architecture			Investment	
197416.00	C.P.F. Contribution	125100.00	397400.00	Fixed Deposit Receipts-with Syndicate Bank	373300.00
191753.00	C.P.F. Subscription	138750.00			
	Reserve Fund			Loans & Advances	
88364.30	Opening Balance	88364.30	4590.00	C-P-F Advance	7540.00
	Add :				
	(i) Intr. on Saving Bank Account	3610.05		Cash & Bank Balances	
	(ii) Intr. on Fixed Deposit	80708.72	75543.30	Syndicate Bank (S-B A/c No. 30554)	55693.07
477533.30		436533.07	477533.30		436533.07

For and on Behalf of Council

Sd/-

(J.R. Bhalla)
President

In terms of our separate report of date
for Ravi K. Tandon & Co.

Chartered Accountants

Sd/-

(Ravi K. Tandon)
Prop.

Date: 14-8-91

Place: Delhi

Sd/-

(Ashok Yadav)
Registrar

CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND RECEIPTS & PAYMENTS ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED ON 31ST MARCH, 1991

Previous Year	Receipts	Amount	Previous Year	Payments	Amount
	Opening Balance—			Fixed Deposit—	—
8987.85	With Syndicate Bank	75543.30	31900.00	Purchased & Renewed During the Year	201700.00
	Contribution—			C.P.F. Advances	9960.00
19389.00	Employees Subscription	20208.00	13200.00	Non Refundable Withdrawal From C.P.F.	—
12968.00	Council's Contribution	12510.00		Payment of Provident Fund on Retirement—	
4625.00	Recovery of Advance	7010.00	—	Employees Subscription	94401.00
32249.45	Interest on Fixed Deposit	80708.72	—	Council's Contribution	105692.00
149.00	Interest on Savings Bank	3610.05		Balance—	
3146.00	Interest on C.P.F. advances	170.00	75543.30	With Syndicate Bank—	55693.07
	— Fixed Deposit (Matured during the year)	225800.60		A/c No. 30554	
	— C.P.F. Arrears of Pay	453.00			
	Interest Allowed on—				
18867.00	Employees Subscription	20567.00			
19762.00	Council's Contribution	20866.00			
120643.30		467446.07	120643.30		467446.07

For and on Behalf of Council

Sd/-

(J.R. Bhalla)

President

Dated: 14-8-91
Place: New Delhi

In Terms of our Separate Report of even date
For Ravi K. Tandon & Co.
Chartered Accountants

Sd/-
(Ashok Yadav)
Registrar

Sd/-
(Ravi K. Tandon)
Prop.

RAVI K. TANDON & CO.
Chartered Accountants

AUDITOR'S REPORT

We have audited the Balance Sheet of COUNCIL OF ARCHITECTURE GRATUITY FUND ACCOUNT 8-B, Shankar Market, Connaught Circus, New Delhi-110001 with the Books of Accounts and Vouchers produced to us and we report as follows :—

- (1) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;
- (2) In our proper books of accounts as required by law have been kept by the Council of Architecture Gratuity Fund Account so far as appears from our examination of such books;

- (3) The Balance Sheet is in agreement with the books of Accounts, and
- (4) In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us the said statement of accounts gives a true and fair view, in the case of Balance Sheet of the State of affairs as at 31st March, 1991.

Dated : 14-8-91
Place : Delhi

Sd/-
for Ravi K. Tandon & Co.
Chartered Accountants

Sd/-
Ravi K. Tandon
Prop.

Council of Architecture
(Incorporated Under the Architects Act, 1972)
GRATUITY FUND ACCOUNT BALANCE SHEET AS ON 31ST MARCH, 1991

Previous Year	LIABILITIES	Amount	Previous year	ASSETS	Amount
	Gratuity Fund			Investments	
53218.10	Opening Balance	53218.10	44800.00	F.D.R. with Syndicate Bank—	
	Add: Addition during the year	8715.00		B—947992/11619	4800.00
				A—0699466/6473	3000.00
				C—733627/13338	6000.00
				C—733638/13348	21300.00
				A—985584/7728	5000.00
	Reserve Fund				
1580.90	Opening Balance	1580.90		Cash & Bank Balances	
	ddd: Interest on FDR	20784.00		Syndicate Bank (S.B. A/c No. 35584)	44894.45
	Interest on SB A/c	696.45	23061.35		
54799.00		84994.45	54799.00		84994.45

NOTE: 1. Addition in Gratuity Fund includes Rs. 2125/- excess received from Council of Architecture has been paid back to them upto the date of finalisation of Balance Sheet.

2. Interest on FDRs has been taken on receipt basis.

For and on Behalf of Council

In terms of our separate Report of even date
for Ravi K. Tandon & Co.
Chartered Accountants
Sd/-
(Ravi K. Tandon)
Prop.

Dated: 14-8-1991
Place: Delhi

Sd/-
(J.R. Bhalla)
President

Sd/-
(Ashok Yadav)
Registrar

